● वर्ष-3

● अंक-11

रायपुर, मंगलवार
22 अगस्त 2023

● पृष्ठ-8

● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पड़ोसी देशों के लोगों को एजेंट बना रहा आईएसआई

आंतकी संगठनों को भारतीय सेना के जवानों, राफेल और सैन्य संस्थानों के भेजे फोटो

शामली। शामली से आईएसआई एजेंट की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से जुड़े एजेंटों और आतंकी संगठनों के बारे में नए-नए खुलासे हो रहे हैं। खुफिया एजेंसियों की जांच में पता चला है कि आईएसआई एजेंट और पाकिस्तान के आतंकी संगठन भारत ही नहीं पड़ोसी मुस्लिम देश बांग्लादेश, अफगानिस्तान, बलूचिस्तान आदि के भोले भाले लोगों को भी अपने चंगुल में फंसाकर भारत देश के खिलाफ भड़का रहे हैं।

खुफिया एजेंसियों की अभी तक की जांच में सामने आया है कि पाकिस्तान से गिरोह को ऑपरेट कर रहे आईएसआई एजेंट और भारत में रहकर देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने वाले एजेंट अनपढ़ होते हैं। ये कभी स्कूल नहीं गए होते या फिर जाते भी है तो कक्षा एक या फिर दो में ही बीच में ही पढ़ाई छोड़ चुके होते हैं। मगर ये एजेंट पढ़े लिखे, प्रोफेशनल कोर्स कर चुके लोगों को भी मात देते हैं। सोशल मीडिया से लेकर आई फोन चलाने में पूरी तरह से एक्सपर्ट होते हैं। मात्र दो दिन में लोगों का ब्रेन वॉश कर देते हैं। जांच में पता चला है कि पाकिस्तान में बैठा कैराना का दिलशाद मिर्जा और अन्य वीडियो भेजकर भी लोगों को अपने साथ जोड़ने का काम कर रहे हैं। जांच में सामने आया है कि दूसरे देश के लोगों को अपने साथ जोड़ने के बाद कहा जाता है कि वह भी अपने साथ भारत के लोगों को जोड़े तथा भारत को इस्लाम राष्ट्र घोषित कराने में सहयोग करें। खुफिया एजेंसियों ने इसकी जांच पड़ताल शुरू कर दी है। वेस्ट यूपी के मेरठ, बागपत, शामली, सहारनपुर, बिजनौर, बुलंदशहर,

गाजियाबाद, दिल्ली के भी कुछ लोगों के आईएसआई से जुड़े होने की संभावना है। जिसको लेकर एसटीएफ और पुलिस लगातार छापा मार रही है।

मामले में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी को आईबी और एसटीएफ ने शामली में डेरा डाल दिया है। दो टीमें विभिन्न स्थानों पर छापामारी कर रही है। एसपी अभिषेक ने बताया कि मामले की जांच सीओ सिटी को सौंप दी गई है। जल्द ही फरार आरोपी भी गिरफ्त में होंगे।

एनआईए को ट्रांसफर हो सकता है मामला

एसटीएफ के अधिकारियों के अनुसार, पकड़ा गया कलीम फिलहाल मुजफ्फरनगर की जेल में बंद है। मामले की जांच सीओ स्तर के अधिकारी करेंगे। मामला जल्द ही एनआईए को भी ट्रांसफर हो सकता है। यदि मामला एनआईए को ट्रांसफर होता है, तो आरोपी को एनआईए कोर्ट लखनऊ में भी पेश किया जाएगा। फिलहाल शामली पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेने की तैयारी में है।

अंग्रेजी और उर्दू का है पूरा ज्ञान

जांच में पता चला है कि पाकिस्तान में बैठे आईएसआई एजेंट अनपढ़ होने के बावजूद अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू का पूरा ज्ञान रखते हैं। बातचीत के दौरान यदि किसी को उर्दू बोलने में कोई दिक्कत है तो उसे वीडियो कॉल के माध्यम से खुद ही ट्रेंड करते हैं। यदि किसी की अंग्रेजी या हिंदी में गड़बड़ है तो उसे भी सिखाते हैं। जेहाद फैलाना ही मकसद है, इसके लिए उकसाते हैं।

आईएसआई एजेंट कलीम के भाई तहसीम की तलाश में देर रात सीओ श्रेष्ठा ठाकुर और कोतवाली पुलिस ने नौकुआं मोहल्ले में दबिश दी। मगर आरोपी हाथ नहीं लग सका। पुलिस ने बताया कि शामली के कई स्थानों पर आरोपी की तलाश में दबिश दी गई। जल्द आरोपी को पकड़ने का दावा किया है। उधर, दबिश से लोगों में भी हड़कंप मचा रहा। इसके अलावा लखनऊ की आईबी की टीम भी जांच के लिए पहुंची। आईबी की टीम ने भी शहर में डेरा डाल दिया है। वहीं सूत्रों के अनुसार, जांच में पता चला है कि तहसीम अधिकतर रात में ही पाकिस्तान में बैठे दिलशाद मिर्जा से बात करता था, ताकि कोई उस पर शक नहीं कर सके। वह मोबाइल में सिम बदलकर एक फर्जी आईडी पर लिए गए सिम से बात किया करता था, ताकि पकड़ में न आ सके। पुलिस सूत्रों की मानें तो पूरे खेल का स्थानीय स्तर पर मास्टर माइंड तहसीम ही है।

अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद बढ़ी आतंकवादी गतिविधियां

जम्मू। जम्मू कश्मीर से अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों में बढ़ोतरी हुई है। पिछले करीब चार वर्ष में आतंकवादियों की भर्ती की घटनाओं में भी वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के मुताबिक, जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियानों में पांच अगस्त 2019 से 16 जून 2023 के बीच 231 आतंकवादियों और उनके मददगारों की गिरफ्तारी की गई है जो 27 अक्टूबर 2015 से चार अगस्त 2019 के बीच हुई ऐसी गिरफ्तारियों की तुलना में 71 प्रतिशत ज्यादा हैं। केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को रद्द कर दिया था और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों -- जम्मू कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू क्षेत्र में आठ ग्रेनेड और 13 आईईडी हमले दर्ज किए गए। 27 अक्टूबर 2015 से चार अगस्त 2019 तक चार ग्रेनेड और सात आईईडी हमले दर्ज किए गए थे। आईईडी विस्फोटों में हताहतों की संख्या 2015-19 में तीन से 2019-2023 में 73 प्रतिशत बढ़कर 11 हो गई।

अनुच्छेद 370 को हटाने से पहले और इसे हटाने के बाद के करीब चार वर्ष के आंकड़ों की तुलना करने पर पता चलता है कि आतंकवादियों द्वारा हमला कर भाग जाने की घटना में 43 प्रतिशत

इन दिनों

सचिन पायलट कांग्रेस वर्किंग कमेटी में

जुलाई 2020 में तत्कालीन उप मुख्यमंत्री और पीसीसी चीफ सचिन पायलट को गहलोत सरकार के खिलाफ उनके बगावती तेवरों और मानेसर में 19 विधायकों संग कैंप करने के चलते उपमुख्यमंत्री पद के साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के पद से हटा दिया गया था। अब तीन साल बाद चुनाव से पहले सुलह हुई और पायलट को संगठन में फिर से पद देते हुए उनका सियासी कद बढ़ा दिया गया है। वर्किंग कमेटी मेम्बर के तौर पर पायलट अब कांग्रेस के शीर्ष नेताओं यानी टॉप लीडरशिप के साथ बैठेंगे। सचिन पायलट के साथ ही वर्किंग कमेटी कोर टीम में राजस्थान से पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह और राज्य के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र से आने वाले जल संसाधन मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय को भी जगह मिली है। राजस्थान से ही आने वाले अभिषेक मनु सिंह सिंघवी, मोहन प्रकाश, हरीश चौधरी, पवन खेड़ा भी वर्किंग कमेटी में शामिल हैं। ये सात सदस्य राजस्थान से हैं। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा और चुनाव स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन गौरव गोगोई भी सीडब्ल्यूसी में शामिल हैं। गहलोत और पायलट में सुलह कराने वाले राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी ष्ट्ड्ढष्ट सदस्य हैं। वेणुगोपाल राजस्थान से राज्यसभा सांसद भी हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, रणदीप सुरजेवाला, मुकुल वासनिक भी राजस्थान से मौजूदा राज्यसभा सांसद हैं। राजस्थान के पूर्व प्रदेश प्रभारी अजय माकन और अविनाश पांडे भी इसमें शामिल हैं। आनंद कुमार भी राजस्थान से पूर्व राज्यसभा सांसद रहे हैं। कुमारी शैलजा पिछले विधानसभा चुनाव (2018) में टिकट तय करने के लिए बनी स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष थीं। इससे पहले वे राजस्थान प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाल चुकी हैं। एक बात समझनी होगी कि सचिन पायलट पर कांग्रेस हाईकमान ने फिर से भरोसा जताया है और उन्हें उस वर्किंग कमेटी का सदस्य बनाया है, जहां कांग्रेस पार्टी के सारे टॉप लेवल पर निर्णय होते हैं और इसमें पार्टी स्ट्रेटजी और प्लानिंग की सीक्रेसी बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। इससे राष्ट्रीय स्तर की राजनीति में भी उनका दखल बढ़ेगा। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी के अलावा मल्लिकार्जुन खरगे की भूमिका उनकी इस नियुक्ति में अहम रही है। राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव में सीएम अशोक गहलोत के साथ ही सचिन पायलट भी स्टार प्रचारक के रूप में दौरे करेंगे। पार्टी ने स्ट्रेटजी के तहत सचिन पायलट को ष्ट्ड्ढष्ट में लिया है। इसके जरिए पायलट समर्थक नेताओं, उनके फॉलोअर्स युवाओं और गुर्जर समाज में एक सियासी मैसेज देने की कोशिश की गई है। राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत के फेस पर और उनकी योजनाओं पर ही चुनाव हो रहे हैं, लेकिन चुनाव में जीतने के लिए सचिन पायलट का साथ होना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कांग्रेस विधायक ने सोगड़ा आश्रम पर झूठा आरोप लगाया

जशपुर । कुनकुरी विधायक यूडी मिंज का जल संसाधन मंत्री रविंद्र चौबो को लिखे एक पत्र से क्षेत्र में आक्रोश बढ़ गया है। मिंज ने अपने इस शिकायती पत्र में सोगड़ा में स्थित मां सर्वेश्वरी आश्रम का उल्लेख कर दिया है। इसी को लेकर क्षेत्र में नाराजगी है। भाजपा नेता और पूर्व मंत्री गणेशराम भगत ने इसको लेकर मिंज के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पूर्व मंत्री गणेश राम भगत ने हिंदुओं के आस्था केंद्र पर आरोप लगाने वाले विधायक की पुतला दहन की चेतावनी दी है।

बता दें कि सोगड़ा आश्रम से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव की भी आस्था जुड़ी हुई है। दोनों नेता वहां दर्शन करने जाते हैं। ऐसे में आश्रम को लेकर मिंज के पत्र ने लोगों को गुस्सा बढ़ा दिया है। भाजपा नेता और पूर्व मंत्री भगत ने कहा कि सोगड़ा में स्थित मां

सर्वेश्वरी आश्रम केवल न जशपुर वासियों के आस्था का केंद्र है बल्कि पूरी दुनिया मे रहने वाले हिंदुओ का आस्था का केंद्र है । कुनकुरी विधायक यूडी मिंज ने हमारी आस्था के केंद्र सोगड़ा आश्रम पर झूठा आरोप लगाया है। इसके लिए उसे जशपुर के हिंदू कभी माफ नहीं करेंगे।

भगत ने कहा कि भगवा चोला पहनकर हिंदुओ के बीच कालनेमि की भूमिका अदा करने वाले कुनकुरी विधायक का असली चेहरा सबके सामने आ गया। कुनकुरी विधायक मिंज ने दुनिया के करोड़ो हिंदुओं की आस्था के केंद्र सोगड़ा आश्रम पर झूठा आरोप लगाते हुए मंत्री रविन्द्र चौबे को पत्र लिखा है । भगत ने कहा कि यूडी मिंज ईसाई हैं और ईसाइयों की आस्था कभी भी हिंदू धर्म के संत, भगवान और मंदिर मठों के प्रति नहीं हो सकती है। इसी कारण से उनके द्वारा सोगड़ा आश्रम के प्रति ऐसे झूठे आरोप लगाए गए हैं जिसे हिंदू समाज कभी माफ नहीं करेगा और इसका परिणाम उन्हें भुगतना होगा। बता दें कि विधायक मिंज के द्वारा मंत्री रविन्द्र चौबे को पत्र लिखते हुए लिखा है कि जल संसाधन विभाग के (आरईएस) के ईई विजय जामनिक की जशपुर में पदस्थापना सोगड़ा सर्वेश्वरी समूह आश्रम के दबाव में किया गया है। भगत ने कहा कि कल कुनकुरी विधानसभा के दुलदुला में विधायक यू डी मिंज का पुतला दहन किया जाएगा ।

जशपुर में चारों तरफ पहाडियों से घिरे सोगड़ा बस्ती में अघोर पीठ का यह आश्रम स्थित है। सोगड़ा आश्रम, वामदेव नगर गम्हरिया और नारायणपुर चिटकवाईन स्थित सर्वेश्वरी समूह के आश्रमों का अपना इतिहास है। जन सेवा भेद केंद्र चिटकवाइन अघोरेश्वर भगवान राम का प्रथम आश्रम रहा है। जहां जशपुर राजा पूजा- अर्चना के लिए जाते थे। बताया जाता है कि विद्यांचल में नवरात्रि करने भैरव कुंड में जशपुर नरेश राजा विजय भूषण सिंह देव गए हुए थे। तब वे बाबा से अत्यंत प्रभावित हुए और उन्होंने बाबा को जशपुर आने का आमंत्रण दिया। 1960 में मां का मंदिर, आदि शक्ति मां सर्वेश्वरी की स्थापना सोगड़ा आश्रम में की गई। स्थापना होने के बाद अवधूत भगवान राम बाबा ने ट्रस्ट स्थापना की और इसके माध्यम से वन प्रांत में निवासरत गरीब लोगों की सेवा में जुट गए।

रायपुर। श्रावण सोमवार पर आज पूरा प्रदेश शिव भक्ति के रंग में सराबोर रहा। राजधानी में भी शिवभक्ति की गूंज जगह-जगह सुनाई देती रही। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गुढ़ियारी में मारुति मंगल में दिव्य कांवड़ यात्रा में हिस्सा लिया। पारंपरिक अनुष्ठान तथा पूजा पाठ करने के पश्चात मुख्यमंत्री शिव भक्तों के साथ बैठे।

प्रमुख समाचार

बंगाल सरकार ने इमामों और मुअज्जिनों का भत्ता बढ़ाया

नईदिल्ली। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नेताजी इंडोर स्टेडियम में इमाम सभा से सर्वधर्म सद्भाव का संदेश दिया। अल्पसंख्यक मुद्दों पर बीजेपी से लेकर सीपीएम-कांग्रेस तक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साध रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इमाम कॉन्फ्रेंस में खड़े होकर इमाम मुअज्जिनों के लिए भविष्य के क्रेडिट कार्ड को लेकर बड़ा ऐलान किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने भत्ता बढ़ाने का भी ऐलान किया है। ममता सरकार के इस कदम को 2024 चुनाव से पहले अल्पसंख्यक कार्ड के तौर पर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की, इमाम-मोअज्जिनों को भविष्य में क्रेडिट कार्ड योजना में पांच लाख का लोन मिलेगा। बैंक से लोन लेने के लिए पहले 25 हजार रुपये का भुगतान राज्य सरकार करेगी। अगर वह पांच लाख का लोन लेता है तो उसकी गारंटर राज्य सरकार होगी। उस ऋ्रण से कोई दर्जी की दुकान खोल सकता है, कोई गाय-बकरी, मुर्गीपालन खोल सकता है। इस दिन ऑल इंडिया इमाम मोअज्जम सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन और राज्य के छोटे-बड़े इमाम संगठनों ने नेताजी इंडोर स्टेडियम में एक रैली का आयोजन किया।

शरद पवार हमारे नेता बने रहेंगे : राकांपा मंत्री दिलीप पाटिल

नईदिल्ली। पिछले महीने अजित पवार के साथ महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे नीत सरकार में शामिल हुए वरिष्ठ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता दिलीप वलसे पाटिल ने सोमवार को शरद पवार के नेतृत्व में विश्वास जताया। इससे पहले उन्होंने कहा था कि पार्टी संस्थापक पवार अपनी लंबी राजनीतिक पारी के दौरान सरकार बनाने के लिए स्पष्ट बहुमत नहीं जुटा सके। शरद पवार पर अपनी टिप्पणी को लेकर आलोचना झेल रहे दिलीप वलसे पाटिल ने सोमवार को दावा किया कि पुणे जिले में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में की गई उनकी टिप्पणी को मीडिया ने तोड़-मरोड़ कर पेश किया। मंत्री ने कहा कि शरद पवार भविष्य में भी उनके नेता रहेंगे और 82 वर्षीय वरिष्ठ नेता के प्रति उनके मन में हमेशा सम्मान रहेगा। शरद पवार के पूर्व करीबी सहयोगी और राज्य के सहकारिता मंत्री वलसे पाटिल ने कहा, मुझे लगता है कि मीडिया ने इसे गलत समझा। मैंने कभी भी पवार साहब के बारे में बुरा नहीं बोला। मैं इस बात पर अफसोस जता रहा था कि जहां अन्य क्षेत्रीय पार्टियों को अपने दम पर सत्ता मिली, वहीं महाराष्ट्र की जनता ने उन्हें सत्ता नहीं सौंपी।

खरगे मंगलवार को बुंदेलखंड में रैली को संबोधित करेंगे

नईदिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे मंगलवार को मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सागर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। मध्य प्रदेश में कुछ माह बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के.के. मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि खरगे मंगलवार दोपहर को एक बैठक को संबोधित करेंगे। मिश्रा ने कहा, वह सुबह भोपाल पहुंचेंगे और फिर मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के साथ सड़क मार्ग से सागर जाएंगे। खरगे 13 अगस्त को सागर में एक रैली को संबोधित करने वाले थे, लेकिन इसे रद्द कर दिया गया। संयोग से, 12 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुसूचित जाति के लिए पूजनीय संत रविदास के 100 करोड़ रुपये के स्मारक-मंदिर की आधारशिला रखी थी और सागर में एक जनसभा को संबोधित किया था। बुंदेलखंड में सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह और पन्ना जिले शामिल हैं, जिनमें 26 विधानसभा सीटें हैं, जिनमें से 15 पिछले राज्य चुनावों में भाजपा ने जीती थीं।

चंद्रयान-3 एक बड़ी सफलता होगी: इसरो के पूर्व चीफ

नईदिल्ली। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की बहुप्रतीक्षित सॉफ्ट लैंडिंग से पहले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व निदेशक और पिछले चंद्र मिशन चंद्रयान-2 के प्रभारी के सिवन ने सोमवार को कहा कि मिशन शानदार सफलता होगा। इसरो के पूर्व निदेशक के सिवन ने चंद्रयान-3 की बेहतर लैंडिंग का आश्वासन दिया। के सिवन ने कहा कि चंद्रयान 2 से सीखते हुए, उन्होंने मिशन में अधिक सफलता और दृढ़ता के लिए सुधारात्मक उपायों और बढ़े हुए मार्जिन का उल्लेख किया। चंद्रयान 3 मिशन पर इसरो के पूर्व निदेशक के सिवन ने कहा कि पिछली बार लैंडिंग प्रक्रिया के बाद, हमने डेटा का अध्ययन किया था... उसके आधार पर, सुधारात्मक उपाय किए गए हैं। इतना ही नहीं, हमने इससे भी कुछ किया है। हमने क्या सुधार किया। जहां भी मार्जिन कम है, हमने उन मार्जिन को बढ़ाया... चंद्रयान 2 से सीखे गए सबक के आधार पर, सिस्टम अधिक कठोरता के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारा अपना सिस्टम है और हम बिना किसी समस्या के सॉफ्ट लैंडिंग करा लेंगे।

पंजाब में सड़कों पर उतरे किसान लाठीचार्ज में एक की मौत

चंडीगढ़। पंजाब में एक बार फिर किसान सड़क पर उतर आए हैं। पंजाब के 16 किसान संगठनों ने मंगलवार से चंडीगढ़ में बड़े प्रदर्शन का एलान किया है। किसानों ने चंडीगढ़ कूच कर दिया है। जगह-जगह पर पुलिस उन्हें रोकने में लगी है। उधर, संगरूर जिले के लोंगोवाल में आंदोलन कर रहे किसानों और पुलिस में झड़प हो गई। इसमें एसएचओ दीपइंदर सिंह जेजी समेत कई पुलिसकर्मी और किसान घायल हैं। एक किसान प्रीतम सिंह की मौत हो गई है। भारतीय किसान यूनियन आजाद के जिला स्तरीय प्रतिनिधि जसवीर सिंह मेदेवास ने बताया कि गांव मंडेर के किसान प्रीतम सिंह आंदोलन में सुबह से ही साथ रहे। लोंगोवाल से बड़बड़ जाते वक्त पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इसमें प्रीतम सिंह समेत कई किसान गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रीतम सिंह को तुरंत संगरूर अस्पताल ले जाया गया। वहां से उन्हें पटियाला रेफर कर दिया गया। मगर प्रीतम सिंह की जान नहीं बची। वहीं सुनाम सिटी थाने के एसएचओ दीपइंदर सिंह जेजी समेत कई पुलिसकर्मी भी घायल हैं एसएचओ को गंभीर चोट आई है। पुलिस का कहना है कि किसानों ने एसएचओ पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया है। किसान संगठन नुकसान के मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

दिल्ली में पार्किंग की जगह विशेष विमानों के लिए पर्याप्त नहीं

जी20 शिखर सम्मेलन के मेहमान बनेंगे बाइडेन, सुनक, जिनपिंग

जी20 शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली में तैयारियां जोरों पर हैं। कई इलाकों में साज सज्जा का काम किया जा रहा है। वहीं दिल्ली का आतिथ्य उद्योग सितंबर में अब तक के सबसे व्यस्त और सबसे हाई-प्रोफाइल सीज़न में से एक के लिए तैयारी कर रहा है। आगामी 9 और 10 सितंबर को राजधानी में आयोजित होने वाले जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ राजनीतिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी भाग लेंगे। सितंबर के पहले सप्ताह से मध्य और दक्षिण दिल्ली और एयरोसिटी में होटल पूरी तरह से बुक हो गए हैं। इन होटलों की टीमें आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के लिए अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। जी20 शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली के दो हवाई अड्डे - इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और पालम में भारतीय वायुसेना बेस पर लगाभाग 50 विशेष विमानों के उतरने की उम्मीद है।

सबसे प्रमुख होटल आईटीसी मौर्य, ताज पैलेस, ताज महल, द ओबेरॉय, द लोधी, द इंपीरियल, ली मेरिडियन, शांगरी-ला इरोस, हयात रीजेंसी, लीला पैलेस, द ललित और द क्लैरिजेस - 7 सितंबर से 11 तक लगभग पूरी तरह से बुक हो चुके हैं। बुकिंग.कॉम पर भारत, श्रीलंका, मालदीव और इंडोनेशिया के कंट्री मैनेजर संतोष कुमार ने देखा है कि नई दिल्ली उनके प्लेटफॉर्म पर सबसे अधिक खोजे जाने वाले गंतव्यों में से एक बन गया है। उन्होंने कहा, जी20 शिखर सम्मेलन हमारी संस्कृति, विरासत और आतिथ्य को प्रदर्शित करने का

एक उत्कृष्ट अवसर प्रस्तुत करता है।

टीम बाइडेन के लिए 400 कमरे बुक

दिल्ली के प्रतिष्ठित आईटीसी मौर्य में तैयारियां जोरों पर हैं क्योंकि यह अपनी आगामी यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन की मेजबानी के लिए तैयार है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस महत्वपूर्ण घटना की प्रत्याशा में तैयारियों की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। विशेष रूप से, राष्ट्रपति बाइडेन और उनकी टीम के रहने के लिए 400 से अधिक कमरे आरक्षित किए गए हैं।

जिनपिंग के लिए ताज बुक

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए ताज को बुक किया गया है। इस होटल के अधिकतर कमरों को चीनी राष्ट्रपति और उनके सहयोगियों के लिए बुक किया गया है। इसी होटल में चीन के अलावा यूएई और ब्राजील से आए मेहमान भी रहेंगे। इसके अलावा दिल्ली का होटल क्लैरिजस फ्रांस के राष्ट्रपति के लिए बुक किया गया है। इस पूरे होटल में फ्रांस के राष्ट्रपति और उनके साथ आए सहयोगी रुकेंगे। होटल इंपीरियल ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ठहरेंगे।

ऋषि सुनक बनेंगे शंगरी ला के मेहमान

होटल शंगरी ला के मेहमान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक होंगे। इसी होटल में जर्मनी के मेहमान रुकेंगे। अब तक की तैयारियों के हिसाब से दिल्ली से बाहर भी एक देश के प्रमुख की मेहमानवाजी का इंतजाम किया जा रहा है।

अगले महीने जी20 शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली के दो हवाई अड्डों इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और पालम में भारतीय वायुसेना बेस पर लगभग 50 विशेष विमानों के उतरने की उम्मीद है। ऐसे में पार्किंग की जगह की कमी के कारण विदेश मंत्रालय (एमईए) उन्हें अन्य शहरों में भेजने के विकल्प तलाश रहा है। उपरोक्त दोनों हवाई अड्डों में वर्तमान में लगभग 40 हवाई जहाजों के लिए पार्किंग की जगह है और इसलिए विदेश मंत्रालय बाकी को अमृतसर, जयपुर, लखनऊ और इंदौर भेजने पर विचार कर रहा है। द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, विदेश मंत्रालय के प्रोटोकॉल प्रमुख की अध्यक्षता में हाल ही में एक समन्वय बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि 50 वीवीआईपी विमान उतरने वाले हैं और 13 राष्ट्र प्रमुखों या प्रतिनिधियों के वाणिज्यिक उड़ानों में आने की उम्मीद है। इन विमानों का विशेष विवरण, जिसमें उनका विन्यास, तिथि, समय आदि शामिल है, बाद में पता चलेगा। सूत्रों ने आईई को बताया कि विशेष हवाई जहाज बे-1 और बे-3 में पार्क किए जाएंगे, जो औपचारिक लाउंज के बहुत करीब हैं।

पूर्व विधायक भोजराज नाग को नक्सलियों ने दी जान से मारने की धमकी, बताया आरएसएस का एजेंट

कांकेर। अंतागढ़ के पूर्व भाजपा विधायक व जनजाति सुरक्षा मंच के प्रदेश संयोजक भोजराज नाग को नक्सलियों ने पर्चा जारी कर जान से मारने की धमकी दी है। धर्मांतरण के विरोध में भोजराज नाग के आंदोलन को नक्सलियों ने गलत बताया है। नक्सलियों ने धर्मांतरण के नाम पर आपस मे लड़ाने और क्षेत्र में दंगे भड़काने का आरोप लगाया है। नक्सलियों ने पर्चे में भोजराज नाग को आरएसएस का एजेंट बताया है।

भोजराज नाग ने पर्चा जारी करने को लेकर कहा कि सरकार ने हमारी पहले ही सुरक्षा कैटेगरी घटा दी है। पहले ˘कैटेगरी थी अब ङ्ख है। हम जो काम कर रहे हैं, वह ईश्वर का काम है। धर्मांतरण की लड़ाई लड़ना हमारा काम है। हम जिस जाति समुदाय से आते हैं, वहां प्रकृति का समुदाय है।

भोजराज नाग जनजाति सुरक्षा मंच के प्रदेश संयोजक हैं और लगातार क्षेत्र में धर्मांतरण होने की बात कहकर प्रदर्शन और आंदोलन करते रहते हैं। धर्मांतरित व्यक्तियों के शव दफनाने को लेकर भी भोजराज नाग लगातार समाने आते रहे हैं। बताया जा रहा है कि नक्सलियों के उत्तर बस्तर डिविजन के सचिव सुखदेव कोड़ों ने पर्चा जारी किया है। नक्सलियों ने पूर्व मंत्री विक्रम उसेंडी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर भी निशाना साधा है।

अपहरण के बाद नक्सलियों ने की ग्रामीण की हत्या, बताया मुखबिर

बीजापुर। तर्रेम थाना क्षेत्र में रविवार रात नक्सलियों ने मुखबिरी के शक में एक ग्रामीण की हत्या कर दी। माओवादियों के भय से परिजनों ने अभी तक थाने में मामले की शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

वहीं, तर्रेम थाना क्षेत्र के चिन्नागेल्लूर निवासी रामा पुनेम का नक्सलियों ने 18 अगस्त को अपहरण कर लिया था। अपहरण के तीन दिनों बाद रविवार की रात को रामा पर पुलिस मुखबिरी करने का आरोप लगाते हुए नक्सलियों ने उसकी हत्या कर दी। नक्सली भय के चलते परिजनों ने अब तक घटना की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है। इसी के चलते अभी इस मामले की पुष्टि नहीं हुई है।

50 ग्रामीणों का किया अपहरण पूर्व सरपंच अब भी कब्जे में

रविवार को नक्सलियों ने फरसेगढ़ इलाके में पूजा-अर्चना के लिए पहाड़ पर गए 50 से ज्यादा ग्रामीणों का अपहरण कर लिया था। हालांकि देर शाम तक सभी ग्रामीणों को छोड़ दिया, लेकिन फरसेगढ़ के पूर्व सरपंच अब भी नक्सलियों के कब्जे में हैं। अच्छी खेती किसानी व क्षेत्र में शांती के लिए फरसेगढ़, कुटरू, गुदमा आदि क्षेत्र के करीब 200 से 250 सौ ग्रामीण हर साल की तरह इस साल भी रविवार की सुबह फरसेगढ़ से करीब 10 किमी दूर स्थित दामाराम गांव के चिकटराज पहाड़ी में पूजा अर्चना के लिए गए हुए थे। इसी दरमियान नक्सलियों ने वहां से करीब 50 से ज्यादा ग्रामीणों को अगवा कर लिया। पूछताछ कर सभी ग्रामीणों को छोड़ दिया, लेकिन फरसेगढ़ के पूर्व सरपंच महेश गोटा अब भी नक्सलियों के कब्जे में हैं। पूर्व सरपंच गोटा को तलाश किया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने घटना की पुष्टि नहीं की थी।

रानी सती मंदिर को पुरात्व स्थल घोषित करने याचिका स्वीकृत, 19 सितंबर को होगी सुनवाई

बैकुंठपुर। चिरमिरी स्थित सती मंदिर को पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसार पुरातत्विक स्थल घोषित कर उसे संरक्षित करने की मांग को लेकर आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा की रिट याचिका को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया है और अब इस पर 19 सितंबर को डबल बैंच में सुनवाई होगी।

याचिकाकर्ता आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा की ओर से कहा गया है कि छत्तीसगढ़ संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के मुख्य रासायनिक डॉ. के. पी. सिंह ने 19 दिसंबर 2013 को चिरमिरी क्षेत्र में स्थित सती मंदिर का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था कि चिरमिरी में एक शिलालेख सन् 1351 का है। इस प्रतिवेदन में स्थल से संबंधित कुछ सुझाव भी उन्होंने दिए। इस प्रतिवेदन के आधार पर संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग ने सन् 2015 में एक पत्रिका का प्रकाशन किया था। इसमें अर्जुनदेव ने भी सन् 1450 के शिलालेख का उल्लेख करते हुए अनेक प्राचीन मंदिरों के भग्नावेश, किले एवं बहुसंख्यक सती मंदिर को संरक्षित करने का प्रस्ताव किया गया। प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम 1958 की धारा-2 के अनुसार 100 वर्ष से पुराने प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व अवशेष को संरक्षित करने का प्रावधान है।

राज्य व केंद्र सरकार ने इस पुरातत्व महत्व के प्राचीन मंदिर को संरक्षित नहीं किया है, जिसके

चलते इस क्षेत्र के पुरातात्विक महत्व के शिलालेख, पत्थर, मूर्ति आदि उपेक्षित पड़े हैं। याचिकाकर्ता मिश्रा ने सूचना के अधिकार से जानकारी एकत्र कर सन् 2019 में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में एक रिट याचिका प्रस्तुत कर सती मंदिर को संरक्षित करने का अनुरोध किया था। इस पर कोर्ट ने नोटिस जारी कर राज्य सरकार से जवाब मांगा। राज्य सरकार ने जवाब प्रस्तुत किया है।

आरटीआई कार्यकर्ता की इस याचिका के तत्काल बाद छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका वर्ष 2022 में प्रस्तुत की गई। जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के अगुवाई वाली डबल बेंच ने आरटीआई कार्यकर्ता राजकुमार मिश्रा की रिट याचिका को भी इसी जनहित याचिका में जोड़ देने का आदेश दिया। अब इन याचिकाओं की सुनवाई 19 सितंबर को होगी।

लकड़ी लेने जंगल गई महिला पर दो भालुओं ने किया हमला

कोरबा। आपने कुत्ते की स्वामी भक्ति और वफादारी की कई कहानी पढ़ी, सुनी और देखी होगी। कोरबा जिले में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया है। जहां लकड़ी लेने जंगल गई महिला पर दो भालुओं ने हमला कर दिया। अपनी मालकिन को मुसीबत में देख कुत्ता भालुओं पर टूट पड़ा। उसके पलटवार से भालु भागने को मजबूर हो गए। हालांकि घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे डॉयल 112 की मदद से इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां उसका उपचार जारी है।

घटना कोरबा वनमंडल के बालको वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेला की है। यहां भुंडुराम धनवार पत्नी महेतरीन बाई और चार बच्चों के साथ निवास करता है। पति पत्नी रोजी मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। घर में चूल्हा जलाने के लिए लकड़ी समाप्त हो गया था। सोमवार की सुबह महेतरीन बाई बेला जलाशय के समीप स्थित पहाड़ी में लकड़ी लेने गई थी। वह जंगल में लकड़ी एकत्रित कर रही थी। इसी दौरान झाड़ियों से निकले दो भालु ने एक साथ महिला

पर हमला कर दिया। अपनी जान बचाने महिला चीख पुकार मचाने लगी। उसकी चीख सुनकर बचाव के लिए कोई नही पहुंचा, लेकिन पालतु कुत्ता मालकिन की जान मुसीबत में देख भालुओं से भिड़ गया।

वह काफी देर तक भालुओं से खुद को बचाते हुए पलटवार करता रहा। आखिरकार भालु जंगल की ओर भाग निकले। महिला की चीखें और कुत्ते के भौंकने की आवाज सुनकर कुछ चरवाहे मौके पर जा पहुंचा। उन्होंने घटना की जानकारी गांव पहुंचकर भुंडुराम को दी। वह परिजनों के साथ पहाड़ी के उपर पहुंचा, जहां महिला खून से लथपथ पड़ी थी। सूचना मिलने पर डॉयल 112 में तैनात आरक्षक चंद्र प्रताप कोर्राम चालक संदीप रात्रे के साथ जलाशय के समीप पहुंचे। महिला को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाकर दाखिल कराया जा सका।

बालको वन परिक्षेत्राधिकारी जयंत सरकार ने बताया कि घटना की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए घायल महिला को मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिए रवाना किया। हमले ने पीड़ित परिवार को तत्कालिक सहायता राशि प्रदान की है। साथ ही हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

अमोरा शक्ति केन्द्र के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने सम्मान किया

जांजगीर। जांजगीर चाम्पा विधानसभा क्षेत्र के अमोरा शक्ति केन्द्र के देवतुल्य वरिष्ठों का सम्मान किया गया इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया ने देवतुल्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को अमोरा में सम्मान करते हुए कहा कि देवतुल्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मान करने का अवसर मिलता है ये मेरे लिए गर्व की बात है, आज भारतीय जनता पार्टी को विश्व में सबसे बड़ी राजनितिक पार्टी होने का गौरव प्राप्त है, पूरे देश में सबसे ज्यादा विधायक भारतीय जनता पार्टी के पास है, पूरे देश सबसे ज्यादा सांसद भारतीय जनता पार्टी के पास है, राज्यो में सबसे ज्यादा सरकार भारतीय जनता पार्टी के पास हैं। विश्व में आज भारत देश की अलग पहचान हैं। हमारे जननेता माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत देश को अलग सम्मान दिलाया है यह सब सम्भव हमारे बूथ स्तर के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं युवाओं के जोश के कारण सफ्ल हो पाया। विपरित परिस्थितियों में भी वरिष्ठों ने जो अपना परिश्रम किया उसी से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन पाई हैं।

सर्वप्रथम मंचस्थ अतिथियों के द्वारा भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पं. दीनदयाल उपाध्याय के तैल चित्रों में दीप प्रज्वलित कर किया गया। वरिष्ठ

बुजुगों जिनका सम्मान किया गया खम्हन तिवारी, मधुसूदन पाण्डेय, राधे कश्यप, अघोर केंवट, रामकुमार केंवट, कृष्ण कुमार कर्ष, कलेश्वर कश्यप, जगन्नाथ कश्यप, छतराम कश्यप, भाऊराम कश्यप, छेरका सूर्यवंशी, कलेश्वर तिवारी, बैशाखु कश्यप, छोटेलाल साहू, जीवराखन पटेल को साल श्री फ्ल से सम्मान किया गया एवं साथ में भोजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन खम्हन तिवारी जी के द्वारा दिया गया एवं कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन धनंजय तिवारी जी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर खम्हन तिवारी, मुकेश भोपालपुरिया, रामलल्ला सिंह, भुपेन्द्र साहू, धनंजय तिवारी, विरेन्द्र कुमार साहू, ईतवारी सूर्यवंशी, रोहित सोनी, संतराम कर्ष, लक्ष्मीप्रसाद कश्यप, कन्हैया कश्यप, कार्तिक कश्यप, दिलीप कश्यप, जुड़ावन लाल पटेल, गंगाधर साहू आदि उपस्थित रहे।

खम्हरिया में 40 वर्ष पूर्व जमीन का अधिग्रहण, अब बेदखली का प्रयास

कोरबा। एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खम्हरिया में 40 वर्ष पूर्व जमीन का अधिग्रहण किया गया था, लेकिन प्रभावित किसान परिवारों को न तो मुआवजा मिला और ना ही उन्हें पुनर्वास की सुविधा दी गई और कई रोजगार प्रकरण आज भी लंबित हैं। कई पीढ़ियों से किसान आज भी अपनी जमीन पर काबिज हैं और खेती किसानी कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। अब एसईसीएल कुसमुंडा प्रबंधन जबरन उन्हें बेदखल करने का प्रयास कर रही है। अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा ने इस बेदखली के प्रयास का विरोध करते हुए किसानों के साथ अन्यायपूर्ण कार्यवाही बताया और किसानों की जमीन मूल किसानों के नाम वापस करने के साथ कृषि कार्य पर लगाए गए रोक को तत्काल हटाने की मांग की है। इस संबंध में एक ज्ञापन कुसमुंडा महाप्रबंधक को सौंपा गया है। ज्ञापन की प्रति मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन को भी देकर उचित हस्तक्षेप करने की मांग की गई है।

छत्तीसगढ़ किसान सभा के जिला अध्यक्ष जवाहर सिंह कंवर और

सचिव प्रशांत झा ने कहा कि 40 वर्ष पूर्व में अधिग्रहित जमीन का खनन न होना और किसी भी कार्य के लिए एसईसीएल द्वारा उपयोग नहीं करने से स्पष्ट है कि एसईसीएल ने आवश्यकता से अधिक जमीन का अधिग्रहण करके जमीन की जमाखोरी की है और इस क्षेत्र में हजारों किसान परिवारों की जमीन को औने.पौने दामों में हड़पकर उन्हें उनकी आजीविका से वंचित कर दिया है। यह किसानों के साथ सीधे.सीधे ठगी और धोखाधड़ी का मामला है और इसके लिए एसईसीएल के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही की जानी चाहिए। छत्तीसगढ़ किसान सभा के नेता दीपक साहू ने कहा है कि अधिग्रहित भूमि का उपयोग न होने के कारण 40 वर्ष पूर्व किये गए अधिग्रहण का आज कोई महत्व नहीं है और ग्रामीणों की बेदखली के लिए किया जा रहा प्रयास अवैध है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

अधिकारी ने वीआरएस लेकर थामा कांग्रेस का दामन

कांकेर। जिले के कृषि विभाग में पदस्थ भूमि संरक्षण अधिकारी सरजू शोरी ने अपनी शासकीय सेवा से त्यागपत्र दे दिया है। सेवा से त्यागपत्र देकर उन्होंने आज विधायक निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री के संसदीय सलाहकार राजेश तिवारी के समक्ष 25 लोगों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस प्रवेश के साथ ही उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने की भी इच्छा जाहिर की है। कांग्रेस का दामन थामने को लेकर सरजू शोरी ने कहा कि वह प्रदेश सरकार के कार्यों से बेहद प्रभावित है। सरकार ने किसानों के लिए जिस तरह कार्य किये है उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। वह अब राजनीति में उतर कर लोगों की सेवा करना चाहते है। विधानसभा चुनावी मैदान में कूदने के सवाल पर उन्होंने हामी भरते हुए कहा कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में दावेदारी करेंगे। कांग्रेस पार्टी के दावेदारों की सूची में सरजू शोरी का शामिल होने से टिकट के दावेदारों में खलबली मच गई है।

महासमुंद को नगर निगम बनाने की घोषणा, नपा उपाध्यक्ष ने जताया आभार

महासमुंद। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महासमुंद को नगर निगम बनाने की घोषणा की। इस पर नगर पालिका उपाध्यक्ष कृष्णा चंद्राकर ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव डहरिया का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम का दर्जा मिलने से महासमुंद के साथ ही भोरिंग का समुचित विकास हो सकेगा। सड़क, पानी और मकान की सुविधा बढ़ जाएगी। नगर निगम बनाए जाने लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी और नागरिक इसका सपना संजोए थे। शहर की आवश्यकताओं को देखकर संसाधन बढ़ाए जाएंगे और अधिकारी-कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी। जिससे यहां होने वाले विकास कार्यों में तेजी आएगी। इसी तरह भोरिंग के नगर पंचायत बनने से भी विकास के द्वार खुलेंगे। घोषणा के पूर्व मुख्यमंत्री के नगर आगमन पर पुराना कचहरी के सामने नपा उपाध्यक्ष श्री चंद्राकर ने अपने 2000 समर्थकों के साथ सीएम बघेल का आतिशी स्वागत किया।

विधायक ने विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया

नगरी। सिहावा विधानसभा के विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किए जिसमें सर्वप्रथम साहू समाज सामुदायिक भवन सांकरा का भूमिपूजन किए तत्पश्चात बिरगुड़ी में सतनामी समाज रंगमंच, पाईकभाठा में नाली निर्माण का भूमिपूजन किया गया जिसमें पाईकभाठा के पूर्व उपसरपंच हनीफ भाई एवं वीरेन्द्र देवांगन ने विधायक के कार्य शैली से प्रभावित होकर एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के किसान हितैषी नीतियों से प्रभावित होकर आज मैने कांग्रेस प्रवेश कर रहा हूं। अपना वक्तव्य दिए दोनो को विधायक ने गमछा पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई। मल्हारी में ठाकुर देव स्थल एवं पटेल सामुदायिक भवन, हीरापुर में रंगमंच, मुकुन्दपुर में सेन समाज सामुदायिक भवन एवं ध्रुव समाज सामुदायिक भवन आहता निर्माण सम्पन्न हुआ। विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव के कार्य कुशलता का प्रशंसा सभी गांवो में किया गया। उक्त कार्यक्रम में अंजोर सिंह निषाद, अख्तर खान, सविता सोन, अयुब खान, बल्लूराम, हितेश सोनवानी, हरिक लाल आदि उपस्थित थे।

अभ्यारण्य संघर्ष समिति की प्रस्तावित चक्काजाम स्थगित

धमतरी। अभ्यारण्य संघर्ष समिति रिसगांव के सदस्य और ग्रामीणों की 21 अगस्त को प्रस्तावित प्रदर्शन/चक्काजाम स्थगित कर दिया गया। दसअसल कलेक्टर श्री ऋतुराज रघुवंशी के दिशा-निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नगरी की उपस्थिति में क्षेत्र की मांगों के संबंध में अभ्यारण्य संघर्ष समिति रिसगांव और अधिकारियों की बैठक आज ग्राम पंचायत भवन रिसगांव में रखी गई थी। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नगरी ने रिसगांव में आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने का आश्वस्त ग्रामीणों को किया। साथ ही शिक्षा, पेयजल, स्वास्थ्य तथा सड़क व्यवस्था को दुरूस्त करने की जानकारी संघर्ष समिति के सदस्यों तथा ग्रामीणों को दी। वहीं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि आगामी सितम्बर माह तक शिक्षक विहीन और कम शिक्षक वाले स्कूलों में शिक्षकों की व्यवस्था कर दी जाएगी। इस अवसर पर सहायक अभियंता विद्युत विभाग ने गांव में विद्युतीकरण करने के संबंध में पुन: स्मरण पत्र जारी किये जाने की जानकारी ग्रामीणों को दी।

फोन से डिजिटल पेमेंट करते वक्त रहें सावधान

बलरामपुर। बलरामपुर में एक शिक्षक से लाखों की ठगी की गई है। शिक्षक से कस्टमर केयर में बातचीत के जरिए एक शख्स ने लाखों की ठगी फोन पे के माध्यम से की। मामले में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जबकि दो आरोपी फरार है। दरअसल, ये पूरा मामला बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र का है। बीते 13 जुलाई को अपने मोबाइल से ही फोन पे के जरिए रविन्द्र टाटा प्ले का 1713 रुपए का रिचार्ज कर रहे थे। अकाउंट से पैसे कट गया लेकिन उनका रिचार्ज नहीं हुआ। इस पर रविन्द्र ने गूगल से कस्टमर केयर का नंबर सर्च कर उस पर कॉल किया। कॉल करने पर एक शख्स ने फोन कॉल रिसीव किया। उसने एनी डेस्क आरडी क्लाईट और रस्ट डेस्क एप डाउनलोड करने के लिए रविन्द्र को कहा। रविन्द्र ने जैसे ही ये ऐप डाउनलोड किया, उसके अकाउंट की गोपनीय जानकारी मांगी गई। उसने आरोपी को अपनी अकाउंट की सभी गोपनीय जानकारी दे दी। जानकारी देने के बाद रविन्द्र के बैंक अकाउंट से 3,70000 रूपए गायब हो गए।

लक्ष्मी ध्रुव ने सिहावा से दावेदारी का आवेदन बेलर ब्लाक अध्यक्ष को सौंपा

नगरी। सिहावा विधानसभा के विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार अपना आवेदन अपने समर्थकों के साथ बेलरगांव के ब्लाक अध्यक्ष कैलाश प्रजापति को प्रस्तुत किए।

विधायक डॉ ध्रुव के समर्थक बेलरगांव के बस स्टैण्ड से कांग्रेस पार्टी का नारा लगाते हुए ब्लाक अध्यक्ष के कार्यालय पहुंचे जहां पर ब्लाक अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत किए एवं आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आवेदन को स्वीकार किए आवेदन बायोडाटा प्रस्तुत करने के समय मुख्य रूप से लखन लाल ध्रुव सदस्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी, भानेन्द्र ठाकुर जिला उपाध्यक्ष, भूषण साहू ब्लाक अध्यक्ष नगरी, अख्तर खान विधायक प्रतिनिधि, अंजोर सिंह निषाद, नदीम अली, सविता सोन, गीतेश साव, सोहेल मंसूरी, सोनू चैहान, अंकुश देवांगन, प्रेमांशु

प्रजापति, सुनाराम ठाकुर, सुरेश कोर्राम, आसकरण पटेल, दुर्गेश समुन्द, नथेलाराम नेताम, राजेन्द्र पुजारी, भीम लहरे, रामसिंह, सजीवन नेताम, वषिष्ट बिसेन, सुनाराम मरकाम, नंदू राम, हरीक लाल समुन्द, शंकर साहू, पिंकी यदु, पंचो बाई, उषा देवांगन, बासन बाई, सत्यम भट्ट, विकास ठाकुर, सोमेश, अरमान खान, महेन्द्र कुमार, अमृत नाथ, लोकेश यादव, प्रदीप कौर, गुलशन देवांगन, तेजूराम मरकाम, चेतन सलाम, चैतन्य, भावेश मरकाम, विक्की देवांगन, अरविन्द यादव, कुलदीप देवांगन, किर्तीमान, मोती सेन एवं कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रमोद कुंजाम ने सिहावा विधानसभा से दावेदारी का आवेदन सौंपा

कांग्रेस की चुनावी प्रक्रिया का पालन करते हुए जिला युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष प्रमोद कुंजाम ने सिहावा विधानसभा क्षेत्र से दावेदारी करते हुए चारों ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीहू राम साहू (मगरलोड), भूषण साहू (नगरी), अखिलेश दुबे (कुकरेल) एवं कैलाश नाथ प्रजापति (बेलरगांव) को अपना आवेदन और बायोडेटा सौंपा।

प्रमोद कुंजाम की आदिवासी समाज एवं युवाओं के बीच अच्छी पकड़ है।श्री कुंजाम जिला युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष के साथ ही युवा प्रभाग सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी भी सम्हाल रहें। एनएसयूआई और युवा कांग्रेस सिहावा विधानसभा का इनको समर्थन मिल रहा है। लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क कर आम जनता से भेंट मुलाकात कर अपने लिए समर्थन जुटा रहें है। श्री कुंजाम लगातार पार्टी के दिशा निर्देशों का पालन कर पार्टी के हर कैंपेन में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपनी सहभागिता प्रदान कर रहें।

इस अवसर पर युवा कांग्रेस के सिहावा विधानसभा अध्यक्ष सोनू चौहान,प्रदेश सचिव नदीम अली, भुपेश सिन्हा, अभिषेक बंजारे,आदित्य ठाकुर,गीतेश साव, नीलकमल साहू,विकास ठाकुर,सतीश साहू,सूरज सिन्हा, कैलाश सिन्हा, रातेश्वर नेताम,दुर्गा सेन,यमन सिन्हा, सतीश जांगड़े, भेपेंद्र कंवर, लकी निर्मलकर ,राजा खान सहित कांग्रेसी जन उपस्थित थे।

उड़ीसा के भाजपा विधायक आज से 28 अगस्त तक बस्तर में डालेंगे डेरा

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के लिये अपनी तमाम तैयारियों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती। उड़ीसा से भाजपा के तीन विधायक एक सप्ताह के प्रवास में बस्तर जिले में डेरा डालेंगे और जिले की तीन विधानसभाओं में प्रत्येक में अलग-अलग सघन दौरा कर बूथ स्तर से लेकर विधानसभा स्तर की बैठक करते हुये चुनावी तैयारियों की मजबूत रुपरेखा बनायेंगे। आगामी 22 अगस्त से 28 अगस्त तक उड़ीसा के भाजपा विधायक सतत बस्तर प्रवास पर रहेंगे।

भाजपा जिला कार्यालय में उड़ीसा के भाजपा विधायकों के बस्तर जिले में विधानसभा स्तरीय प्रवास को लेकर जिला स्तरीय बैठक हुई। जिसमें जिला अध्यक्ष रूपसिंह मण्डावी ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव में जुट जाने के लिए कहा। उड़ीसा के विधायकों के बस्तर प्रवास विषय में रुपरेखा तैयार की गयी। उड़ीसा से आने वाले भाजपा विधायक नित्यानंद गोंड़ को बस्तर विधानसभा क्षेत्र, नउरी नायक को चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र और सुभाष पाणिग्रही को जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र का सघन दौरा व कार्यकर्ताओं से मेलमिलाप करना है और भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए कमियों को दूर कर रणनीति बनानी है। भाजपा जिला अध्यक्ष रुप सिंह मण्डावी ने कहा कि जिले की सभी विधानसभा सीटों में भाजपा के जीत का परचम लहराने प्रत्येक कार्यकर्ता संकल्पित है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

मुंबई में इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होगी आप

नईदिल्ली। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में 31 अगस्त और एक सितंबर को विपक्षी दलों की बैठक में आम आदमी पार्टी शामिल होगी। इस बात की जानकारी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दी। केजरीवाल ने साफ किया है कि हम मुंबई जाएंगे और जो भी रणनीति बनेगी वो आपको बताया जाएगा। मुंबई में सीट-बंटवारे का फॉर्मूला मुख्य एजेंडा होगा। मामले की जानकारी रखने वाले एक दूसरे व्यक्ति ने कहा कि जिस व्यवस्था पर चर्चा की जा रही है वह मुख्य रूप से राज्य-विशिष्ट होगी, जिसमें यथासंभव अधिक से अधिक सीटों पर एनडीए उम्मीदवारों के खिलाफ एक उम्मीदवार खड़ा करने पर जोर दिया जाएगा। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि अड़चनें बनी रहने के बावजूद सीट बंटवारे के लिए जीत की संभावना के मुख्य कारक को ध्यान में रखा जाएगा। उदाहरण के लिए, केरल में वामपंथी और कांग्रेस प्रमुख हैं जबकि भाजपा तीसरे स्थान पर है।

कभी अपने दम पर सरकार नहीं बना पाए पवार : पाटिल

मुंबई। कभी शरद पवार के करीबी रहे दिलीप वलसे पाटिल ने अब अपने एक बयान में कुछ ऐसा कहा है, जिससे शरद पवार के समर्थक नाराज हो सकते हैं। दरअसल दिलीप वलसे पाटिल ने शरद पवार के राजनीतिक कद पर सवाल उठाए हैं और तंज कसते हुए कहा कि शरद पवार कभी अपने दम पर राज्य में सरकार नहीं बना पाए हैं। पाटिल ने ये भी कहा कि राज्य की राजनीति में जल्द ही भूचाल आने वाला है। पुणे जिले में अपनी विधानसभा सीट अंबेगांव के माचर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिलीप वलसे पाटिल ने कहा कि हमें हमेशा बताया गया है कि पवार साहब देश के सबसे बड़े नेता हैं लेकिन दूसरी तरफ उनके नेतृत्व में पार्टी कभी महाराष्ट्र में अपने दम पर सत्ता नहीं हासिल कर सकी है। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने कहा कि कई राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों ने अपनी जगह बनाकर अपने दम पर सरकार बनाई है, इनमें मायावती और ममता बनर्जी की पार्टियां शामिल हैं।

अमित शाह की आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश वाली टिप्पणी को लेकर सिब्बल ने साधा निशाना

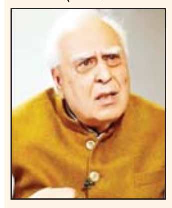

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणियों को लेकर उन पर सोमवार को निशाना साधते हुए दावा किया कि मध्य प्रदेश देश में चौथा सबसे गरीब और गरीबी में सबसे ज्यादा योगदान देने वाला राज्य है। शाह ने मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार का 2003-2023 तक का रिपोर्ट कार्ड रविवार को जारी किया था। इसपर पलटवार करते हुए सिब्बल ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, अमित शाह ने मध्य प्रदेश पर कहा- विकसित आत्मनिर्भर राज्य की नींव रखी। यूएनडीपी की रिपोर्ट (भारत)-1) चौथा सबसे गरीब राज्य, 2) गरीबी में सबसे ज्यादा (28.3 प्रतिशत) योगदान देने वाला, 3) राष्ट्रीय औसत से कम- साक्षरता, बुनियादी ढांचा, लैंगिक अंतर...आत्मनिर्भर? व्यापम, भ्रष्टाचार।

सपा के महासम्मेलन में स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में एक युवक ने सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला कर दिया। उसने स्वामी प्रसाद पर जूता भी फेंका। इससे सम्मेलन में हंगामा मच गया। सपा कार्यकर्ताओं ने युवक को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। युवक की पहचान आशीष सैनी के रूप में हुई है। उसका कहना है कि वह हिंदू धर्म के बारे में की गई स्वामी प्रसाद मौर्य की टिप्पणियों से आहत था। पुलिस उसे गिरफ्तार कर विभूतिखंड थाने ले गई है। हमला करने वाला युवक वकील के वेशभूषा में था। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में समाजवादी पार्टी की तरफ से पिछड़ा वर्ग सम्मेलन आयोजित किया गया था। सम्मेलन के दौरान ही युवक ने स्वामी प्रसाद की तरफ जूता फेंका और उन पर हमला कर दिया जिससे वहां हंगामा मच गया। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया और उसे सपा कार्यकर्ताओं से बचाकर विभूतिखंड थाने ले गई। मामले में पूछताछ की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को दिया झटका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को झटका दिया है। उसने नगरपालिका भर्ती अनियमितता मामले की जांच सीबीआई और ईडी से कराने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली बंगाल सरकार की याचिका खारिज कर दी है। शिक्षक भर्ती घोटाले के बाद नगरपालिका की नियुक्ति में भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे और कलकत्ता हाईकोर्ट में एक मामला दायर किया गया था। इसी मामले की सुनवाई करते हुए अप्रैल में न्यायाधीश अभिजीत गांगुली ने इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी थी। 21 अप्रैल को न्यायाधीस अभिजीत गांगुली की बेंच में मामले की सुनवाई हुई थी। सुनवाई में राज्य की ओर से कोई वकील पेश नहीं हुआ। सुनवाई में जस्टिस गंगोपाध्याय ने कहा था कि इस भ्रष्टाचार में वही लोग शामिल हैं, जो शिक्षकों की भर्ती में शामिल हैं। सीबीआई इस मामले को देखेगी। केंद्रीय एजेंसियां चाहें तो नए मामला दर्ज कर सकती हैं।

उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह की पुण्यतिथि कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री

कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण में डाली बाधा: शाह

अलीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिवंगत भाजपा नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को उनकी दूसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें अक्सर राज्य में सबसे प्रमुख हिंदुत्व समर्थक ओबीसी चेहरे के रूप में देखा जाता है। सिंह का 2021 में निधन हो गया। भाजपा पूर्व मुख्यमंत्री के सम्मान में अलीगढ़ में हिंदू गौरव दिवस का आयोजन कर रही है। कल्याण सिंह का जन्मस्थान अलीगढ़ था। पूर्व सीएम कल्याण सिंह की दूसरी पुण्यतिथि मनाने के लिए हिंदू गौरव दिवस पर एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए, शाह ने अयोध्या में राम मंदिर का मुद्दा उठाया और कहा कि कल्याण सिंह ने राम मंदिर के लिए अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी का बलिदान दिया।

अमित शाह ने कहा कि मैं हमारे वरिष्ठ भाजपा नेता, राम भक्त और उत्तर प्रदेश में पिछड़ों के उत्थान के लिए काम शुरू करने वाले कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए दिल्ली से यहां आया हूं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण रोकने की कोशिश की। कल्याण सिंह ने राम मंदिर के लिए कुर्सी का त्याग कर दिया। बिना एक बूंद खून बहाए राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। अमित शाह ने इस दौरान कहा कि आज हमें खुशी है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2024 की शुरुआत में 550 साल बाद भगवान राम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। उस दिन दुनिया भर के रामभक्तों में संतोष का भाव होगा।

शाह ने कहा कि मैं कोरोना के कारण अस्पताल में था, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री राम मंदिर का शिलान्यास किया। मैंने उस दिन बाबू जी को फोन किया तो उन्होंने कहा था, आज मेरा जीवन धन्य हो गया, मेरे जीवन का लक्ष्य आज पूरा हो गया। शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने गरीब कल्याण के क्षेत्र में करोड़ों गरीबों के घर में गैस का चूल्हा, बिजली, शौचालय, स्वास्थ्य की सेवाएं, 5 किलो अनाज जैसी सुविधाएं देकर गरीब कल्याण के काम को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि शुरूआत बाबू जी करके गए थे और मोदी ने आज समग्र पिछड़ा समाज के उत्थान के लिए 9 साल के अंदर ढेर सारे काम किए हैं। एक ओर गरीब कल्याण का यज्ञ चलाया, दूसरी ओर पिछड़ा समाज को आगे बढ़ाने का काम किया और तीसरा श्री राम मंदिर का भूमि पूजन किया।

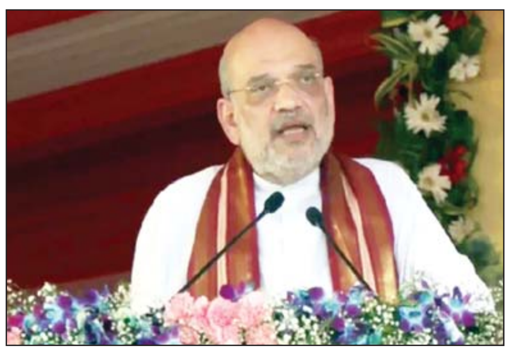

इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछड़ा समाज के कल्याण के लिए कल्याण सिंह ने जिन कार्यों की शुरुआत की थी, 2014 से प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हीं कार्यों को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी श्री रामजन्मभूमि के मामले को लटका कर रखी थी, जिसका निराकरण प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में हुआ। गरीब कल्याण, पिछड़ों को सम्मान और राम मंदिर के अधूरे काम को नौ वर्षों में अंजाम तक पहुंचाने का कार्य किया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल्याण सिंह के काम को तेज गति से आगे बढ़ा रहे हैं। करोड़ों गरीबों के घर पानी, बिजली की सुविधाएं पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव में जब प्रभारी बनकर आया था तो मुझे उत्तर प्रदेश का एकदम ज्ञान नहीं था। बाबू जी ने 11 घंटे बैठाकर उत्तर प्रदेश की हर जनपद की बारीकियों से अवगत कराया। हर रोज दो बार वे फोन पर मार्गदर्शन करते थे। इसके नतीजे ये आए, कि उत्तर प्रदेश में हर रिकॉर्ड टूट गए। अमित शाह ने कहा, देश के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देता हूं।

प्रभु श्रीराम भव्य मंदिर में विराजेंगे तो कल्याण सिंह की आत्मा हम सभी को आशीर्वाद देगी : योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रभु श्रीराम जब अयोध्या में अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे, तब कल्याण सिंह जी की आत्मा हम सभी को आशीर्वाद देगी। मुख्यमंत्री योगी ने यहां प्रदर्शनी मैदान में पूर्व मुख्यमंत्री व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता कल्याण सिंह की दूसरी पुण्यतिथि पर आयोजित हिंदू गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, श्रद्धेय कल्याण सिंह जी ने अपनी राजगद्दी प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित कर दी थी। आदित्यनाथ ने कहा,राम मंदिर के लिए 1990 से लेकर 1992 और उसके बाद तक चले अभियान का परिणाम है कि आज प्रभु श्री राम की पावन जन्मभूमि अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनवरी 2024 में पांच सौ वर्षों का इंतजार समाप्त करके जब भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होकर हमें आशीर्वाद दे रहे होंगे तो श्रद्धेय बाबूजी की आत्मा को असीम संतुष्टि मिलेगी। उनकी (कल्याण सिंह) आत्मा हमें आशीर्वाद देगी कि जिस सपने के लिए उन्होंने राजसत्ता को छोड़ा था, आज वो साकार हो गया। योगी ने कहा कि कल्याण सिंह को जब भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद पर विचार व्यक्त करने का अवसर मिला तो उन्होंने हर बार इस बात को स्पष्टता के साथ कहा कि पेट को आहार, मन को प्यार, मस्तिष्क को विचार और आत्मा को संस्कार का समुच्चय ही एकात्म मानववाद है। इसी के अनुसार कल्याण सिंह जी ने अपना जीवन जिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धेय बाबूजी की आज दूसरी पुण्यतिथि को हम हिन्दू गौरव दिवस के रूप में मनाकर उन्हें स्मरण कर रहे हैं। आज विश्व उद्यमिता दिवस और नागपंचमी का पवित्र पर्व भी है, इसलिए यह दिन अद्भुत है। योगी ने विश्व उद्यमिता दिवस पर भारत के करोड़ों उद्यमियों को धन्यवाद और बधाई दी और कहा कि पूरी दुनिया में मेक इन इंडिया की धमक बढ़ी है।

मणिपुर विस का विशेष सत्र नहीं बुलाया जाना संवैधानिक तंत्र के ध्वस्त होने का प्रमाण: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि मणिपुर की सरकार द्वारा राज्यपाल अनुसुइया उइके से आग्रह किए जाने के बावजूद विधानसभा का विशेष सत्र नहीं बुलाया गया, जो इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में संवैधानिक तंत्र ध्वस्त हो गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'स्वयंभू विश्वगुरु की भूमिका' में और गृह मंत्री अमित शाह चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं।

उन्होंने 'एक्स (पूर्व में ट्विटर)' पर पोस्ट किया, ''27 जुलाई को मणिपुर की सरकार ने प्रदेश के राज्यपाल से अगस्त के तीसरे सप्ताह में विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया था। चार अगस्त को राज्यपाल से एक बार फिर विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया गया है, लेकिन इस बार एक निश्चित तिथि यानी 21 अगस्त को सत्र बुलाने के लिए कहा गया। आज 21 अगस्त है और विशेष सत्र नहीं बुलाया गया है। विधानसभा का कोई मानसून सत्र भी नहीं हुआ है।'' रमेश ने आरोप लगाया कि यह इस बात का एक और सबूत है कि मणिपुर में संवैधानिक तंत्र पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। उन्होंने दावा किया, ''प्रधानमंत्री अपनी स्वयंभू विश्वगुरु की भूमिका को पुनर्जीवित करने में व्यस्त हैं और गृह मंत्री चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं।

मणिपुर के लोगों की पीड़ा लगातार जारी है।'' मणिपुर में मंत्रिमंडल के राज्यपाल अनुसुइया उइके से 21 अगस्त से विधानसभा सत्र बुलाने की सिफारिश करने के बावजूद सोमवार को सदन की बैठक नहीं हुई, क्योंकि राज भवन की तरफ से इस संबंध में अभी तक 'कोई अधिसूचना' जारी नहीं किए जाने के कारण भ्रम की स्थिति बनी हुई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब पूर्वोत्तर राज्य में जारी हिंसा के बीच विभिन्न दलों से जुड़े कुकी समुदाय के 10 विधायकों ने विधानसभा सत्र में शामिल होने में असमर्थता जताई है।

मणिपुर मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी ने सौंपी रिपोर्ट

मणिपुर में हिंसा के पीड़ितों के राहत और पुनर्वास की देखरेख के लिए पूर्व न्यायाधीश गीताल मित्तल की अध्यक्षता वाले एक पैनल ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को तीन रिपोर्ट सौंपी, जिसमें राज्य के संघर्षग्रस्त लोगों के लिए मुआवजा योजना को उन्नत करने की आवश्यकता भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह तीन सदस्यीय पैनल के कामकाज को सुविधाजनक बनाने के लिए शुक्रवार को आदेश पारित करेगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि तीन रिपोर्टों की प्रति सभी संबंधित वकीलों को दी जाए और पीड़ितों में से एक की ओर से पेश वकील वृंदा ग्रोवर को पैनल के लिए सुझाव एकत्र करने का निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति मित्तल की अगुवाई वाली समिति ने दस्तावेजों के नुकसान और राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण नीति की तर्ज पर मणिपुर मुआवजा योजना को उन्नत करने की आवश्यकता जैसे मुद्दों पर तीन रिपोर्ट दायर की हैं। पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति मित्तल के नेतृत्व वाली समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट से पता चलता है कि आवश्यक दस्तावेजों को फिर से जारी करने की आवश्यकता है और मणिपुर पीड़ित मुआवजा योजना को अपग्रेड करने और एक नोडल प्रशासन विशेषज्ञ नियुक्त करने की आवश्यकता है।

7 अगस्त को, शीर्ष अदालत ने पीड़ितों की राहत और पुनर्वास और उन्हें मुआवजे की निगरानी के लिए उच्च न्यायालय की तीन पूर्व महिला न्यायाधीशों की एक समिति गठित करने का आदेश दिया, इसके अलावा महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस प्रमुख दत्तात्रेय पडसलगीकर को आपराधिक मामलों की जांच की निगरानी करने के लिए कहा। अदालत ने कहा कि पैनल सीधे उसे रिपोर्ट सौंपेगा।

खेल
प्रमुख समाचार

एशिया कप के लिए टीम इंडिया का हुआ ऐलान

नईदिल्ली। एशिया कप 2023 के लिए सोमवार को बीसीसीआई ने भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। चोट से वापसी करने वाले केएल राहुल, श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी हुई है, जबकि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को शामिल किया गया है। निश्चित ही बायें हाथ के मध्यक्रम के बल्लेबाज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर टीम में जगह बनाई है। बता दें कि एशिया कप 2023 पाकिस्तान और श्रीलंका में संयुक्त रूप से 30 अगस्त से खेला जाएगा। भारतीय दल 02 सितंबर से पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा।

भारत ने 2023 एशिया कप के लिए अपनी 17 सदस्यीय यात्रा टीम की घोषणा की, जिसके बाद कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखते हुए, महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारत का प्रदर्शन - जो इस साल 50 ओवर के प्रारूप के रूप में खेला जाएगा - इस साल के अंत में घरेलू मैदान पर होने वाले इस महत्वपूर्ण आयोजन में उनकी संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण होगा। आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह की फिटनेस एक सुखद आश्चर्य के रूप में सामने आई है और उन्हें एशिया कप टीम में शामिल किया गया है।

एशिया कप 2023 के लिए भारतीय टीम

टीम- रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, प्रसीद्ध कृष्णा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 267 अंक चढ़कर फिर से हुआ 65 हजारी

नईदिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में तेजी लौटी और दोनों बेंचमार्क इंडेक्स हरे निशान पर बंद हुए। जहां बीएसई सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 260 अंक से अधिक मजबूत हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी दिन के निचले स्तर से 80 अंक से अधिक चढ़कर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 267.43 अंक यानी 0.41 फीसदी की बढ़त के साथ 65,216.09 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,335.82 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 64,852.70 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 83.45 अंक यानी 0.43 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 19,393.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,425.95 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 19,296.30 तक आया।

भारत का विदेशी व्यापार 800 अरब डॉलर के पार

नईदिल्ली। भारत के सर्विस सेक्टर में वृद्धि ने वैश्विक मांग में मंदी के बावजूद 2023 की पहली छमाही के दौरान देश के वस्तुओं व सेवाओं के कुल निर्यात और आयात को 800 अरब डॉलर के आंकड़े के पार पहुंचाने में मदद की। हालांकि पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में इसमें 2.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। शोध संगठन जीटीआरआई ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही। 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) के विश्लेषण के अनुसार इस साल जनवरी से लेकर जून तक वस्तुओं व सेवाओं का निर्यात 1.5 प्रतिशत बढ़कर 385.4 अरब डॉलर हो गया, जबकि जनवरी-जून 2022 में यह 379.5 अरब डॉलर था। हालांकि, समीक्षाधीन इन छह महीनों में आयात 5.9 प्रतिशत घटकर 415.5 अरब डॉलर हो गया, जबकि जनवरी-जून 2022 में यह 441.7 अरब डॉलर था।

सॉफ्टबैंक ने फर्स्टक्राई में अपनी 2 फीसदी हिस्सेदारी बेची

नईदिल्ली। भारत के तीन पारिवारिक निवेशकों ने सॉफ्टबैंक के समर्थन वाली ई-कॉमर्स फर्म फर्स्टक्राई में लगभग 435 करोड़ रुपये में हिस्सेदारी खरीदी है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इन निवेशकों में रंजन पई का एमईएमजी फैमिली ऑफिस, हर्ष मारीवाला का शार्प वेंचर्स और हेमेंद्र कोठारी का डीएसपी फैमिली ऑफिस शामिल हैं। इन सभी निवेशकों ने साफ्टबैंक से हिस्सेदारी खरीदी है। दरअसल जापान की इन्वेस्टर कंपनी सॉफ्टबैंक ई-कॉमर्स फर्म में अपनी हिस्सेदारी कम करना चाहती है। रिपोर्ट के मुताबिक, फर्स्टक्राई में 29 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली निवेश फर्म ने अपनी हिस्सेदारी करीब 1.5-2 फीसदी कम कर दी है। खबरों के अनुसार, फर्स्टक्राई को 14 अगस्त को रंजन पई से 250 करोड़ रुपये का निवेश मिला था।फर्स्टक्राई के मुख्य कार्यकारी ने ईटी को बताया कि कंपनी के शुरुआती निवेशकों ने इसकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

265 रुपये पर लिस्ट हुआ जियो फाइनेंशियल का शेयर

नईदिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का स्टॉक घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को सूचीबद्ध यानी लिस्ट हो गया। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग का एक्सपर्ट्स समेत सभी निवेशकों को भी भारी इंतजार था। बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग हुई फाइनेंशियल सर्विस फर्म जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर बीएसई सेंसेक्स पर 265 रुपये जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 262 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर की लिस्टिंग कंपनी के डिस्कवर्ड वेल्यू 261.85 रुपये से थोड़ा ज्यादा है। जियो फाइनेंशियल रिलायंस में 6.1 प्रतिशत हिस्सेदारी का मालिक है। कंपनी ने पहले ही भारतीय परिसंपत्ति प्रबंधन उद्यम स्थापित करने के लिए ब्लैकरॉक इंक के साथ साझेदारी की घोषणा की है।

लैपटॉप आयात की नयी नीति पर हो पुनर्विचार

अजीत रानाडे

त्योहारों के महीने शुरू होने वाले हैं जब बड़ी संख्या में कंप्यूटर, लैपटॉप आदि बिकते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अगले तीन-चार महीनों में आयातित सामानों की मांग में तेजी आयेगी। आइए, इस मुद्दे की पड़ताल करें। सबसे पहले, यह 1991 में लागू हुए उस महत्वपूर्ण सुधार के रास्ते पर पीछे लौटने वाला कदम है, जिसकी सफलता का स्वाद हमने चखा है। हम विश्व व्यापार संगठन के उन संस्थापक सदस्यों में आते हैं जो आयात पर लाइसेंस जैसी पाबंदियों के खिलाफ थे। हमने आयात पर संख्यात्मक पाबंदियों को 23 से ज्यादा वर्ष पहले समाप्त कर दिया था। हालांकि, आयात शुल्क बढ़ाये जा सकते हैं। वर्ष 2014 में आयात शुल्क 13.5 प्रतिशत था, जो वर्ष 2019 में बढ़कर 17.6 प्रतिशत हो गया।

इसके बाद वह गिरकर 15 प्रतिशत हो गया। लेकिन, आम तौर पर आयात शुल्क बढ़ा है। तो, भारत का रवैया लगातार सुरक्षावादी होता हुआ दिख रहा है। इस फैसले का दूसरा पहलू इसी रवैये से जुड़ा है। लैपटॉप के आयात पर लाइसेंस का मकसद संभवत: घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहन देना है। ऐसा ही रवैया मेक इन इंडिया अभियान में भी नजर आया है। यह कहना अलग बात है कि भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग का हब बनना चाहिए, और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए किफायती और क्वालिटी के उत्पाद उपलब्ध कराने चाहिए।

लेकिन, सुरक्षावादी होना, और अक्षमता और ऊंची लागत को बढ़ावा देना बिल्कुल अलग बात है। क्या भारत में उत्पादन को बेहतर बनाने के लिए उसे अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के सामने खड़ा करना अच्छी बात

नहीं? केवल आयात पर लाइसेंस लगा देने भर से घरेलू उत्पादन को बल नहीं मिल जायेगा। ऐसा भी हो सकता है जब 95 प्रतिशत लैपटॉप आयात वाले होंगे और देसी लैपटॉप केवल पांच प्रतिशत। भारत में एप्पल के आइफोन के उत्पाद का मामला ऐसा ही है, जहां से सारी दुनिया को फोन निर्यात हो रहे हैं। मगर एप्पल को पीएलआइ स्कीम के तहत कुल राजस्व पर सब्सिडी मिलती है, न कि केवल भारत में उसके फोन में किये गये अतिरिक्त काम पर।

तीसरा मुद्दा चीन से जुड़ा है। पिछले कई वर्षों से चीन से भारत का आयात बढ़ता जा रहा है, जिसमें कंप्यूटर समेत इलेक्ट्रॉनिक्स का एक बड़ा हिस्सा है। पिछले वर्ष 5.3 अरब डॉलर के कंप्यूटरों का आयात हुआ जिनमें अधिकतर चीन में बने थे। लेकिन, चीन के उत्पादक भी एशिया के बाकी जगहों से उपकरण लेते हैं, जिनमें ताइवान शामिल है। लैपटॉप में लगा इंटेल का चिप अकेले काफी खर्चीला होता है। यह अमेरिका तथा एशिया में बनाया जाता है। निकट भविष्य में भारत में ऐसी उन्नत चिप के निर्मित होने की संभावना बहुत कम है। तो फिर चीनी सामानों को कैसे रोका जा सकता है? यह काम रातों-रात संभव नहीं, और अचानक से आयात पर लाइसेंस लगा देने से चीनी आयात बंद नहीं हो जायेगा। उसका रास्ता बदल जायेगा, थोड़े-मोड़े बदलाव के बाद वही सामान दूसरे देशों से घूमता हुआ आ जायेगा।

इस मामले में चौथा पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा का है। इसका जिक्र हंगामे के बाद शुरू हुआ। ऐसा लगा जैसे लाइसेंस के फैसले को जायज ठहराने के निर्णय पर हंगामे के बाद इसे उठाया जा रहा है। साइबर हैकिंग या ऐसे दूसरे खतरों से बचाने के दूसरे रास्ते भी हैं। आयात लाइसेंस से शायद ही कोई फर्क पड़ेगा।

अंत में, भारत में डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देने के प्रयासों के बीच, अच्छे कंप्यूटरों से दूरी बनाने से अपना ही नुकसान होगा, जो बाहर से ही मिल सकते हैं। याद रखें, भारत की सॉफ्टवेयर और आउटसोर्सिंग क्षेत्र में कामयाबी इसलिए संभव हो पायी क्योंकि कंप्यूटरों के आयात के मामले में 1991 से बहुत पहले ही उदारीकरण लागू हो चुका था। यह एन विट्ठल जैसे अधिकारियों की दूरदृष्टि थी, जिन्होंने 80 के दशक के अंत और 90 के दशक के आरंभ में कंप्यूटरों के आयात को उदार बनाये जाने की मुहिम चलायी। इसी वजह से आज यह 250 अरब डॉलर का उद्योग बन चुका है।

भारत फिर गठबंधन राजनीति की ओर

अवधेश कुमार

राष्ट्रीय राजनीति की वर्तमान गतिविधियों का पहला निष्कर्ष यही आता है कि भारत फिर से गठबंधन सरकारों और राजनीति के दौर में वापस लौट रहा है। एक ओर विपक्ष द्वारा 26 दलों का गठबंधन (इंडिया) बनाने और प्रत्युत्तर में भाजपा द्वारा 38 दलों को साथ लेने के बाद दूसरा निष्कर्ष आ भी नहीं सकता। यहां दो प्रश्न उत्पन्न होते हैं। पहला, क्या वाकई वर्तमान राजनीति में गठबंधन फिर से अपरिहार्य हो गया है या इसके कारण दूसरे हैं? दूसरा, क्या वाकई देश का मानस गठबंधन सरकार स्वीकार करने का संकेत दे चुका है? पहले देश की राजनीति की कुछ सच्चाई। एक, 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अकेले लोकसभा में बहुमत हासिल किया, जिसकी संभावना बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषक भी नहीं व्यक्त कर रहे थे। दूसरे, 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 303 का बहुमत मिलना इस बात का परिचायक था कि लोगों ने एक दल के बहुमत वाली सरकार की नीतियों के प्रति संतोष व्यक्त किया है। तीसरे, वैसे तो कई राज्यों में कुछ दलों की अकेले बहुमत वाली सरकारें चलती रहीं, किंतु नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय राजनीति में आविर्भाव के साथ भाजपा को 2013 में तीन राज्यों में अपार बहुमत मिला। फिर 2017 में सबसे जबर्दस्त परिणाम उत्तर प्रदेश विधानसभा का आया और 2022 में भाजपा दोबारा सत्ता में लौटी। ये तीन पहलू और इस तरह की और भी घटनाएं बता रही हैं कि देश किसी एक दल के गैर-बहुमत वाली गठबंधन सरकार को स्वीकार करने की मानसिकता में नहीं था। देश का यह मानस अचानक नहीं बना। दरअसल, वर्ष 1989 से देश में गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ था। 1990 व 2000 के दशक में राज्यों में कई सरकारों का समय पूर्व पतन हुआ। इससे राजनीति का पूरा परिदृश्य विकृत होता गया। चुनाव का चक्रीय क्रम अस्त-व्यस्त हो गया। केंद्र की 1989 में विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार 11 महीने भी नहीं चली और उसके बाद चंद्रशेखर की सरकार तो चार महीने भी नहीं चल सकी। फिर प्रधानमंत्री नरसिंह राव को अपनी सरकार बचाने के लिए जो कुछ करना पड़ा, उसका परिणाम देश के समक्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा रिश्वत कांड के रूप में आया। संयुक्त मोर्चा की सरकार पहले एचडी देवेगौड़ा, फिर इंद्र कुमार गुजराल जैसे प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व में भी डेढ़ साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी। 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राजग की सरकार बनी, जो एक साल में ही गिर गई। इस बीच राज्यों में तो आया राम गया राम की ऐसी स्थिति पैदा हुई कि अनेक मामलों में न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा। 2010 के बाद से भारी मतदान की प्रवृतियां बढ़ीं और धीरे-धीरे राज्यों में पूर्ण बहुमत की सरकारें बनने लगीं। और अंतत: 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मतदाताओं ने गठबंधन वाली सरकारों का दौर खत्म कर दिया। प्रश्न है कि आखिर केंद्र में लगातार दो बार बहुमत मिलने तथा देश की प्रवृतियां समझने के बावजूद भाजपा को गठबंधन की प्रतिस्पर्धा में शामिल होने की आवश्यकता क्यों हुई। महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना को पूर्ण बहुमत मिलने के बावजूद देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में सरकार बनाने से इन्कार करने के बाद स्थिति बदली और कांग्रेस एवं राकांपा की मदद से उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाया गया। वहीं बिहार में कम सीटें पाने के बावजूद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया गया। अंतत: उन्होंने भी पाला बदल लिया। ऐसा लगता है कि इससे राज्यों को लेकर भाजपा का मानस बदला। साफ है कि गठबंधन की ओर फिर से लौटने के पीछे सकारात्मक सोच या कारण नहीं है। इसलिए इसे स्वाभाविक नहीं कहा जा सकता। कांग्रेस यह मान चुकी है कि अब उसका प्रभावी राष्ट्रीय विस्तार संभव नहीं, इसलिए सत्ता पाने व भाजपा को हराने के लिए छोटे क्षेत्रीय दलों के साथ जाना जरूरी है। दूसरी ओर भाजपा ने भी मान लिया है कि विपक्षी गठजोड़ में जितने ज्यादा दल होंगे, उसको चुनौती देने की संभावना उतनी ही ज्यादा बढ़ेगी। इसलिए उन सारे दलों को साथ लाने की रणनीति अपनाई गई है। जाहिर है, गठजोड़ की यह राजनीति दलों की आपसी व्यवस्था की परिणति है और यह भारतीय राजनीति की सामान्य स्थिति नहीं है।

यूपी में कांग्रेस का भाग्य अजय के हाथ

अनिल सिंह

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने बृजलाल खाबरी को हटाकर अजय राय को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। निकाय चुनाव के दौरान टिकट वितरण को लेकर हुए विवाद एवं खराब प्रदर्शन के बाद से ही खाबरी को हटाये जाने की चर्चा थी। जब वह अपनी कमेटी नहीं गठित कर पाये तो तय माना गया कि खाबरी का पत्ता कटने वाला है। हालांकि खाबरी को हटाये जाने के पीछे केवल एक कारण नहीं है। दलित वोटरों को अपने पाले में लाने के जिस उद्देश्य से खाबरी को अध्यक्ष बनाया था, वह पूरा होता हुआ नहीं दिख रहा था। खाबरी की दलित तो क्या अपनी जाति पर ही मजबूत पकड़ नहीं थी। इसलिए अब अजय राय को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

भूमिहार जाति से आने अजय राय का यूपी में जातीय संख्या बल ऐसा नहीं है कि वह सारे समीकरण पलट कर रख दें और कोई बड़ा चमत्कार कर दें, लेकिन फिलहाल कांग्रेस के पास यूपी में दूसरा ऐसा चेहरा नहीं है, जिसकी अपनी स्वतंत्र पहचान हो। जितिन प्रसाद एवं आरपीएन सिंह जैसे युवा नेताओं के भाजपा में चले जाने के बाद यूपी में कांग्रेस के पास जंग लगे पुराने चेहरे ही बचे हुए थे। जुझारू छवि वाले नेता अजय राय की कार्यकर्ताओं में पकड़ निश्चित रूप से मजबूत है। इसका लाभ कांग्रेस को जमीनी संघर्ष तेज करने में मिलेगा। अजय के अध्यक्ष बनने से कांग्रेस को पूर्वांचल में मजबूती मिलेगी तथा सवर्णों को भी एक विकल्प मिलेगा।

अजय राय ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत भले ही भाजपा से की हो, लेकिन उनका परिवार पुराना कांग्रेसी रहा है। मूल रूप से गाजीपुर जिले के मलसा गांव के रहने वाले अजय राय की राजनीति बनारस से ही परवान चढ़ी है। उनके बड़े पिता श्रीनारायण राय बनारस जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे हैं। उनके बड़े भाई अवधेश राय ने भी कांग्रेस से जुड़कर ही अपनी राजनीतिक पहचान स्थापित की थी। चंधासी कोयला मंडी में वर्चस्व को लेकर 1991 में अवधेश राय की मुख्तार अंसारी द्वारा हत्या किये जाने के बाद अजय राय ने भाजपा से जुड़कर अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी।

वर्ष 1996 में वह पहली बार भाजपा के टिकट पर कोलअसला से विधायक चुने गये। अजय ने भाकपा के दिग्गज नेता एवं नौ बार के विधायक ऊदल को मात दी थी। इसके बाद वह 2002 एवं 2007 में भी कोलअसला से विधायक चुने गये। तत्कालीन भाजपा सरकार में वह राज्यमंत्री भी बनाये गये थे। 2009 में अजय राय बनारस लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन पार्टी ने मुरली मनोहर जोशी को उम्मीदवार बना दिया। नाराज होकर अजय ने समाजवादी पार्टी का दामन थामकर विधायकी से इस्तीफा दे दिया। सपा ने उन्हें मुरली मनोहर जोशी के खिलाफ अपना उम्मीदवार बनाया, लेकिन अजय तीसरे नंबर पर रहे।

समाजवादी पार्टी से भी अजय राय का तत्काल ही मोहभंग हो गया, उन्होंने पार्टी छोड़ दी। अजय के इस्तीफे से खाली कोलअसला सीट पर 2009 में उपचुनाव हुआ तो उन्होंने बसपा के अवधेश राय को हराकर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत दर्ज की। कुछ समय बाद वे कांग्रेस में शामिल हो गये। 2012 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस के टिकट पर लड़कर लगातार पांचवीं बार विधानसभा पहुंचे। 2014 एवं 2019 के लोकसभा चुनाव में अजय राय को कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के खिलाफ बनारस से अपना उम्मीदवार जरूर बनाया, लेकिन दोनों बार वे तीसरे स्थान पर रहे।

परिसीमन के बाद कोलअसला सीट का नाम बदलकर पिंडरा हो गया। 2017 में कांग्रेस ने पिंडरा विधानसभा सीट से उन्हें अपना उम्मीदवार बनाया, लेकिन अजय बसपा से भाजपा में आये डा. अवधेश राय से हारकर तीसरे स्थान पर पहुंच गये। उन्हें बसपा के बाबूलाल से भी कम वोट मिले। 2022 में कांग्रेस ने अजय को एक बार फिर पिंडरा से अपना उम्मीदवार बनाया, लेकिन 2017 वाली ही कहानी दोहरायी गई। भाजपा के अवधेश राय ने जीत हासिल की, बसपा के बाबूलाल दूसरे नंबर पर रहे। अजय राय को तीसरे नंबर से संतोष करना पड़ा।

बनारस में कांग्रेस की राजनीति में औरंगाबाद हाउस यानी पंडित कमलापति त्रिपाठी परिवार का प्रभाव घटने एवं खजूरी हाउस यानी डा. राजेश मिश्रा से कांग्रेस नेतृत्व की दूरी बढ़ने के बाद अजय राय ही बनारस में कांग्रेस के चर्चित चेहरे हैं। बहरहाल, अजय राय के लिए भी आगे की राह आसान नहीं है। उन्हें पार्टी के अंतर्कलह से पार पाकर पुराने कांग्रेसियों को साधने एवं नये ऊर्जावान चेहरों को आगे लाने की चुनौती होगी। कोई बड़ा जातीय वोट बैंक का आधार नहीं होने के कारण अजय को अपने राजनीतिक एवं रणनीतिक कौशल से ही संगठन के भीतर के अंतर्विरोधों से निपटना होगा।

अजय राय की रणनीतिक कौशल एवं प्रभाव की पहली परीक्षा कार्यकारिणी गठन से तय होगी। पार्टी में अपनी ताकत एवं प्रभाव दिखाने के लिए अजय राय को ऐसी कार्यकारिणी गठित करनी होगी, जिस पर उनकी छाप दिखे। प्रदेश में संगठन को मजबूती से खड़ा करने तथा उसे चुनावी मोड में लाना अजय राय की सबसे बड़ी चुनौती होगी। माना जा रहा है कि अजय राय को अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस ने सवर्ण वोटरों को साधने की रणनीति तैयार की है, क्योंकि यूपी के तीन प्रमुख दल भाजपा, सपा एवं बसपा के अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग से आते हैं। सवर्ण सभी दलों में खुद को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं।

कांग्रेस अपने पुराने वोट बैंक दलित, मुसलमान एवं सवर्ण को साधने की कोशिश में लंबे समय से जुटी हुई है। मल्लिकार्जुन खड़गे को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर पहले ही दलितों को अपने पाले में लाने की कोशिश कर चुकी है। अब यूपी में अजय राय को अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस ने सवर्णों को अपनी तरफ आकर्षित करने की कोशिश की है। जातीय तौर पर भले ही अजय राय प्रभावी ना हों, लेकिन पूर्वांचल की सवर्ण जातियों में उनका मजबूत प्रभाव है। इंडिया गठबंधन में समाजवादी पार्टी के शामिल होने के बाद कांग्रेस को उम्मीद है कि ओबीसी वोटरों का बड़ा हिस्सा भी उसके पाले में आयेगा।

कांग्रेस के कमजोर होने के बाद मुसलमान भाजपा को हराने के लिए सपा की तरफ भले गया, लेकिन उसकी पहली पसंद अब भी कांग्रेस ही है। अब यूपी में सपा और कांग्रेस के साथ आने की स्थिति में मुसलमानों का शत-प्रतिशत वोट गठबंधन के हिस्से में आने की संभावना है। यूपी की राजनीति में सवर्णों की भागीदारी लगातार कम हो रही है। भाजपा एवं सपा जैसे दलों से सवर्णों का एक बड़ा वर्ग नाराज हैं, बस विकल्प का अभाव उन्हें रोके हुए है। अजय राय को अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस वही विकल्प तैयार कर रही है। कांग्रेस की रणनीति कारगर रही तो आगामी आम चुनाव में भाजपा को यूपी में उम्मीद से अधिक कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ सकता है।

लेकिन जिस तरह से प्रदेश में कांग्रेस का संगठन कमजोर स्थिति में है उसे देखते हुए अजय राय से रातों रात चमत्कार की उम्मीद भी किसी को नहीं है। प्रदेश के अधिकांश जिलों में कांग्रेस नेस्तनाबूत हो चुकी है। गिनती के लोग ही उसके पास बचे हैं। फिलहाल सवर्ण मतदाता भी हिन्दुत्व के नाम पर मजबूती से बीजेपी के साथ खड़ा है।

ऐसे में अजय राय कांग्रेस को कितना ऊपर उठा पायेंगे ये तो समय ही बतायेगा लेकिन प्रमोद तिवारी जैसे नेताओं के दिल्ली में डेरा डाल लेने के बाद प्रदेश कांग्रेस को एक चर्चित नाम जरूर मिल गया है जिसे प्रदेश में लोग जानते हैं। उनके बयानों को मीडिया में महत्व मिलता है जैसे अध्यक्ष बनते ही अमेठी से राहुल गांधी के पुन: चुनाव लड़ने वाले बयान को मिला। फिलहाल, यही उनकी और कांग्रेस दोनों की उपलब्धि कही जाएगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नृसिंहपूर्वतापिन्युपनिषद् (भाग-3)

गतांक से आगे...

उन प्रसिद्ध प्रजापति ब्रह्माजी ने कहा, श्री बीज (श्रीं) से अभिषिक्त अष्टाक्षरी गायत्री मन्त्र के रूप में जो पुरुष इस मन्त्रराज का स्वरूप जानता है, वह श्री सम्पन्न होता है। वेदमंत्रों के आदि में प्रणव का उच्चारण किया जाता है। प्रणव को इस साम का अंग समझने वाला त्रैलोक्य विजयी होता है। जो ज्ञानी पुरुष चौबीस अक्षर वाले महालक्ष्मी मंत्र को यजु: स्वरूप जानता है, वह यश, ज्ञान, आयु और ऐश्वर्य प्राप्त कर लेता है। अंगों सहित साम को जानने वाला अमृतत्व को प्राप्त हो जाता है, अत: अंगों सहित इस साम को जानना चाहिए।

ज्ञानी लोग अनधिकारियों स्त्री-शूद्रों को प्रणव गायत्री एवं यजु: स्वरूप महालक्ष्मी मंत्र का उपदेश नहीं करना चाहते। (वे) बत्तीस अक्षरों वाले साम को जानें, इसे जो जानता है, वह अमृतत्व को प्राप्त होता है। गायत्री, प्रणव और यजुर्वेद स्वरूप महालक्ष्मी मन्त्र को यदि अनधिकारी स्त्री शूद्र जान लें, तो भी वे मरने के बाद अधोगति को प्राप्त होते हैं। ऐसे में मंत्र देने वाले आचार्य को सावधान रहना चाहिए; क्योंकि वे भी उन्हीं के साथ अधोगति को प्राप्त करते हैं।

यहाँ स्त्री-शूद्र को अनधिकारी कहने का विशेष प्रयोजन है जो निरन्तर बात-चीत करने में दत्तचित्त रहती है अथवा गर्भधारण करने उसके संरक्षण में संलग्न रहती है, वह स्त्री है। (स्त्यायति गर्भो यस्यामिति, स्त्यायेते शुक्रशोणिते यस्याम: स्त्यै शब्द संघातयो: +उट्), ऐसी स्त्री के लिए मन्त्रानुष्ठान की प्रक्रिया कैसे सुकर हो सकती है। शूद्र उसे कहते हैं, जो शोकाभिभूत रहता है-शोचतीति शूद्र:। निरन्तर शोकाकुल रहने वाले के लिए मन्त्र आदि का क्या प्रयोजन; क्योंकि मन्त्र आदि का जप-मनन-चिन्तन शान्त मन:स्थिति में ही सम्भव है। इन्हीं कारणों से स्त्री-शूद्र को अनधिकारी कहा गया है, जो इन स्थितियों से परे हों, उनकी बात यहाँ नहीं कही गई है।

प्रजापति ब्रह्मा जी पुन: कहने लगे- मंत्रराज साम के प्रथम पाद के रूप में सभी देवों, सभी अग्नियों, सभी प्राणियों, सभी प्राणों, सभी इन्द्रियों, सभी पशुओं, अन्न, अमृत, सम्राट्, स्वराट् और विराट् को जानना चाहिए। द्वितीय पाद के रूप में ऋक्, यजु: साम एवं अथर्ववेद, सूर्य तथा सूर्य मण्डल में स्थित हिरण्यमय पुरुष को जानना चाहिए। तृतीय पाद के रूप में सभी ओषधियों और तारापति चन्द्रमा को जानना चाहिए और उस साम के चतुर्थ चरण के रूप में उन भगवान् विष्णु, ब्रह्मा, शिव, अग्नि, इन्द्र और अविनाशी परमात्मा को जानना चाहिए। जो इस प्रकार (चारों पादों को) जान लेता है, वह अमरता को प्राप्त कर लेता है।

क्रमश:...

बच्चे मदद करते रहे मैं पुल बनाता गया

मोहम्मद रियाजुद्दीन

मैं बिहार के औरंगाबाद के कोराइपुर गाँव में रहने वाला एक शिक्षक हूँ। सात भाई-बहनों में मैं सबसे बड़ा हूँ। मेरा अब तक का जीवन कई संघर्षों से गुजरा है। पैसों की तंगी के कारण मुझे मैट्रिक के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। फिर ट्यूशन पढ़ाकर कुछ पैसे कमाए और उन्हीं पैसों से आगे पढ़ाई की। किसी तरह स्नातक करने के बाद मैं दोबारा किताबों से दूर हो गया। पैसों के लिए मैंने वॉल पेंटिंग करनी शुरू कर दी, इलेक्ट्रीशियन का काम किया, मगर अपने छोटे भाइयों को स्कूल भेजता रहा। और अपनी मेहनत के दम पर एमए तथा बीएड भी कर लिया। पाँच साल पहले मुझे सरकारी शिक्षक बनने का अवसर मिल गया।

सरकारी शिक्षक बनने से पहले मैं प्राइवेट स्कूल में पढ़ाता था। उसी दौरान मेरा ध्यान गाँव की एक बड़ी समस्या पर गया। दरअसल गाँव में सिर्फ मिडिल स्कूल है। उससे आगे की पढ़ाई के लिए प्रखंड मुख्यालय जाना पड़ता है। गाँव से पंद्रह किलोमीटर दूर ओबरा जाना किशोरों के लिए तो फिर भी बहुत दिक्कत की बात नहीं है, पर लड़कियों के लिए यह बड़ी मुसीबत है। मुसीबत इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि दोनों जगहों के बीच बहने वाली पुनपुन नदी रास्ता और लंबा कर देती है। और वह रास्ता लड़कियों के लिए सुरक्षित भी नहीं माना जाता। मेरे मन में कई बार यह खयाल आया कि क्यों न एक अस्थायी पुल बनया जाए। गाँव के कुछ दोस्तों से मैंने अपने मन के विचार साझा भी किए। लेकिन सब सुनकर चुप हो गए। मैंने गाँव वालों से चंदे स्वरूप पाँच-पाँच रुपये माँगे, लेकिन सबने मेरा मजाक बनाया।

एक दिन मैंने योजना बनाई कि चाहे और कोई मेरे साथ आए या न आए पर खुद एक चचरी (बॉस और लकड़ी का पुल बनाऊँगा, जो स्कूल और गाँव की दूरी को कम कर सके। दिन स्कूल में व्यस्त पुल कब बनाऊँ, मेरे लिए यही सवाल अहम था। क्योंकि खुद अध्यापक होने के नाते मेरे पास वक्त की भारी कमी थी। मैं पूरा रहता। मैंने कुछ दिनों में होने वाली छठ की छुट्टियों तक का इंतजार किया। जैसे ही छुट्टियाँ हुईं, मैं अपने मिशन में जुट गया। मेरी तन्मयता देखकर मेरा एक दोस्त भी मेरी मदद करने के लिए आगे आया। उसने मदद स्वरूप बांस का इंतजाम किया। मैंने करीब सात दर्जन बांसों को काटकर पुल की सामग्री लायक तैयार किया। इस काम के दौरान कई लोग ने मेरी हौसलाफजाई की, लेकिन उनका प्रोत्साहन शब्दों तक ही सीमित रहा। कोई भी मेरे काम में हाथ बँटाने नहीं आया। मैंने बांस गाड़ने के लिए शीशम की लकड़ी से बना दस किलो का हथौड़ा तैयार किया। तट पर खेल रहे कुछ बच्चों ने मेरी मदद की। वे एक-एक कर बांस पकड़ाते रहे और मैं पुल बनाता गया। कुल पाँच दिन में मैंने चचरी का पुल तैयार कर दिया। वह पुल एक साल तक चला। उसके बाद मैंने तीन और दफे पुल बनाया है। हर बार पुल बनाने में करीब दस हजार रुपये का खर्च आता है, जिसे खर्च करने के लिए मैं सक्षम हो चुका हूँ। कुछ लोग अब स्वेच्छा से मेरी मदद करने लगे हैं। मदद राशि का उपयोग मैं उन बच्चों की हसरतें पूरी करने में करता हूँ, जिन्होंने पहली बार पुल बनाने में मेरी मदद की थी। आज जब स्कूल जाने वाली लड़कियों समेत दूसरे गाँव वाले इस पुल का प्रयोग करते हैं तो यह देखकर मुझे अपार संतुष्टि मिलती है। मुझे लगता है कि अपनी जिंदगी में मैंने कम से कम एक ऐसा काम जरूर किया है, जिससे दूसरों को फायदा पहुँचा।

पीएम मोदी खुद संभालेंगे राजस्थान की चुनावी कमान

समीर चौगांवकर

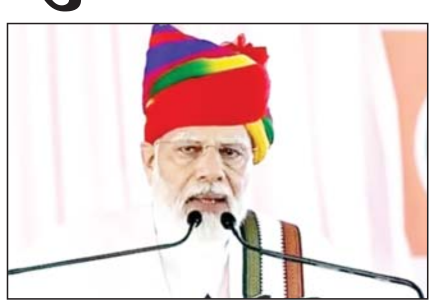

इस साल जिन तीन प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं उसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की चुनावी कमान अमित शाह ने संभाल ली है, वहीं राजस्थान को लेकर यह तय हुआ है कि वहां पार्टी की चुनावी गतिविधियों को सीधे प्रधानमंत्री मोदी ही संभालेंगे। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी अन्य चुनावी राज्यों से अधिक ध्यान राजस्थान पर दे रहे हैं। अभी तक मोदी राजस्थान में 7 सभाएं कर चुके हैं। राजस्थान में भाजपा को चाक चौबंद करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने मानसून सत्र के दौरान ही 8 अगस्त को राजस्थान के 24 लोकसभा और 4 राज्यसभा सांसदों के साथ दिल्ली में बैठक की थी। इस बैठक में उन्होंने राजस्थान की जमीनी हकीकत के बारे में सांसदों से जानकारी ली थी। मोदी ने जमीनी स्तर से उनको मिल रहे फीड बैक से सांसदों को अवगत भी कराया था।

इस बैठक में सांसदों ने राजस्थान की राजनीति पर भाजपा की स्थिति और गहलोत की घोषणाओं से होनेवाले प्रभाव के बारे में मोदी को विस्तार से बताया था। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक में सांसदों से यह फीडबैक मांगने के लिए कहा था कि उनकी विधानसभा में कौन सी सीट सबसे मजबूत है और कौन सबसे कमजोर। इन्हें मजबूत करने के लिए क्या उपाय करना होगा इसकी जानकारी 20 अगस्त तक भेजने के लिए कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी पूछा कि विधानसभा चुनाव में ऐसी कौन सी घोषणाएं हो सकती हैं जिसका फायदा विधानसभा चुनाव के साथ-साथ लोकसभा चुनाव में भी मिले। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी सांसदों को केन्द्र सरकार की 9 साल की उपलब्धियों को लेकर लोगों के बीच जाने और जनता से जीवंत संवाद बनाए रखने को भी कहा।

भाजपा झुंझुनूं, कोटपूतली जैसी करीब 19 सीटें पिछले तीन चुनाव से हार रही है। इसी तरह 58 सीटें ऐसी हैं, जहां तीन में से दो चुनावों में भाजपा को हार मिली है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि राजस्थान की उन 77 सीटों पर मोदी सबसे ज्यादा ध्यान दे रहे हैं जो पिछले चुनावों में उसके लिए हार का कारण बनती रही हैं। लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर, खेतड़ी, नवलगढ़, बस्सी, बागीदोरा, वल्लभनगर, सांचौर, बाड़मेर, सरदारपुरा, लालसोट, सिकराय, सपोटरा, टोडाभीम, बाड़ी, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़, कोटपूतली, दांतारामगढ़ और झुंझुनूं सीट पर पिछले परिसीमन के बाद हुए तीनों चुनाव भाजपा हारी है। भाजपा इन सीटों पर कुछ जगह सांसदों को लड़ाएगी, कुछ सीटों पर दूसरों दलों से नेताओं को लाकर लड़ाने और कुछ पर अपनी ही पार्टी में मजबूत नेताओं की खोज कर रही है। राजस्थान में कांग्रेस सरकार को घेरने और जनसमर्थन जुटाने के लिए पहली बार प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर चार दिशाओं से चार यात्राएं निकालने का निर्णय हुआ है। इसकी पूरी रूपरेखा मोदी के निर्देश पर भाजपा के केन्द्रीय टीम ने बनाई है। बीजेपी राजस्थान में एक साथ चारों दिशाओं से 2 सितंबर को परिवर्तन यात्राएं शुरू करेंगी। यह यात्राएं उत्तर में गोगामेड़ी मंदिर (हनुमानगढ़), दक्षिण में बेणेश्वरधाम (डूंगरपुर), पूर्व में त्रिनेत्र गणेश मंदिर (सवाईमाधोपुर) और पश्चिम में रामदेवरा (जैसलमेर) से निकाली जाएगी। इन चारों यात्राओं का समापन जयपुर के धानक्या में 25 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी की सभा के साथ होगा।

23 दिन चलने वाली इस चार दिशाओं की यात्रा में राजस्थान की सभी 200 विधानसभाओं को कवर किया जाएगा। इन चारों दिशाओं से निकलने वाली यात्राओं का नेतृत्व कौन से चार नेता करेंगे अभी तय नहीं है। इन नेताओं पर अंतिम फैसला भी मोदी ही लेंगे। जिन नामों की चर्चा है उनमें प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया हो सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी राजस्थान के मामले को लेकर कितनी रूचि ले रहे हैं, इसका इस बात से अंदाज लगाया जा सकता है कि जब राजस्थान भाजपा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक अगस्त को जयपुर में सचिवालय के घेराव का कार्यक्रम तय किया था तो ऐसा पहली बार हुआ कि प्रदेश भाजपा के किसी आंदोलन के लिए स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया हो। मोदी के इस ट्वीट के बाद भाजपा के लगभग सभी छोटे-बड़े नेता और कार्यकर्ता इस घेराव में शामिल हुए। हालांकि वसुंधरा राजे स्वास्थ्य ठीक न होने से इसमें शामिल नहीं हो सकी थी।

प्रधानमंत्री मोदी विधानसभा चुनावों में पार्टी की ओर से स्टार प्रचारक तो होते ही हैं, लेकिन पहली बार ऐसा हो रहा है कि मोदी की सीधी निगरानी में राजस्थान की चुनावी रणनीति बन रही है। इस बार भाजपा हाईकमान ने तय किया है कि राजस्थान चुनाव में मुख्यमंत्री का चेहरा कोई नहीं होगा और भाजपा मोदी के चेहरे और मोदी के काम पर ही चुनाव लड़ेगी। राजस्थान में पिछले दो दशक के सभी चुनावों में भाजपा मुख्यमंत्री का चेहरा आगे कर लड़ती रही है लेकिन इस बार मोदी के चेहरे और मोदी की योजनाओं के नाम पर ही सिर्फ चुनाव नहीं लड़ेगी बल्कि राजस्थान विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी भी मोदी संभालेगे। मोदी ने सांसदों और पार्टी नेताओं के साथ बैठक में साफ संदेश दिया है कि परिवार के लोगों के टिकट के लिए नेता कोशिश न करें। मोदी चाहते हैं कि परिवारवाद क्विट इंडिया का जो नारा उन्होने दिया है उसका पालन पार्टी के भीतर कड़ाई से हो। हालांकि उम्र की पांबदी को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने विशेष परिस्थितियों में राहत देने की बात कही है।

दरअसल राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के अलावा दर्जन भर अन्य नेता भी मुख्यमंत्री बनने के ख्वाब देख रहे हैं। इनमें नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, गजेन्द्र सिंह शेखावत और अश्विनी वैष्णव को मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल माना जा रहा है। इनके अलावा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, वरिष्ठ भाजपा नेता ओम प्रकाश माथुर, पार्टी महासचिव सुनील बंसल, प्रदेश भाजपा के पूर्व संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र गुप्ता इत्यादि के नाम भी मुख्यमंत्री के संभावित दावेदारों के रूप में भाजपा और संघ में चल रहे हैं। ऐसे में पार्टी के ये सभी नेता एक दूसरे के समर्थक उम्मीदवारों को हराने में न लग जाएं और पार्टी की संभावनाओं पर कोई असर न पड़े इसलिए मोदी ने खुद कमान संभाली है।

हिन्द स्वराज्य

स्वराज्य क्या है?

प्रश्न- कांग्रेस ने हिन्दुस्तान को एक राष्ट्र बनाने के लिए क्या किया, बंग-भंग से जागृति कैसे हुई, अशान्ति और असंतोष कैसे फैले, यह सब जाना। अब मैं यह जानना चाहता हूँ कि स्वराज्य के बारे में आपके क्या खयाल हैं, मुझे डर है कि शायद हमारी समझ में फरक हो।

उत्तर- फरक होना मुमकिन है। स्वराज्य के लिए आप हम सब अधीर बन रहे हैं, लेकिन वह क्या है इस बारे में हम ठीक रायपर नहीं पहुँचे हैं। अंग्रेजों को निकाल बाहर करना चाहिए, यह विचार बहुतों के मुँहसे सुना जाता है; लेकिन उन्हें क्यों निकालना चाहिए, इसका कोई ठीक खयाल किया गया हो ऐसा नहीं लगता। आपसे ही एक सवाल मैं पूछता हूँ। मान लीजिये कि हम माँगते हैं उतना सब अंग्रेज हमें दे दें, तो फिर उन्हें (यहाँ से) निकाल देने की जरूरत आप समझते हैं?

प्रश्न- मैं तो उनसे एक ही चीज माँगूँगा। वह है- मेहरबानी करके आप हमारे मुल्क से चले जायें। यह माँग वे कबूल करें और हिन्दुस्तान से चले जायँ, तब भी अगर कोई ऐसा अर्थ का अनर्थ करें कि वे यहीं रहते हैं, तो मुझे उसकी परवाह नहीं होगी। तब फिर हम ऐसा मानेंगे कि हमारी भाषा में कुछ लोग जाना का अर्थ रहना करते हैं।

उत्तर- अच्छा, हम मान लें कि हमारी माँग के मुताबिक अंग्रेज चले गये। उसके बाद आप क्या करेंगे?

प्रश्न- इस सवाल का जवाब अभी से दिया ही नहीं जा सकता। वे किस तरह जाते हैं, उस पर बाद की हालत का आधार रहेगा। मान लें कि आप कहते हैं उस तरह वे चले गये, तो मुझे लगता है कि उनका बनाया हुआ विधान हम चालू रखेंगे और राजका करोबार चलायेंगे। कहने से ही वे चले जायँ तो हमारे पास लश्कर तैयार ही होगा, इसलिए हमें राजकाज चलाने में कोई मुश्किल नहीं आयेगी।

उत्तर- आप भले ऐसा मानें, लेकिन मैं नहीं मानूँगा। फिर भी मैं इस बात पर ज्यादा बहस नहीं करना चाहता। मुझे तो आपके सवाल का जवाब देना है। वह जवाब मैं आपसे ही कुछ सवाल करके अच्छी तरह दे सकता हूँ। इसलिए कुछ सवाल आपसे करता हूँ। हम अंग्रेजों को क्यों निकालना चाहते हैं?

टुकड़े-टुकड़े का नारा लगाने वालों को आगे बढ़ा रही है कांग्रेस : प्रमोद कृष्णम

■ मेरे भगवा कपड़ों और तिलक से कांग्रेस को है आपत्ति

नईदिल्ली। मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने के लगभग दस महीने बाद आखिरकार पार्टी कार्यसमिति का गठन कर दिया। लेकिन इस कार्यसमिति में शामिल किये गये नामों को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं साथ ही जिन लोगों को कार्यसमिति में जगह नहीं दी गयी है उन्होंने पार्टी पर निशाना साधना भी शुरू कर दिया है। कांग्रेस कार्यसमिति में शामिल नामों पर नजर दौड़ाएं तो गांधी परिवार के तीनों सदस्यों- सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को इसमें शामिल कर परिवारवाद की नीति पर आगे बढ़ते रहने और पार्टी में गांधी परिवार का ही प्रभुत्व कायम रहने के संकेत दिये गये हैं। इसके अलावा कांग्रेस के असंतुष्ट गुट जी-23 में शामिल कई नेताओं तथा राजस्थान के असंतुष्ट नेता सचिन पायलट को भी कार्यसमिति में जगह देकर कांग्रेस ने असंतोष के स्वरों को दबाने का प्रयास किया है। इसके अलावा जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष और टुकड़े-टुकड़े गैंग के सदस्य कन्हैया कुमार, जिन पर देशद्रोह का आरोप लगा वह भी कार्यसमिति में शामिल कर लिये गये हैं। कांग्रेस की जिस नई कार्यसमिति पर पार्टी में नई जान फूंकने का जिम्मा सौंपा गया है उनमें डॉ. मनमोहन सिंह 91 साल के, एके एंटनी 84 साल के, खुद मल्लिकार्जुन खरगे 82 साल के, अंबिका सोनी 79 साल की, मीरा कुमार 78 साल की, पी. चिदम्बरम 77 साल के, दिग्विजय सिंह 76 साल के, कमलनाथ 75 साल के, सोनिया गांधी 75 साल की, हरीश रावत 74 साल के हैं। इसके अलावा 53 साल के राहुल गांधी पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि कांग्रेस ने उदयपुर के अपने 'चिंतन शिविर' और रायपुर के महाधिवेशन में भले ही संगठन के सभी स्तरों पर 50 प्रतिशत स्थान 50 साल से कम उम्र के नेताओं को देने के फार्मूले की बात कही थी, लेकिन इस कार्य समिति में जिन 39 सदस्यों को शामिल किया गया, उनमें सिर्फ तीन नेता ही 50 वर्ष से कम उम्र के हैं।

दूसरी ओर, कांग्रेस कार्यसमिति के ऐलान के बाद वह नेता अब पार्टी पर निशाना साध रहे हैं जोकि इसमें स्थान पाने से वंचित रह गये। इनमें एक प्रमुख नाम आचार्य प्रमोद कृष्णम का है। कृष्णम का कहना है कि उन्हें इसलिए शामिल नहीं किया गया क्योंकि पार्टी को मेरी भगवा वेशभूषा और तिलक से आपत्ति है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कांग्रेस पर कुछ ऐसे लोगों का कब्जा हो गया है जो हिंदू, हिंदुत्व और भगवा से परेशान हो जाते हैं और उन्हें भारत माता की जय का नारा लगाने वाले लोग पसंद नहीं हैं। उन्होंने कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया कुमार का नाम लिये बिना उन पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग भारत तेरे टुकड़े होंगे का नारा लगाते हैं उन्हें कांग्रेस में अहम ओहदा मिल गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग कांग्रेस को महात्मा गांधी और इंदिरा गांधी की विचारधारा से दूर ले जा रहे हैं। कृष्णम ने कहा कि इंदिरा गांधी, महात्मा गांधी और पंडित जवाहर लाल नेहरू ने कांग्रेस को आगे बढ़ाया तथा देश के लिए बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि अब तक कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी की रामधुन रघुपति राघव राजा राम पतित पावन सीताराम से जानी जाती थी लेकिन अब भारत तेरे टुकड़े होंगे के नारे लगाने वाले लोग आगे आ गये हैं। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे भी ऐसे लोगों से खुश नहीं हैं।

यदि कृष्णम का आरोप सही है तो सवाल उठता है कि कांग्रेस कार्यसमिति का गठन करने में मल्लिकार्जुन खरगे की नहीं चली तो फिर किसकी चली है? वैसे हम आपको बता दें कि खरगे कुछ समय पहले कह चुके हैं कि वह मनोनीत अध्यक्ष हैं। हम आपको यह भी याद दिला दें कि शुरू में कांग्रेस की ओर से कहा गया था कि कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों का निर्वाचन कराया जायेगा लेकिन कांग्रेस ने सोनिया गांधी के समय से चली आ रही मनोनयन की परम्परा को जारी रखा और किसी भी तरह के चुनाव से बचा गया।

जहां तक कार्यसमिति में शामिल अन्य नेताओं के नामों की बात है तो आपको बता दें कि सचिन पायलट, शशि थरूर और कई अन्य नेताओं को पार्टी की इस सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई में पहली बार स्थान मिला है। पार्टी शासित किसी राज्य के मुख्यमंत्री को इसमें स्थान नहीं दिया गया है। कांग्रेस कार्य समिति में 39 सदस्य, 32 स्थायी आमंत्रित सदस्य और 13 विशेष आमंत्रित सदस्य (चार पदेन सदस्यों समेत) शामिल किए गए हैं। कांग्रेस के चारों अग्रिम संगठनों- युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस और सेवा दल के प्रमुख कार्यसमिति में पदेन सदस्य होते हैं। हम आपको यह भी याद दिला दें कि कांग्रेस ने इस साल फरवरी में रायपुर के महाधिवेशन में अपने संविधान में संशोधन किया था जिसके अनुसार, कार्यसमिति के सदस्यों की संख्या 23 से बढ़ाकर 35 कर दी गई थी। कांग्रेस के संविधान में यह प्रावधान भी है कि पार्टी अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष और पार्टी से संबंधित मौजूदा या पूर्व प्रधानमंत्री कार्यसमिति के स्वतः सदस्य होते हैं। कार्यसमिति में इस बार कांग्रेस शासित किसी राज्य के मुख्यमंत्री को शामिल नहीं किया गया है। पहले सामान्यतः कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों में से वरिष्ठ नेताओं को कार्य समिति में स्थान दिया जाता रहा है। मौजूदा समय में कांग्रेस की चार राज्यों कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में सरकारें हैं।

इसके अलावा, कार्यसमिति में कुल 15 महिलाओं को स्थान मिला है। सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, कुमारी सैलजा, अंबिका सोनी, मीरा कुमार और दीपा दासमुंशी को बतौर सदस्य इस नयी कार्यसमिति में शामिल किया गया है। प्रतिभा सिंह, मीनाक्षी नटराजन, फूलो देवी नेताम और रजनी पाटिल स्थायी आमंत्रित सदस्य होंगी। यशोमती ठाकुर, सुप्रिया श्रीनेत, परिनीति शिंदे, अलका लांबा और नेटा डिसूजा कार्य समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाई गई हैं।

पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, वरिष्ठ नेता मीरा कुमार और कुमारी सैलजा कांग्रेस की कार्य समिति में प्रमुख दलित चेहरे हैं। कांग्रेस कार्य समिति के 39 सदस्यों में मुस्लिम समुदाय से तारिक अनवर, सलमान खुर्शीद, गुलाम अहमद मीर और सैयद नासिर हुसैन शामिल हैं। कार्य समिति में शामिल आनंद शर्मा, मनीष तिवारी और थरूर कभी उस 'जी 23' समूह का हिस्सा थे, जिसने लगभग तीन साल पहले सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी नेतृत्व पर सवाल खड़े किए थे।

इस कार्यसमिति के पुनर्गठन में चुनावी राज्यों का भी ख्याल रखा गया है। राजस्थान से संबंधित सात नेताओं सचिन पायलट, अभिषेक मनु सिंघवी, महेंद्रजीत मालवीय, जितेंद्र सिंह, हरीश चौधरी, पवन खेड़ा और मोहन प्रकाश को कार्य समिति का हिस्सा बनाया गया है। मध्य प्रदेश से दिग्विजय सिंह, कमलेश्वर पटेल और मीनाक्षी नटराजन तथा छत्तीसगढ़ से ताम्रध्वज साहू और फूलो देवी नेताम को कार्य समिति में स्थान दिया गया है।

आज द. अफ्रीका जाएंगे पीएम मोदी, 40 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली ग्रीस यात्रा

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22-24 अगस्त तक दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद पीएम मोदी ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस के निमंत्रण पर 25 अगस्त को ग्रीस की यात्रा पर जाएंगे। विशेष रूप से यह 2019 के बाद पहला व्यक्तिगत ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होगा।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने यह भी बताया कि प्रधान मंत्री जोहान्सबर्ग में मौजूद कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शिखर सम्मेलन समूह द्वारा शुरू की गई पहल की प्रगति की समीक्षा करने और गतिविधि के भविष्य के क्षेत्रों की पहचान करने का अवसर प्रदान करेगा। इसके अलावा, पीएम मोदी ब्रिक्स - अफ्रीका आउटरीच और ब्रिक्स प्लस डायलॉग नामक एक विशेष कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। इन दोनों कार्यक्रमों में दक्षिण अफ्रीका द्वारा आमंत्रित अन्य गैर-देशों की भागीदारी देखी जाएगी।

विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री आज सुबह जोहान्सबर्ग के लिए प्रस्थान करेंगे जहां वह 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे जो आज से शुरू होगा और 24 अगस्त को समाप्त होगा। 3 साल वर्चुअल मीटिंग के बाद इस बार सामान्य तरीके से बैठक होगी। 23 को इंट्रा ब्रिक्स कोऑपरेशन और अन्य मुद्दों पर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चर्चा होगी। ग्लोबल इकोनॉमी रिकवरी, वर्तमान वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा होगी। 24 को ब्रिक्स + देशों की चर्चा में शामिल होंगे मोदी। भारत ग्लोबल साउथ के मुद्दे भी उठाएगा। पीएम मोदी की ग्रीस यात्रा 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधान मंत्री की पहली ग्रीस यात्रा होगी। इसके अलावा, प्रधान मंत्री देशों के बीच संबंधों को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए अपने ग्रीक समकक्ष प्रधान मंत्री मित्सोटाकिस के साथ बातचीत करेंगे। भारत और ग्रीस के बीच सभ्यतागत संबंध हैं, जो हाल के वर्षों में समुद्री परिवहन, रक्षा, व्यापार और निवेश और लोगों से लोगों के संबंधों जैसे क्षेत्रों में सहयोग के माध्यम से मजबूत हुए हैं। विनय क्वात्रा ने कहा कि अपनी ग्रीस यात्रा पर पीएम मोदी दोनों देशों के व्यापारिक नेताओं के साथ-साथ ग्रीस में भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे। मोदी वहां द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे और भारतीयों को भी संबोधित करेंगे। 1983 में आखिरी बार कोई भारतीय पीएम ग्रीस गया था। ग्रीस भारत का सहयोगी देश है और यूएनएससी में भारत की स्थाई सदस्यता का समर्थन करता है। विजिट में मोदी जिनपिंग मुलाकात पर विदेश सचिव ने कहा कि पीएम की द्विपक्षीय मुलाकातों का कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ है उसे अंतिम रूप दिया जा रहा है।

चारा घोटाले में रद्द होगी लालू यादव की जमानत? सीबीआई की याचिका पर राजद सुप्रीमो का आया बयान

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू यादव ने सोमवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की उस याचिका का विरोध किया, जिसमें चारा घोटाले से संबंधित डोरंडा कोषागार मामले में उन्हें दी गई जमानत रद्द करने की मांग की गई है। पिछले साल 22 अप्रैल को झारखंड हाई कोर्ट ने इस मामले में लालू यादव को जमानत दे दी थी। 75 वर्षीय राजद नेता को डोरंडा कोषागार से 139 करोड़ रुपये से अधिक के गबन के मामले में रांची की एक विशेष सीबीआई अदालत ने पांच साल जेल की सजा सुनाई और 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने जवाब में लालू यादव ने कहा कि उनकी सजा को निलंबित करने के झारखंड हाई कोर्ट के आदेश को सिर्फ इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती कि सीबीआई असंतुष्ट है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ चारा घोटाले से संबंधित डोरंडा कोषागार मामले में झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा लालू यादव को दी गई जमानत को रद्द करने की मांग वाली सीबीआई की याचिका पर 25 अगस्त को सुनवाई करेगी।

अपने जवाब में लालू यादव ने खराब स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें हिरासत में रखने से कोई मकसद पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह सामान्य सिद्धांतों और समान नियमों पर आधारित है।

15 फरवरी 2022 को रांची की सीबीआई कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में लालू यादव को दोषी करार दिया था. 21 फरवरी को उन्हें पांच साल की कैद और 60 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई। 75 वर्षीय राजद नेता के पास घोटाले की अवधि के दौरान अविभाजित बिहार का वित्त विभाग था, जिसके वह मुख्यमंत्री थे।

बिहार में बदला अटल बिहारी पार्क का नाम, हमलावर हुई भाजपा

बिहार में नया विवाद खड़ा हो गया है, जहां भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर पटना के कंकड़बाग में बने अटल बिहारी पार्क का नाम बदलकर कोकोनट पार्क कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद नित्यानंद राय ने इस घटनाक्रम को लेकर बिहार सरकार की आलोचना की और कहा कि यह कदम बेहद आपत्तिजनक और बड़ा अपराध है। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार से डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को उक्त बदलाव नहीं करने देने का आग्रह किया, साथ ही कहा कि तेजस्वी उनका (नीतीश कुमार) नाम भी बदल देंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, पटना के कंकड़बाग में अटल बिहारी वाजपेयी पार्क का नाम बदलकर कोकोनट पार्क करना आपत्तिजनक और बड़ा अपराध है। वह भारत रत्न हैं। मैं नीतीश कुमार से तेजस्वी यादव को इसका नाम बदलने से रोकने का आग्रह करता हूं।

भाजपा ने सम्राट चौधरी की जगह हरि सहनी को बनाया नेता प्रतिपक्ष

पटना। बिहार लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बीजेपी ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। लालू-नीतीश के वोट बैंक में सेंधमारी के लिए बीजेपी ने बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी की जगह हरि सहनी को अपना बिहार विधान परिषद् में नेता प्रतिपक्ष बनाया है। बीजेपी ने अपने इस एक तीर से तीन दांव खेले हैं।

हरि सहनी को नेता प्रतिपक्ष बनाकर बीजेपी ने मछुआरा जाति को अपने साथ साध लिया है। हाल के दिनों में मुकेश सहनी इसे अपने पक्ष में गोलबंद करने में लगे थे। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि बीजेपी के इस फैसले से मुकेश सहनी की परेशानी बढ़ सकती है। अपनी संकल्प यात्रा के दौरान सहनी अपने इस वोट बैंक को अपने पक्ष में गोलबंद करने में लगे थे। लेकिन, बीजेपी ने हरि सहनी को बिहार विधान परिषद् में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी देकर मुकेश सहनी के प्रयास पर ब्रेक लगाने का प्रयास किया है। हरि सहनी के सहारे बीजेपी ने मिथिलांचल को साधने की अपनी अंतिम चाबी भी लगा दी। और, तीसरा यह कि इसके जरिए पार्टी ने लालू नीतीश के परंपरागत वोट बैंक अति पिछड़ा में सेंधमारी का प्रयास किया है।

बिहार में अति पिछड़ी जाति के मतदाताओं की संख्या भी 26 फीसदी है। इसमें लोहार, कहार, सुनार, कुम्हार, ततवा, बढ़ई, केवट, मलाह, धानुक, माली, नोनी आदि जातियां आती हैं। पिछले चुनावों में ये अलग-अलग दलों को वोट करते रहे हैं। लेकिन 2005 के बाद से इनका बड़ा हिस्सा नीतीश के साथ रहा है। बीजेपी ने इसमें सेंधमारी के लिए पिछले कुछ दिनों से लगी थी। इसको साधने के लिए पहले बीजेपी ने बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी को 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा देकर अपने साथ मिलाने का प्रयास भी किया था। लेकिन, दोनों में बात नहीं बनी। इसके बाद मुकेश सहनी संकल्प यात्रा पर निकल गए और हाथ में गंगा जल लेकर अपने लोगों को कसम दिलाकर अपने सभी लोगों को गोलबंद कर रहे थे। इससे लालू-नीतीश तो परेशान थे ही इसके साथ ही साथ बीजेपी भी इसको लेकर परेशान थी। सहनी का चेहरा इसलिए भी मायने रखता है, क्योंकि उन्हें पार्टी ने एक तरह से अचानक प्रोजेक्ट कर दिया है। अब बीजेपी ने हरि सहनी विधना परिषद में नेता प्रतिपक्ष की जिमेम्वारी दी है।

गांधी परिवार का वफादार प्रमोद तिवारी कांग्रेस वर्किंग कमेटी से बाहर

लखनऊ। गांधी परिवार के प्रति लगातार वफादारी दिखा रहे राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी को कांग्रेस आलाकमान ने बड़ा झटका दिया है। उनको कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इसी तरह से उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय लल्लू को अध्यक्षी पद से हटाये जाने के बाद कांग्रेस वर्किंग कमेटी से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया है। फिर भी कमेटी में उत्तर प्रदेश का दबदबा बढ़ गया है। इसकी वजह है पूरे गांधी परिवार को वर्किंग कमेटी में जगह मिलना। नई वर्किंग कमेटी में अब सोनिया गांधी, राहुल गांधी के साथ ही प्रियंका गांधी भी शामिल हो गई हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सलमान खुर्शीद पहले की तरह कमेटी में मौजूद रहेंगे, जबकि सीडब्ल्यूसी से राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के साथ-साथ विशेष आमंत्रित सदस्य पीएल पुनिया और लल्लू सिंह को भी इस बार वर्किंग कमेटी में जगह नहीं मिली है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेस वर्किंग कमेटी की घोषणा कह तो इसमें कई नाम चौंकाने वाले रहे। इसमें उत्तर प्रदेश की प्रभारी रह चुकीं और अभी तक आमंत्रित सदस्य रहीं प्रियंका गांधी को वर्किंग कमेटी में जगह दी गई है। इसी तरह उत्तर प्रदेश से सोनिया गांधी, राहुल गांधी और सलमान खुर्शीद को फिर से शामिल किया गया है। इंचार्ज के रूप में राजीव शुक्ला बरकरार हैं। अब तक विशेष आमंत्रित सदस्य रहे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लल्लू सिंह और पीएल पुनिया को जगह नहीं मिली है। मालूम हो कि कांग्रेस के करीब 1256 प्रांतीय कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) सक्रिय सदस्य हैं। आठ पीसीसी सदस्य पर एक एआईसीसी चुने जाते हैं। इन्हीं सदस्यों को सीडब्ल्यूसी में जगह मिलती है।

सुप्रीम कोर्ट से अभिषेक बनर्जी को नहीं मिली राहत, जारी रहेगी सीबीआई-ईडी की पूछताछ

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें भर्ती अनियमितता मामले में सीबीआई और ईडी पूछताछ के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता अभिषेक बनर्जी को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया गया था। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि वह इस स्तर पर याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार उचित राहत के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकती है।

कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 8 जुलाई को सीबीआई और ईडी पूछताछ के खिलाफ बनर्जी को अंतरिम राहत देने से इनकार करने के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि बनर्जी किसी अंतरिम राहत के हकदार नहीं हैं क्योंकि उनके खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। सीबीआई और ईडी पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) में ग्रुप-डी कर्मचारियों की भर्ती में अनियमितता के आरोपों की जांच कर रही है। बनर्जी, जो टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं, इस मामले के आरोपियों में से एक हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला पश्चिम बंगाल सरकार और बनर्जी के लिए झटका है। इससे मामले में बनर्जी से पूछताछ करने के लिए सीबीआई और ईडी का रास्ता साफ होने की संभावना है। इस मामले का पश्चिम बंगाल में राजनीतिक असर पड़ने की संभावना है। टीएमसी भ्रष्टाचार के कई आरोपों का सामना कर रही है और बनर्जी के खिलाफ मामले को पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

चंद्रयान-3 की कामयाबी के बाद पकड़ा जाएगा चीन का धोखा, लद्दाख में गिरेंगे ड्रैगन ड्रोन

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 की सफलता, भारत के लिए कई मायनों में एक बड़े बदलाव का प्रतीक बनेगी। विकास की नई राहें खुलने के अलावा चंद्रयान-3 की कामयाबी, बॉर्डर की सुरक्षा के मोर्चे पर भी काफी मददगार साबित होगी। विशेष तौर से, चीन जैसा शत्रु राष्ट्र, जो बहुत कम अंतराल पर बॉर्डर के किसी न किसी हिस्से में घुसपैठ का प्रयास करता रहता है, चंद्रयान-3 की सफलता के बाद उसकी हर छोटी से छोटी गतिविधि पर नजर रखना आसान हो जाएगा।

बॉर्डर पर दुश्मन राष्ट्र की सेना की मिनट-टू-मिनट मूवमेंट का पता चलेगा। इसके अलावा पाकिस्तान और दूसरे देशों से लगती सीमा पर भी सटीक निगरानी हो सकेगी। साथ ही चंद्रयान 3 की कामयाबी, देश को हेवी मिसाइल दागने के लिए एक विश्वसनीय प्लेटफार्म उपलब्ध कराएगी। जब भारत में पे लोड की क्षमता बढ़ेगी तो दुनिया के कई देश अपने उपग्रहों की लॉन्चिंग के लिए भारत से संपर्क करेंगे। इससे भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कमाने के नए दरवाजे खुल जाएंगे।

पूर्व वैज्ञानिक एवं प्रमुख रेडियो कार्बन डेटिंग लैब, बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान, लखनऊ, डॉ. सीएम नौटियाल के मुताबिक, भारत से लगती सीमा, खासकर चीन के बॉर्डर पर सर्विलांस करने में चंद्रयान 3, बहुत मददगार साबित होगा। भारत चीन सीमा पर कुछ वर्षों से घुसपैठ की गतिविधियां बढ़ रही हैं। चीन की सेना के भारतीय क्षेत्र में आने की खबरें आती रहती हैं। पिछले दिनों लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने चीन से लगती सीमा पर पेट्रोलिंग पॉइंट्स को लेकर केंद्र सरकार से कई सवाल पूछे थे। उन्होंने पूछा, क्या चीन बॉर्डर पर 65 में से 26 पेट्रोलिंग पॉइंट्स से भारत ने अपना अधिकार खो दिया है। क्या बफर जोन भी भारत की जमीन में बने हैं।

इस वर्ष जनवरी में आयोजित डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए एक विस्तृत सिक्योरिटी रिसर्च पेपर में भारत के क्षेत्र पर चीन के अवैध कब्जे जैसी स्थिति सामने आई थी। मनीष तिवारी ने लोकसभा में उसी सम्मेलन का हवाला देते हुए पूछा था कि मई 2020 से पहले भारत सभी 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर पेट्रोलिंग करता था। गलवान में मई 2020 के दौरान ही भारत के 20 बहादुरों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। चीन, भारत को यह तथ्य स्वीकार करने के लिए मजबूर करता है कि इन क्षेत्रों में लंबे समय से आईएसएफ या नागरिकों की उपस्थिति नहीं देखी गई है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी लद्दाख में चीन की घुसपैठ पर बयान दिया है।

भारत से लगते बॉर्डर पर चीन ने उच्च तकनीक वाले उपकरण लगा रखे हैं। वह 72 सेटेलाइट के जरिए बॉर्डर पर सर्विलांस कर रहा है। भारत की ओर से उसके किसी भी तरह के दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब दिया जाता है। इंडियन स्पेस एसोसिएशन के डीजी ले.जनरल (रि.) एके भट्ट के अनुसार, चीन से लगती सीमा पर भी बड़ी संख्या में ऐसे ड्रोन की उपस्थिति बताई गई है, जिन्हें बिना दूरबीन के देखना संभव नहीं होता। दुश्मन के ड्रोन का मुकाबला करने के लिए भारत को भी वैसी ही तकनीक इस्तेमाल करनी होगी। आज स्पेस डोमेन का संघर्ष है। परंपरागत लड़ाई के तरीकों की जगह आज 3डी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 5जी और क्वांटम तकनीक ने ले ली है। निजी सेटेलाइट का जमाना आ चुका है। एलन मस्क इसका एक उदाहरण हैं। मौजूदा समय में 92 देशों ने स्पेस में अपने सेटेलाइट उतार दिए हैं। खाड़ी देशों ने भी पैसे के बल पर यह स्थिति हासिल कर ली है। इसरो आत्मनिर्भरता की राह पर है। मिलिट्री पॉजिशन, स्नूपिंग या आतंकियों की मदद में ड्रोन का प्रयोग होता है। चीन अपने मिलिट्री ड्रोन के जरिए जल, थल और वायु सटीक सर्विलांस करता है। इसके लिए उसने 72 सेटेलाइट तैयार किए हैं। युद्ध पोतों पर उसकी नियमित नजर रहती है। ऐसी स्थिति में चंद्रयान 3 की सफलता बहुत मायने रखती है। डॉ. सीएम नौटियाल के मुताबिक, चंद्रयान 3 मिशन की सफलता से स्पिन ऑफ यानी कई तरह की दूसरी टेक्निक विकसित होती हैं। उद्योगों में उन वस्तुओं और तकनीक का भरपूर इस्तेमाल होता है। नए पदार्थ, यूनिट और सॉफ्टवेयर आदि विकसित होते हैं। नासा ने भी इस तरह की सफल लॉन्चिंग के बाद विभिन्न उपकरणों और तकनीक का उपयोग उद्योगों में किया है। इसकी सफलता पर हर कोई गर्व करेगा। लॉन्चिंग क्षमता, पे लोड उपलब्धि और सुरक्षा के मोर्चे पर, भारत की ताकत बढ़ जाएगी। भारत की मिसाइल तकनीक में एक बड़ी मदद मिलेगी। उपग्रह भेजने के लिए भारत की क्षमता बढ़ेगी। मौसम की सटीक भविष्यवाणी करना आसान होगा। भारी उपग्रह भेजने की क्षमता में अपेक्षित सुधार आएगा। इसके अलावा अंतरिक्ष की मैपिंग के क्षेत्र में भी बड़े परिवर्तन देखने को मिलेंगे। प्राकृतिक संसाधनों की मैपिंग भी आसान हो जाएगी।

कलियुग में हनुमान जी की भक्ति से कैसे दूर होते हैं कष्ट?

हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान जी की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। जिससे कई गुना लाभ सभी भक्तों को मिलता है। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमान जी के सभी मंदिरों को बेहद भव्य तरीके से सजाया जाता है।

रामायण युग में दिव्य शक्तियों से परिपूर्ण होकर अवतरित रामभक्त हनुमान जी को कौन नहीं जानता और कौन नहीं मानता? रामभक्त हनुमान जी सर्वगुण सम्पन्न,बाल ब्रह्मचारी और प्रभु राम तथा उनके भक्तों के कठिन से कठिन कार्य करने के लिए सदा तत्पर हैं। हनुमान जी आज कलयुग के निराशावादी जीवन में भी उत्साह का संचार करते हुए आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

हनुमान जी के जन्म का उल्लेख अगस्त्य संहिता में हुआ है। उनके जन्म की तिथि कई स्थानों पर चैत्र मास की एकादसी और कई स्थानों पर पूर्णिमा मानी जाती है। हनुमान जी को अंजनीपुत्र, पवनसुत, शंकरसुवन, केसरीनंदन, बजरंग, आदि नामों से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त उन्हें महाबल, रामदूत, फाल्गुनसखा (अर्जुन के मित्र), पिगांक्ष, अमितविक्रम, उदधिक्रमण (समुद्र को अतिक्रमण करने वाले), सीता शोक विनाशक ,लक्ष्मण प्राणदाता और दशग्रीवदर्पदा (रावण के घमंड को दूर करने वाला) भी कहा जाता है। हनुमान जी के ये बारह नाम उनके गुणों के द्योतक हैं।

श्री हनुमान चरित्र एक जीवन दर्शन है। हनुमान जी के चरित्र में शक्ति संचय और उसका सदुपयोग, भगवान की भक्ति आदि का पूर्ण विकास होने के कारण व उनकी आराधना से भक्तों में इन गुणों की उपलब्धि। यदि आज के युवा हनुमान जी के जीवन चरित्र को अच्छी तरह से समझें तो समाज की तमाम बुराइयों व निराशावादी वातावरण का सहज अंत हो जायेगा। हनुमान जी आज के युग के लिए एक श्रेष्ठ प्रबंधक गुरू भी साबित हो सकते है। उसका कारण है कि हनुमान जी अपने स्वामी श्रीराम जी के काम को समय पूरा करके दिखा दे देते थे फिर चाहे उनके मार्ग में जितनी कठिन समस्यायें ही क्यों न आयें। यही कारण है कि भगवान श्रीराम को हनुमान जी के प्रति विशेष लगाव हो गया था। भगवान श्रीराम हनुमान जी के प्रति विशेष कृपादृष्टि रखने लग गये थे। वे अपना हर कठिन से कठिन काम हनुमान जी को सौंपते थे और ऐसा करके वे निश्चिंत होकर आगे की कार्ययोजना बनाने लग जाते थे।

मान्यता है कि हनुमान जी कलियुग के जाग्रत देव हैं जो भक्तों को बल, बुद्धि, विवेक प्रदान करके भक्तों की रक्षा करते हैं। हनुमान जी के स्मरण से रोग, शोक व कष्टों का निवारण होता है। मानसिक कमजोरी व दुर्बलता के दौर में हनुमान जी का स्मरण करने मात्र से जीवन में नये उत्साह का संचार होता है। हनुमाजी के चरित्र की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उनमें अहंकार रंचमात्र नहीं था वे सदा श्रीराम व उनके परिवार के सभी सदस्यों सहित अपने गुरू, माता-पिता तथा साधु-संतो के प्रति नतमस्तक रहते थे। हनुमान जी ने जब माता सीता की खोज के लिए रावण के अंतःपुर में प्रवेश किया और रावण की स्त्रियों और उनकी सुंदरता को देखा तब भी उनका मन व विचार स्खलित नहीं हुआ।

हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान जी की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। जिससे कई गुना लाभ सभी भक्तों को मिलता है। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमान जी के सभी मंदिरों को बेहद भव्य तरीके से सजाया जाता है। हनुमान जन्मोत्सव पर उनका षोडपोचार पूजन तथा श्रृंगार किया जाता है।

समकालिक समाज को हनुमान जी के गुणों को जीवन में उतरने का प्रयास करने की महती आवश्यकता है। आज का समाज स्वार्थ लिप्त होकर भौतिक सुखों के पीछे भाग रहा है, युवा वर्ग पश्चिमी सभ्यता के संस्कारों से ओतप्रोत होकर अपनी ओजस्विता को समाप्त कर रहा है। नारी असम्मान की घटनाएँ सामान्य हो गयी हैं ऐसे में हनुमान जी के जीवन के प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से प्रेरणा लेकर इन बुराइयों से बचा जा सकता है।

● मृत्युंजय दीक्षित

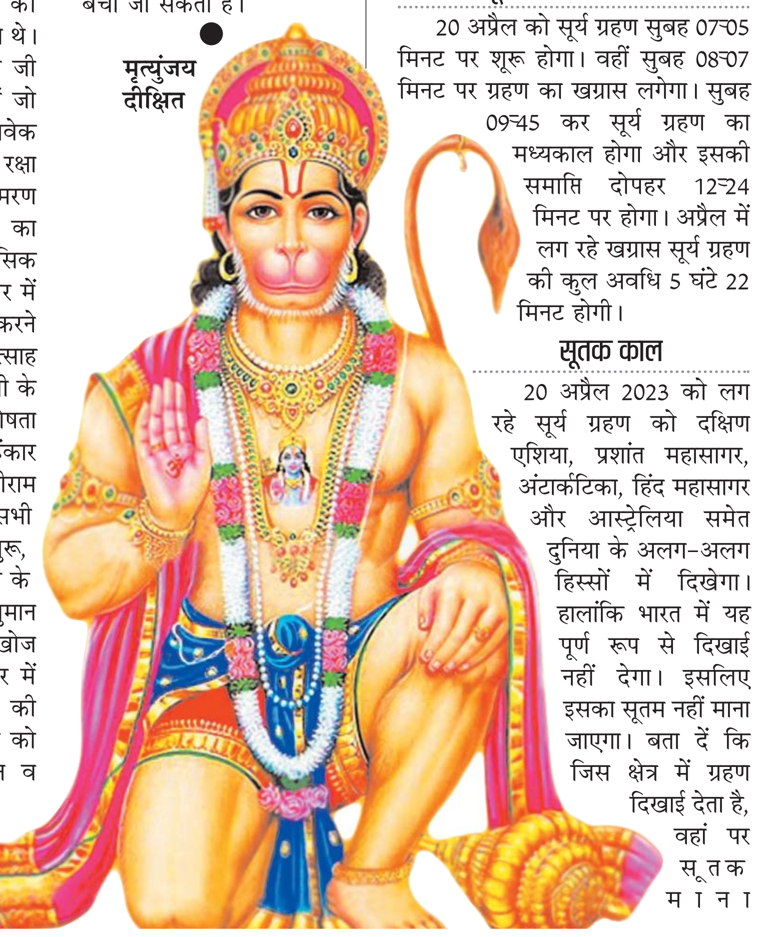

इन राशियों पर आएगी ऐसी आफत

सूर्य ग्रहण और चंद्रग्रहण का ज्योतिष और खगोलीय महत्व होता है। इस बार साल 2023 का पहला ग्रहण सूर्य ग्रहण 20 अप्रैल को लग रहा है। हालांकि सूर्य ग्रहण भारत के कुछ ही हिस्सों में दिखेगा। आइए जानते हैं कि सूर्य ग्रहण का आपकी राशि पर कैसा प्रभाव होने वाला है।

ज्योतिषीय और खगोलीय में सूर्य ग्रहण और चंद्रग्रहण का विशेष महत्व होता है। ग्रहण शब्द से नकारात्मकता का एहसास होता है। सूर्य ग्रहण का नाम आते ही हमारे दिमाग में भविष्य को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं जन्म लेने लगती हैं। बता दें कि साल का पहला सूर्य ग्रहण 20 अप्रैल 2023 को लगेगा। हालांकि यह सूर्य ग्रहण खग्रास होगा। इस सूर्य ग्रहण को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तो भारत के कुछ ही हिस्सों में देखा जा सकेगा। यह देश में पूर्णतया दृष्ट नहीं होगा। ऐसे में सूर्य ग्रहण का आपके भविष्य पर क्या असर पड़ने वाला है, यह हम आपको इस आर्टिकल में बताने जा रहे हैं।

सूर्य ग्रहण का समय

20 अप्रैल को सूर्य ग्रहण सुबह 07ः05 मिनट पर शूरू होगा। वहीं सुबह 08ः07 मिनट पर ग्रहण का खग्रास लगेगा। सुबह 09ः45 कर सूर्य ग्रहण का मध्यकाल होगा और इसकी समाप्ति दोपहर 12ः24 मिनट पर होगा। अप्रैल में लग रहे खग्रास सूर्य ग्रहण की कुल अवधि 5 घंटे 22 मिनट होगी।

सूतक काल

20 अप्रैल 2023 को लग रहे सूर्य ग्रहण को दक्षिण एशिया, प्रशांत महासागर, अंटार्कटिका, हिंद महासागर और आस्ट्रेलिया समेत दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दिखेगा। हालांकि भारत में यह पूर्ण रूप से दिखाई नहीं देगा। इसलिए इसका सूतम नहीं माना जाएगा। बता दें कि जिस क्षेत्र में ग्रहण दिखाई देता है, वहां पर सूतक माना जाता है।

मेष राशि में सूर्य का गोचर

20 अप्रैल को सूर्य ग्रहण के दौरान सूर्य अपनी उच्चतम राशि में भ्रमण करेंगे। वहीं ग्रहण खत्म होने के बाद 22 अप्रैल को देव गुरु बृहस्पति मेष राशि में प्रवेश करेंगे। बता दें कि मेष राशि में गुरु ग्रह के प्रवेश से इसका देश-दुनिया पर गहरा असर देखने को मिलेगा। इस दौरान कई प्रकार के परिवर्तन दिखाई देंगे। सूर्य ग्रहण के कारण देश-दुनिया को कई आपदाओं का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही भारत के उत्तरी क्षेत्रों में ग्रहण के बाद कहीं बड़ा भूकंप आ सकता है। खासतौर पर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के प्रभावित होने की संभावना बन रही है।

मेष राशि

मेष राशि वाले लोगों के लिए सूर्य ग्रहण बेहद परेशानियों भरा समय लेकर आएगा। क्योंकि पहली राशि यानी की मेष में ही सूर्य ग्रहण हो रहा है। इसके कारण इन राशि वाले जातकों को आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और कार्यक्षेत्र में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के बारहवें भाव में सूर्य ग्रहण होगा। इस दौरान खर्च बढ़ने की संभावना है और विरोधी भी बढ़ सकते हैं। इस राशि के जातकों को स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है और वाहन चलाते संय सावधानी जरूर बरतें।

कर्क राशि

कर्क राशि के दशम भाव में सूर्य ग्रहण होगा। इसके कारण कर्क राशि के जातकों को माता, प्रॉपर्टी और शेयर मार्केट आदि के क्षेत्र से परेशान करने वाली खबरें मिल सकती हैं।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों के मान-सम्मान में कमी आएगी। साथ ही कामकाज को लेकर तनाव बढ़ सकता है। इस समय संतान का ध्यान रखना आवश्यक है।

सिंह राशि

सिंह राशि का स्वामी सूर्य होता है। इस सूर्य ग्रहण के चलते सिंह राशि के लोगों के कार्यक्षेत्र, शिक्षा और वाहन संबंधी परेशानी सामने आएंगी। सिंह राशि के जातकों को इस दौरान निर्णयों को लेकर खास सावधानी बरतने की जरूरत है।

कन्या राशि

कन्या राशि के अष्टम भाव में सूर्य ग्रहण होगा। इस कारण आपके स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। सेहत का ध्यान रखें और सोच-समझ कर यात्रा करें। इस दौरान धन को निवेश करने की योजना को कुछ समय के लिए टाल दें।

तुला राशि

सूर्य ग्रहण तुला राशि के सप्तम भाव में रहेगा। इस राशि के जातकों को आय संबंधी परेशानी होगी। राजनीतिक संबंधों में भी तनाव की संभावनाएं हैं और संतान पक्ष को लेकर किसी तरह की परेशानी बढ़ सकती है।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के छठे भाव में सूर्य ग्रहण होगा। इस राशि के जातकों पर भी नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। इस अवधि में आपके विरोधी आपको परेशान कर सकते हैं। मन अशांत होने के साथ ही सेहत का भी ध्यान रखने की जरूरत है। धन को सोच-समझ कर खर्च करें।

धनु राशि

धनु राशि के पंचम भाव में सूर्य ग्रहण होगा। इस भाव में ग्रहण संतान को लेकर आपकी परेशानी बढ़ाएगा और शासकीय-अशासकीय कार्यों में परेशानियां आएंगी। इस दौरान उच्च अधिकारी परेशान कर सकते हैं।

मकर राशि

मकर राशि में सूर्य ग्रहण चौथे भाव में हो रहा है। हादसों में वृद्धि होने के साथ ही इस राशि के जातकों के सुख में कमी आने की संभावना है। इस अवधि में माता को लेकर कष्ट, शेयर मार्केट और प्रॉपर्टी में सोच-समझकर निवेश करना उचित होगा।

कुंभ राशि

कुंभ राशि में सूर्य ग्रहण आपके पराक्रम भाव में है। जिसके कारण मित्रों और परिजनों से कष्ट मिल सकता है। साथ ही आपके यश में कमी देखने को मिलेगी।

मीन राशि

साल का पहला सूर्य ग्रहण मीन राशि के द्वितीय भाव में लग रहा है। घर-परिवार को लेकर कष्ट और चिंताएं बनी रहेंगी। मान-सम्मान में कमी आने के साथ ही धन संबंधी भी चिंता आपको परेशान कर सकती है।

[भविष्यफल]

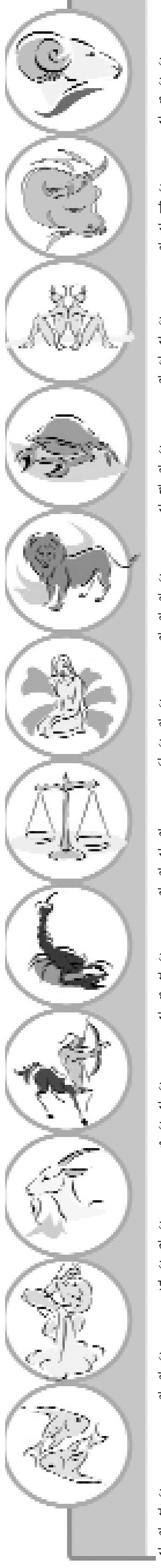

मेष

आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन पिछले कुछ दिनों से बेहतर रहेगा। आराम करने के लिए प्रयाप्त समय मिलेगा। रुके हुए कार्य पूर्ण होने से भी धन लाभ होगा। सामाजिक गतिविधियों में पूरा समय दे सकेंगे। संध्या का समय मनोरंजन वाला रहेगा। उत्तम भोजन के साथ गृहस्थ का सुख मिलेगा।

वृष

आज का दिन मिश्रित फल देगा पूर्वार्ध में सेहत थोड़ी नरम रह सकती है जिसके कारण आलस्य भी रहेगा। काम बेमन से करने पड़ेंगे व्यवहार में भी रुखापन रहने से संबंधो में खटास रहेगी। धीरे धीरे स्थिति में सुधार होगा कार्य स्थल पर महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से व्यस्तता बढ़ेगी।

मिथुन

आज भी दिन का अधिकांश समय शांति से व्यतीत होगा। थोड़ी आर्थिक परेशानियां रह सकती है परंतु मानसिक रूप से दृढ़ रहेंगे। जिस भी कार्य को करने की ठानेंगे उसे हानि-लाभ की परवाह किये बिना पूर्ण करके छोड़ेंगे। कार्य क्षेत्र पर अन्य व्यक्ति अथवा भगीदारो की दखलंदाजी से थोड़ी परेशानी एवं बहस हो सकती है।

कर्क

आज दिन के आरम्भ में बनते कार्यो में रुकावट आने से अधिक भाग-दौड़ करनी पड़ेगी। मध्यान तक थोड़े बहुत कार्य सफल होने से धन की आमद होगी परन्तु खर्च भी अधिक रहने से बचत नहीं कर पाएंगे। दोपहर के बाद से घर एवं बाहर सहयोगी वातावरण बनने से कार्यो में सरलता रहेगी।

सिंह

आज के दिन आप व्यापारिक गतिविधियों की व्यस्तता के चलते परिवार के लिए ज्यादा समय नहीं निकाल पाएंगे। वाणी एवं व्यवहार के बल पर कार्यो में थोड़े परिश्रम से अधिक सफलता मिल सकेगी। मनोबल भी आज बढ़ा हुआ रहेगा। परंतु आज आपको कोई ना कोई कमी भी अनुभव होगी।

कन्या

आज आप अधिक लापरवाह रहने के कारण हानि उठा सकते है। प्रातः काल से ही यात्रा पर्यटन की योजना बनेगी परन्तु इसमें व्यवधान भी आएंगे। कार्य क्षेत्र पर अल्प लाभ से संतोष करना पड़ेगा। नौकरों के ऊपर ज्यादा विश्वास हानि का कारण बन सकता है।

तुला

व्यवसाय के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयास आज फलीभूत होने से आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को भी रोजगार मिलने की सम्भावना अधिक है। आपसे वाद-विवाद में कोई नहीं जीत पायेगा। बड़बोलेपन के कारण महिलाओं से मतभेद हो सकते है।

वृश्चिक

आज का दिन आपको सुख शांति प्रदान करेगा। कुछ दिनों से चल रही मानसिक खींच तान कम होने से राहत अनुभव होगी। कार्य क्षेत्र पर केवल धन लाभ पाने के उद्देश्य से कार्य ना करे व्यवहार में कुशलता एवं मिठास रखने से अप्राप्त लक्ष्मी भी प्राप्त कर सकते है।

धनु

आज के दिन आप कार्य क्षेत्र से कुछ समय निकालकर मित्र परिवार के साथ मनोरंजन में व्यतीत करेंगे परन्तु आज गलतफहमियों से दूर रहना अति आवश्यक है व्यर्थ के टकराव होने की संभावना है। परोपकार का शुभ फल भी मिलने से प्रसन्नता भी रहेगी।

मकर

आज के दिन आप भावनाओ में बहकर अनुचित कदम उठा सकते है। लोगो के बहकावे में ना आये अन्यथा मान हानि कोर्ट-कचहरी की नौबत आ सकती है। प्रेम प्रसंगों से आज दूरी बनाना ही बेहतर रहेगा। आलसी प्रवृति का लाभ प्रतिस्पर्धी उठा सकते है सावधान रहें।

कुंभ

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। सेहत लगभग सामान्य रहेगी। व्यवसाय के ऊपर अधिक ध्यान देने के बाद भी कार्य विलम्ब से पूर्ण होंगे लाभ के कई अवसर मिलेंगे परन्तु धनागम के लिए थोड़ी प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।

मीन

आज के दिन ग्रह स्थिति में थोड़ा बदलाव आने से आपको घरेलु मामलो में सफलता मिलेगी। परन्तु आज कार्य क्षेत्र पर अन्य व्यक्ति आपकी कमजोरी का फायदा उठा सकता है। आज किसी के आगे समर्पण कर सकते है इसका फल शुभ ही रहेगा।

इस दिशा में लगाएं गुलाब का पौधा, मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

वास्तु शास्त्र में गुलाब के फूल को लेकर कुछ आसान टिप्स बताए गए हैं। इन उपायों को अपनाने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति और लव लाइफ में सुधार होता है। गुलाब के इन उपायों को करने से पारिवारिक समस्याओं से भी राहत मिलती है।

गुलाब के पौधे को वास्तु शास्त्र में बहुत ही महत्वपूर्ण बताया गया है। वास्तु में भी गुलाब के प्यार का प्रतीक माना गया है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में गुलाब का संदर्भ मां लक्ष्मी से बताया गया है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर में गुलाब का पौधा लगाने से सुंदरता बढ़ने के साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके अलावा अगर आपकी लव लाइफ में कुछ समस्याएं आ रही हैं तो आप गुलाब से जुड़े कुछ उपाय कर इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुलाब से जुड़े कुछ आसान वास्तु टिप्स बताने जा रहे हैं। यह टिप्स आपकी जिंदगी में फिर से प्यार भर देंगे।

किस दिशा में लगाएं गुलाब का पौधा

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, घर में गुलाब का पौधा लगाने के दौरान आप इसे दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाएं। लाल फूल लगाने के लिए दक्षिण-पश्चिम दिशा सबसे अच्छी मानी जाती है। इस दिशा में गुलाब का पौधा लगाने से घर के मालिक की समाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होती है।

पारिवारिक समस्या के लिए करें ये उपाय

ज्योतिष और धार्मिक मत के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की फैमिली में कोई समस्या चल रही है तो मां लक्ष्मी को हर शुक्रवार को लाल गुलाब अर्पित करना चाहिए। मां लक्ष्मी को लाल गुलाब अर्पित किए जाने से घर में सकारात्मकता का वास होता है। इसके साथ ही मां लक्ष्मी का आशीर्वाद बना रहता है। मां लक्ष्मी की कूपा से धन संबंधी परेशानियां खत्म हो जाएंगी।

लाइफ के लिए गुलाब के उपाय

जिन लोगों की लव लाइफ में समस्या चल रही हो तो वह अपने बेडरूम में एक कांच के बर्तन में पानी भर कर रखें। इस पानी में गुलाब की कुछ पत्तियां भर कर दें। इस पानी और गुलाब की पत्तियों को रोज बदलते रहें।

आर्थिक समस्या के लिए करें उपाय

आर्थिक तंगी से बचने के लिए भी गुलाब का फूल काफी कारगर है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक शाम को आरती के दौरान मां लक्ष्मी के चरणों में गुलाब का फूल अर्पित करना चाहिए। प्रतिदिन ऐसा करने से आपको धीरे-धीरे आर्थिक समस्योओं से राहत मिल जाएगी। इसके अलावा शुक्रवार के दिन मां दुर्गा को पांच गुलाब की पंखुड़ी को पान के पत्ते में रखकर अर्पित करना चाहिए। यह उपाय करने से आपको जल्द ही पैसों की समस्या से राहत मिलेगी।

शुक्रवार को करें मां संतोषी की आरती तो घर में आएगी सुख-समृद्धि

शुक्रवार का व्रत मां संतोषी को समर्पित होता है। शुक्रवार को मां संतोषी का व्रत रखने से जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है। इस व्रत को करने के लिए खास नियमों का पालन करना चाहिए। मां संतोषी की आरती करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं।

शुक्रवार का व्रत मां लक्ष्मी, मां दुर्गा और संतोषी माता को समर्पित होता है। विधि-विधान और भक्ति-भाव मां संतोषी का व्रत करने से घर में धन-धान?य और खुशियों की बरसात होती है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, मां संतोषी भगवान श्रीगणेश की पुत्री हैं। कहा जाता है कि मां संतोषी की पूजा-अर्चना से जीवन में संतोष का प्रवाह होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए मां संतोषी के व्रत का विधान, नियम और आरती के बारे में बताने जा रहे हैं। इस व्रत को कर आप भी मां संतोषी का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे मां संतोषी का व्रत और पूजन किया जाता है।

शुक्रवार का व्रत

अगर आप भी मां संतोषी का व्रत कर सुख, शांति और वैभव की प्राप्ति करना चाहते हैं तो शुक्ल पक्ष के प्रथम शुक्रवार से आप इस व्रत की शुरूआत कर सकते हैं। बता दें कि पितृ पक्ष में किसी भी व्रत की शुरूआत नहीं करनी चाहिए।

पूजन विधि

शुक्रवार को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान आदि कर लाल वस्त्र धारण करें।

पूजा स्थान में मां संतोषी की फोटो और कलश स्थापित कर पूजा करनी चाहिए।

पूजा में गुड़, चना, कमल का फूल, फल, दूर्वा, अक्षत, नारियल फल माता को अर्पित कर मां को लाल चुनरी चढ़ाएं।

पूजा और आरती किए जाने के बाद घर में मौजूद अन्य परिजनों को प्रसाद भेंट करें। फिर शाम को आरती करने के बाद ही व्रत का पारण कर भोजन करें।

इस दिन गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन कराने के साथ ही उन्हें दक्षिणा देनी चाहिए।

मां संतोषी की आरती

मां संतोषी की आरती करने से भी व्रत जिनता पुण्य मिलता है। परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर पूरी भक्तिभाव से मां संतोषी की आरती की जानी चाहिए।

जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता।
अपने सेवक जन को, सुख संपत्ति दाता।।
जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता..
सुंदर, चीर सुनहरी, मां धारण कीन्हो।
हीरा पन्ना दमके, तन श्रृंगार लीन्हो।।
जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता..
गेरू लाल छटा छवि, बदन कमल सोहे।
मंद हंसत करूणामयी, त्रिभुवन जन मोहे।।
जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता ..
स्वर्ण सिंहासन बैठी, चंवर ढुरे प्यारे।
धूप, दीप, मधुमेवा, भोग धरें न्यारे।।
जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता..
गुड़ अरु चना परमप्रिय, तामे संतोष कियो।
संतोषी कहलाई, भक्तन वैभव दियो।।
जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता..
जय शुक्रवार प्रिय मानत, आज दिवस सोही।
भक्त मण्डली छाई, कथा सुनत मोही।
जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता..
मंदिर जगमग ज्योति, मंगल ध्वनि छाई।
विनय करें हम बालक, चरनन सिर नाई।
जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता..
भक्ति भावमय पूजा, अंगीकृत कीजै।
जो मन बसे हमारे, इच्छा फल दीजै।
जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता..
दुखी, दरिद्री ,रोगी , संकटमुक्त किए।
बहु धनधान्य भरे घर, सुख सौभाग्य दिए।
जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता..
ध्यान धर्यो जिस जन ने, मनवांछित फल पायो।
पूजा कथा श्रवण कर, घर आनंद आयो।
जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता..
शरण गहे की लज्जा, राखियो जगदंबे।
संकट तू ही निवारे, दयामयी अंबे।
जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता..
संतोषी मां की आरती, जो कोई नर गावे।
ऋद्धिसिद्धि सुख संपत्ति, जी भरकर पावे।
जय संतोषी माता, मैया जय संतोषी माता..

व्रत के नियम

मां संतोषी के विधि-विधान से व्रत करने के बाद मां संतोषी का सही तरीके से उद्यापन करना जरूरी है। उद्यापन न करने से व्रत का पूरा फल नहीं मिलता है।

संतोषी मां के व्रत में इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए कि व्रत के दौरान कभी भी खट्टी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही शुक्रवार के दिन खट्टी चीजों को घर भी न लेकर आएं।

संक्षिप्त समाचार

छन्नी साहू पर हमले को लेकर रंजना साहू ने भूपेश बघेल से मांगा इस्तीफा

रायपुर। खुज्जी विधायक छन्नी साहू पर चाकू से जानलेवा हमले के बाद छत्तीसगढ़ की सियासत गरमा गई है। विपक्ष छत्तीसगढ़ में महिला सुरक्षा को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगा रही है। भाजपा प्रवक्ता और धमतरी विधायक रंजन साहू ने महिला विधायक पर हुए हमले को लेकर सरकार पर हमला बोला है। विधायक रंजना साहू ने ने कहा कि भूपेश राज में महिला विधायक सुरक्षित नहीं है, तो आम महिलाओं का क्या होगा? पूरे प्रदेश में भय और दहशत का वातावरण है। महिला सुरक्षा और शराबबंदी सरकार के प्राथमिक वादे थे। लेकिन आज अपराधी शराब पीकर महिला विधायक पर चाकू से हमला कर रहे हैं। रंजना साहू ने भूपेश बघेल से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा की मांग की।

2 सितंबर को राहुल गांधी का छत्तीसगढ़ दौरा, रायपुर में युवाओं से करेंगे बात

बिलासपुर। राहुल गांधी एक बार फिर छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं। राहुल गांधी 2 सितंबर को रायपुर में युवा सम्मेलन में शामिल होंगे। इस सम्मेलन में प्रदेश भर के राजीव युवा मितान क्लब के लाखों सदस्य मौजूद रहेंगे। बिलासपुर में सीएम भूपेश बघेल ने राहुल गांधी के छत्तीसगढ़ दौरे की जानकारी दी। इससे पहले छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा ने भी राहुल गांधी के छत्तीसगढ़ दौरे के बारे में संकेत दिए थे। बता दें कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस सितंबर के पहले हफ्ते में विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा कर सकते हैं। जिससे राहुल गांधी का छत्तीसगढ़ दौरा काफी अहम माना जा रहा है।

मिशन चंद्रयान पर प्रो एसके पाण्डेय का व्याख्यान आज

रायपुर। शासकीय दानी गर्ल्स हायर सेकंडरी स्कूल में मंगलवार को दोपहर 3 बजे से पं. रविशंकर यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति, एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के पूर्व

अध्यक्ष, प्रसिद्ध खगोलभौतिकविद प्रो एस के पाण्डेय द्वारा चंद्रयान मिशन एक, दो तथा तीन के बारे में पीपीटी प्रर्दशन के साथ व्याख्यान दिया जायेगा। इस अवसर पर प्रो एस के पाण्डेय द्वारा इसरो के चंद्रयान मिशन, इसके समकक्ष दूसरे देशों के चन्द्र अभियानों और अंतरिक्ष से जुड़े सवालों के जवाब दिए जायेंगे। छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा रायपुर इकाई के विश्वास मेश्राम ने बताया कि इस पॉपुलर साइंस लेक्चर के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के डीजी एस एस बजाज होंगे। उनके द्वारा इसरो की सहायता से छत्तीसगढ़ में स्पेस टेक्नोलॉजी के उपयोग हेतु किए जा रहे कामों को बताया जायेगा और विद्यार्थियो और आम लोगों के बीच छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित विभिन्न लोकप्रिय विज्ञान कार्यक्रमों की जानकारी दी जायेगी।

शिक्षाविद् व लेखक समाज में ला सकते हैं क्रांति : राज्यपाल हरिचंदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन गत दिवस एमबीसी टीवी द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित शिक्षा सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होते हुए कहा कि शिक्षा समाज और देश को समृद्ध और प्रगतिशील बनाती है। जब शिक्षा मजबूत होती है तो समाज विकास की दिशा में आगे बढ़ता है और मजबूत होता है। हर व्यक्ति को अपनी शिक्षा के लिए, अपने समाज के लिए, अपने अधिकारों के लिए लडना चाहिए। यह सीख अपनी माटी और मां के लिए लडने की प्रेरणा देती है। इस क्षेत्र में शिक्षाविदों एवं लेखकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जब वे समाज में गिरावट या मानव अधिकारों का उल्लंघन देखते थे, तो वे अपने लेखन के माध्यम से क्रांति पैदा कर सकते थे। शिक्षा केवल वह नहीं है जो हमें पाठ्यपुस्तकों से मिलती है बल्कि हम अपने अनुभवों से, जीवन से, समाज से, खुद से, दूसरों से आदि से सीखते हैं। महात्मा गांधी ने शिक्षा की तुलना जीवन से की और कहा, जीवन में ऐसा कुछ भी नहीं है, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, जो शिक्षा की चिंता को व्यक्त नहीं कर सकता। शिक्षा जन्म से शुरू होती है और जीवन भर चलती रहती है। शिक्षा प्राप्त करने के लिए मनुष्य दूसरों पर निर्भर रहता है। यह प्रकृति, इतिहास, ऋषि-मुनि, संत, पर्यावरणीय परिस्थितियाँ हो सकती हैं। जिस देश की शिक्षा व्यवस्था जितनी मजबूत होती है, वह देश उतना ही मजबूत और विकसित होता है।2020 में भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नई शिक्षा नीति 2020 पेश की, जो एक क्रांतिकारी कदम है। यह शिक्षा नीति देश को समृद्ध और मजबूत बनाने में मदद करेगी। नया पाठ्यक्रम भाषा, संस्कृति, देशभक्ति, ज्ञान विकास, पूछताछ और मूल्यों पर जोर देता है। राज्यपाल ने कहा कि यह शिक्षा नीति मनुष्य के सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, बहुभाषी, मानसिक, चारित्रिक आदि गुणों में सुधार करेगी। कोरोना के दौरान भारत ने दुनिया भर में कोरोना की महामारी से लडने में अग्रणी भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भारतीय वैज्ञानिकों के शोध से बनी कोविड वैक्सीन देश के 140 करोड़ लोगों के जीवन की रक्षा करने में सफल रही।

छत्तीसगढ़ में हम असहमति का भी सम्मान करते हैं, सबसे मशविरा कर नीतियां तैयार करते हैं : मुख्यमंत्री बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लोगों की विशेषता है कि हम असहमति का भी सम्मान करते हैं। लोगों से मशविरा करते हैं और इसके बाद नीतियां तैयार करते हैं। जो अच्छी कार्यप्रणालियां हैं उन्हें यथावत रखते हैं, जिनमें कुछ त्रुटि है और सुधार की गुंजाइश है उन्हें ठीक करते हैं। हमारे भीतर यह सादगी इसलिए आई क्योंकि यह भूमि भगवान राम की ननिहाल है। यहां कबीर, गुरुघासीदास तथा विवेकानंद जैसे साधकों का असर है। यह बात मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने एनडीटीवी के मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ रीजनल चैनल के शुभारंभ के अवसर पर अपने संबोधन में कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक सांस्कृतिक ईकाई है। यद्यपि राज्य का निर्माण वर्ष 2000 में हुआ लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य को लेकर जो लोगों के सपने थे, वे पूरे नहीं हो पाए। छत्तीसगढ़ी संस्कृति को एक नये राज्य में फलने-फूलने का जैसा अवसर मिलना चाहिए था, वैसा नहीं मिल पाया। हम लोगों ने यह काम किया है। अपनी धरोहर को सहेजने का काम हमने शुरू किया है। भगवान राम हमारे भांजे हैं उनसे जुड़े हुए राम वन पथ गमन परिसर के विकास का कार्य हमने आरंभ किया। कौशल्या माता मंदिर के विस्तार का काम हमने आरंभ किया। अपनी सांस्कृतिक और अस्मिता को सहेजने का काम हमने किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ की जरूरतों के मुताबिक और यहां के परिवेश को समझते हुए नीतियां बनाई। मसलन जब स्वास्थ्य सेवा लोगों तक पहुंचाने की बात आई तो हमने हाट बाजारों को चुना। हाट बाजार लोगों की गतिविधियों के मुख्य केंद्र में होते हैं। यहां मोबाइल मेडिकल वैन भेजने से लाखों लोगों को लाभ हुआ। इंग्लिश मीडियम में शिक्षा समय की सबसे बड़ी माँग थी। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना के अंतर्गत हमने ऐसे स्कूल आरंभ किये। इसके साथ ही इंग्लिश मीडियम कालेज आरंभ किये गये और भविष्य में भी जरूरत के मुताबिक इंग्लिश मीडियम कालेज आरंभ किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में छत्तीसगढ़ में 40 लाख लोग गरीबी के दायरे से बाहर आये हैं। ऐसा इसलिए संभव हो पाया क्योंकि हमारी न्याय योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचा, इससे हर वर्ग के लोग लाभान्वित हुए और पूरी अर्थव्यवस्था को इससे संजीवनी मिली। हमारी योजनाओं से प्रदेश के हर वर्ग में खुशहाली आई है।

सीएम की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान निकला सांप

बिलासपुर। सोमवार को छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक सांप दिखाई दिया। इसके बाद भूपेश बघेल से इसके बारे में पूछा गया। बघेल ने कहा कि पिरपिटी है, चिंता मत करो और इसे चोट मत पहुँचाओ। सीएम जब मीडिया से बात कर रहे थे तो उन्हें सांप दिखाई दिया। सांप के निकलने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। घबराकर वहां मौजूद कुछ लोगों ने इसे मारने की कोशिश की. हालाँकि, बघेल ने हस्तक्षेप किया और उसको न मारने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सांप को मत मारो, यह पिरपिटि है - जिसे बफ स्ट्राइप्ड कीलबैक के नाम से जाना जाता है, जो सांपों की एक गैर विषैली प्रजाति है।

सांप निकलने के बाद जिस घटना पर तमाम मीडियाकर्मी और सीएम ने त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि वे एक प्लास्टिक बैग लेकर आएं ताकि इसे किसी सुनसान जगह पर छोड़ा जा सके। संयोग से, नाग पंचमी - सांपों की पूजा का त्योहार - सोमवार को पूरे देश में मनाया जा रहा है। नेटिज़न्स इस घटना पर मजेदार प्रतिक्रिया दे रहे हैं और घटना पर अपनी टिप्पणियाँ साझा कर रहे हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि सांप नाग पंचमी की बधाई देने आया होगा। एक अन्य उपयोगकर्ता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का एक GIF साझा किया और कैप्शन दिया, मुझसे भी लोग डरते हैं।

लोग छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल के पशु प्रेम की भी तारीफ कर रहे हैं। और लोगों को सरीसृप को मारने की अनुमति नहीं देने के लिए मुख्यमंत्री की भी सराहना की, जो हानिरहित था। यह घटना कैमरे में कैद हो गई. जब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मीडिया से बातचीत कर रहे थे तो सांप कहीं से प्रकट हो गया। भूपेश बघेल ने यह भी बताया, राहुल गांधी 2 सितंबर को रायपुर आ रहे हैं...राजीव युवा मितान क्लब के सदस्य मौजूद रहेंगे...यह युवाओं का जमावड़ा होगा।

यह हमला महिला विधायक पर ही नहीं, प्रदेश की सवा करोड़ बहन-बेटियों पर है : साव

रायपुर। सोमवार को खुज्जी की विधायक छन्नी साहू से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने फोन पर बातचीत की। श्री साव ने विधायक साहू से उनके साथ हुई चाकूबाजी की घटना के संबंध में जानकारी ली। साथ ही उन्हें सुरक्षित रहने और समाज कार्य में इसी ऊर्जा और शक्ति के साथ डटे रहने के लिए कहा। श्री साव ने कहा कि आप छत्तीसगढ़ की बेटी हो, छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा में मैं आपके साथ हूं। इस हमले से उनका समाजसेवा में उनका हौसला कम न हो, इसलिए उनको संबल दिया। इससे उन्हें ताकत मिलेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने खुज्जी की कांग्रेस विधायक छन्नी साहू पर चाकू से हुए हमले की घटना को प्रदेश की कानून-व्यवस्था का आईना बताते हुए कहा है कि यह हमला महिला विधायक पर ही नहीं, अपितु छत्तीसगढ़ की सवा करोड़ बहन-बेटियों पर हमला है। श्री साव ने कहा कि जो प्रदेश सरकार अपनी ही पार्टी की महिला विधायक की रक्षा न कर सके, उस पर जनता क्या भरोसा करे और क्यों भरोसा करे? ऐसी सरकार को एक मिनट भी सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। महिला विधायक पर हमले की यह घटना दुःखद और शर्मनाक तो है ही, साथ ही छत्तीसगढ़ के सच को भी प्रदर्शित करती है। विधायक श्रीमती साहू पर हुआ हमला यह बताता है, अब तक तो जनता ही असुरक्षित थी, पर अब प्रदेश में जनप्रतिनिधि भी सुरक्षित नहीं रहे। हम विधायक श्रीमती साहू के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं।

छत्तीसगढ़ के लोगों की गाढ़ी कमाई भ्रष्टाचार कर सोनिया गांधी के पास पहुंचा रही भूपेश सरकार : विजय बघेल

मुंगेली। छत्तीसगढ़ भाजपा घोषणापत्र समिति के संयोजक विजय बघेल रविवार को मुंगेली दौरे पर रहे। मीडिया से बातचीत में विजय बघेल सोनिया गांधी के भूपेश बघेल की तारीफ करने पर तंज किया। भूपेश बघेल सरकार को भ्रष्टाचारी और जनता की गाढ़ी कमाई लूटने वाला बताया। साथ ही इस भ्रष्टाचार की कमाई सोनिया गांधी से लेकर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी तक पहुंचाने का आरोप मढ़ा। हालांकि उनके बयान पर कांग्रेस ने भी पलटवार किया है। कांग्रेस ने विजय बघेल के आरोपों को झूठ का पुलिंदा बताया। वहीं छत्तीसगढ़ के किसानों मजदूरों की गाढ़ी कमाई का पैसा उनकी जेब में जाने का दावा किया।

दुर्ग सांसद विजय बघेल को भाजपा ने पाटन विधानसभा सीट से उम्मीदवार घोषित किया है। पाटन सीएम बघेल की परंपरागत विधानसभा सीट रही है। यदि सीएम इस बार यहां से चुनाव लड़ते हैं तो उनका मुकाबला भाजपा के विजय बघेल से होगा, जो उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। पाटन में सांड और बछड़े की लड़ाई वाले बयान पर विजय बघेल ने कहा कि, मैं अपने आपको बछड़ा ही मानता हूं। जैसे बछड़े को सभी प्यार करते हैं, वैसे ही मेरे क्षेत्र की जनता मुझे एक मां के समान प्यार करती है। जिसने भी पाटन चुनाव को सांड और बछड़े की संज्ञा दिया है बिल्कुल सही कहा है। मुख्यमंत्री मरकंडा सांड हैं, जिनके पास लोग जाने से डरते हैं कि कहीं वो मार न दे। छत्तीसगढ़ में राजीव गांधी के नाम से योजनाएं चलाने को लेकर सोनिया गांधी ने भूपेश बघेल सरकार की तारीफ की है। इस पर भी विजय बघेल ने तंज किया है। लोगों की गाढ़ी कमाई भ्रष्टाचार करके सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी तक पहुंचाने का भी आरोप भूपेश बघेल सरकार पर लगाया। विजय बघेल ने कहा ये एक अकेला प्रदेश है, जो पूरे राष्ट्रीय कांग्रेस को संभाले हुए है। छत्तीसगढ़ के लोगों के खून पसीने के गाढ़ी कमाई को भ्रष्टाचार करके सोनिया गांधी के पास पहुंचाना, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के पास पहुंचाना उत्तर प्रदेश चुनाव के समय से शुरू हुआ। उत्तर प्रदेश में चुनाव हुआ, हिमाचल में चुनाव हुआ और कर्नाटक में चुनाव हुआ। सारी व्यवस्था ये कर रहे हैं। वो किसी भी तरह से व्यवस्था करें, लोगों का खून चूसकर पैसे लाएं, उससे सोनिया गांधी को क्या मतलब। वो तो बड़ाई करेंगी ही।

दुर्ग सांसद विजय बघेल के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने भी जोरदार पलटवार किया है। आरोपों को झूठ का पुलिंदा करार देते हुए भाजपा नेताओं को झूठ न बोलने की नसीहत भी दे डाली। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सागर सिंह ने कहा भाजपा के एटीएम अंबानी और अडानी है। यहां के आम लोगों की गाढ़ी कमाई का पैसा किसानों और आम मजदूरों की जेब में जा रहा है, जिसको पूरी दुनिया देख रही है। विजय बघेल का आरोप सिर्फ झूठ का पुलिंदा है।

कटघोरा की सामान्य सीट पर आदिवासी वोटर चुनता है विधायक

कोरबा। कोरबा जिले की कटघोरा विधानसभा सामान्य सीट है। लेकिन यहां आदिवासी उम्मीदवारों का दबदबा रहा है। कांग्रेस यहां से आदिवासी प्रत्याशी कंवर समाज से बोधराम कंवर को ही टिकट देती रही। लेकिन साल 2018 में कांग्रेस ने कंवर के बेटे पुरूषोत्तम को टिकट दिया जो यहां से चुनाव जीते। सामान्य सीट होने के बावजूद कांग्रेस यहां से हमेशा आदिवासी उम्मीदवार को ही उतारती है। इससे पहले साल 2013 में 7 बार के विधायक कांग्रेस के बोधराम कंवर को भाजपा के लखनलाल देवांगन ने हराकर इस सीट पर कब्जा किया था।

कटघोरा विधानसभा में कुल 205961 मतदाता है। महिला वोटर 101146 है। पुरुष वोटर 104805 है। 10 ट्रांसजेंडर है। पुरुष मतदाताओं की संख्या महिला मतदाताओं से ज्यादा है।

कटघोरा विधानसभा में मुद्दे और समस्याएं

कटघोरा सीट का ज्यादातर इलाका ग्रामीण क्षेत्रों से घिरा है। लगभग 60 प्रतिशत क्षेत्र कोयला खदान प्रभावित है। एसईसीएल ने कोयला खदान और बिजली संयंत्रों के लिए लगभग 25 हजार किसानों की भूमि अधिग्रहित की है। केंद्र सरकार हो या फिर छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति के तहत प्रभावित किसानों को कुछ खास राहत नहीं मिली। उचित मुआवजा नौकरी और पुनर्वास के लिए प्रभावित विस्थापित किसान आज भी संघर्ष कर रहे हैं। विस्थापितों के दर्द के अलावा कटघोरा को जिला बनाए जाने की घोषणा भी अब सत्ता और विपक्ष दोनों के लिए गले की हड्डी बनी हुई है। कांग्रेस ने सत्ता में आने के पहले कटघोरा को जिला बनाने का वादा किया था। इससे पहले भाजपा ने भी सत्ता में रहते हुए जिला बनाने की बात कही थी, लेकिन जिला बन नहीं पाया। प्रदूषण और पेयजल का संकट भी कटघोरा में बड़ा मुद्दा है। भूमिगत खदान क्षेत्र होने की वजह से जल स्त्रोत का रिसाव खदान की ओर है। आसपास खेत तो सूखते हैं, पूरे क्षेत्र में पेयजल का संकट भी बना रहता है। बरसात के मौसम को छोड़कर शेष समय में कई गांव पेयजल की समस्या से जूझते हैं।

2018 के विधानसभा चुनाव में ऐसा रहा मुकाबला

इस विधानसभा में साल 2018 में हुए चुनाव में कांग्रेस के पुरुषोत्तम कंवर ने भाजपा के लखन देवांगन को हराया था। पुरुषोत्तम कंवर को 59227 वोट मिले थे। वोट प्रतिशत 38।42 था। भाजपा के लखन देवांगन को 47716 वोट मिले थे। वोट प्रतिशत 30।95 था। तीसरे नंबर पर जेसीसीजे थी। जेसीसीजे के गोविंद सिंह कंवर को 30509 वोट मिले थे। वोट प्रतिशत 20।00 था। पुरुषोत्तम कंवर की जीत का अंतर 11511 वोट थे। 77।99 प्रतिशत कुल मतदान हुआ था।

सामान्य सीट में आदिवासी वोटर चुनता है कैंडिडेट

कटघोरा सामान्य सीट है। यहां 70 प्रतिशत सामान्य और ओबीसी वोटर्स है। जबकि आदिवासी वोटर्स की संख्या 30 प्रतिशत के करीब है। यहीं 30 प्रतिशत वोटर्स कैंडिडेट की जीत हार तय करते हैं।

कांवर यात्रा में सीएम भूपेश, विधायक विकास और भाजपा नेता रविंद्र सिंह हुए शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पहली बार विशाल कांवर यात्रा निकाली गई। सावन सोमवार को दो कांवर यात्रा निकाली गई। एक तरफ विधायक विकास उपाध्याय ने मारूति मंगलम भवन गुढियारी से दिव्य कांवर यात्रा निकाली, जो महादेव घाट पहुंचकर खत्म हुई।

इसमें सीएम भूपेश बघेल कांवर लेकर निकले। बड़ी संख्या में श्रद्दालु कांवर लेकर महादेव के दर पर पहुंचे। कांवर यात्रा शहर के चौक-चौराहों को होती हुई महादवे घाट स्थित हटकेश्वरनाथ मंदिर पहुंची।

दूसरी ओर बीजेपी नेता और मीडिया विभाग के सदस्य रविंद्र सिंह ने भी बिरगांव से मनोकामना कांवर यात्रा निकाली। इसमें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव भी शामिल हुए। हजारों की संख्या में कांवरिए शामिल होकर महादेव पहुंचे। ढोल-नगाड़े और डीजे की धुन पर कांवरिए झूमते गाते हुए महादेव घाट मंदिर पहुंचे।

इस दौरान आकर्षक झांकी भी निकाली गई। जिसे लोग देखते ही रह गए। बीरगांव से लेकर महादेवघाट तक हर-हर महादेव के जयकारे लगते रहे। पूरा हटकेश्वर नाथ मंदिर बम-बम भोले के जयघोष से गूज उठा। इस कांवर यात्रा में छत्तीसगढ़ समेत यूपी-बिहार के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

चौक-चौराहों पर भंडारे का आयोजन

कांवर यात्रा का लोगों ने जगह-जगह जमकर स्वागत किया। चौक-चौराहों पर भंडारे का आयोजन कर प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान बम-बम भोले के जयकारे लगते रहे। बच्चे, युवा, महिलाएं, बुजुर्ग आदि लोग बड़ी संख्या में कांवर यात्रा में शामिल हुए।

मनोकामना कांवर यात्रा बीरगांव, बुधवारी बाजार, व्यास तालाब चौक, भनपुरी, फाफाडीह, जेल रोड, शास्त्री चौक, निगम चौक, बूढातालाब, लाखनेनगर चौक, रायपुर चौक होते हुए महादेवघाट पहुंची।

उत्तर में कांग्रेस के सबसे ज्यादा दावेदार अब तक आठ, दक्षिण से सात

रायपुर। कांग्रेस में यदि टिकट की प्रक्रिया को माने तो पहले ब्लाक कांग्रेस कमेटी में आवेदन देना है और दावेदार लगातार आवेदन कर रहे हैं। बात राजधानी के चार विधानसभा की करें तो उत्तर से सर्वाधिक आठ,दक्षिण से सात व ग्रामीण से एकमात्र दावेदारी आई है। अभी तक पश्चिम से किसी ने भी आवेदन नहीं किया है। आज कल में वर्तमान विधायक दावेदारी कर सकते हैं। उत्तर से कांग्रेस के वर्तमान विधायक कुलदीप जुनेजा, पश्चिम से विकास उपाध्याय और ग्रामीण से सत्यनारायण शर्मा है। बताया जा रहा है जो दावेदार ब्लाक कांग्रेस कमेटी में आवेदन नहीं कर रहा है, वह 26 अगस्त तक जिला कांग्रेस कमेटी में आवेदन कर सकता है। जिला कांग्रेस कमेटी 29 अगस्त तक नाम का पैनल तैयार करके प्रदेश चुनाव समिति को भेजेगा।

इन्होंने जमा किया है आवेदन

उत्तर विधानसभा - पंकज मिश्रा, राकेश गुप्ता, राकेश धोत्रे,राजेंद्र कुमार बेरवं, नितिन ठाकुर, तरुणेश परिहार, अर्जुनदास वासवानी, जागेश्वर राजपूत।

दक्षिण विधानसभा - प्रमोद दुबे, कन्हैया अग्रवाल, सतनाम सिंह पनाग, मनोज सिंह ठाकुर, राजकुमार शुक्ला, संपत सिंह राजपूत, विकास तिवारी।

रायपुर ग्रामीण सीट से पंकज शर्मा ने पेश की दावेदारी

कांग्रेस वरिष्ठ विधायक सत्यनारायण शर्मा के पुत्र पंकज शर्मा ने आज रायपुर ग्रामीण विधानसभा के लिए दावेदारी पेश की है. उन्होंने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष को आवेदन सौंपा है. रायपुर ग्रामीण से मौजूदा विधायक सत्यनारायण शर्मा ने इस बार विधानसभा चुनाव लडने के मूड में नहीं है. उन्होंने अभी तक चुनाव में दावेदारी पेश नहीं की है. वैसे इस बात का दावा किया जा रहा है कि सत्यनारायण की जगह उनके बेटे पंकज ही यहां से मैदान में रहेंगे।

पंकज शर्मा बिरगांव नगर निगम के महापौर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ गांधी मैदान स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में टिकट के लिए आवेदन जमा करने पहुंचे. उन्होंने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष को अपना आवेदन सौंपा. इस दौरान पंकज शर्मा ने कहा ग्रामीण की जनता के साथ पांच सालों से हमारा सीधा जुड़ाव है. जनता ने हम पर भरोसा जताया है. जनता की सेवा करने अब चुनावी मैदान पर उतरने आया हूं।

विस अध्यक्ष महंत ने सक्ती विधानसभा से दिया आवेदन

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लाक कांग्रेस अध्यक्षों को विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने का आवेदन जमा करने के निर्देशों का पालन करते हुए सक्ती विधायक व छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने नवगठित जिला सक्ती के जिला कांग्रेस अध्यक्ष त्रिलोक जायसवाल के निवास कार्यालय में सक्ती ब्लाक अध्यक्ष कन्हैया कंवर व बमहनीडीह के ब्लाक अध्यक्ष राजेन्द्र श्रीवास को अपना आवेदन सौंपा। कांग्रेस के समर्पित सिपाही और सरल, सहज व सदगी के प्रतीक सक्ती विधायक डॉ. चरणदास महंत ने अपनी धर्मपत्नी व कोरबा सांसद ज्योत्सना महंत, अनुज राजेश महंत, पुत्र सूरज महंत सहित कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राघवेन्द्र कुमार सिंह, गुलजार सिंह, श्यामसुंदर अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, नरेश गेवाडीन, शाधेश्वर गभेल, जागेश्वर सिदार, घनश्याम पाण्डेय, गिरधर जायसवाल, उमेंद अग्रवाल, कमल किशोर राठौर, अशोक यादव, सावन सिदार, पिन्टू ठाकुर, रूपनारायण साहू, मनीष कथुरिया, रतराम पटेल, घनश्याम देवांगन, राजू जायसवाल, जगेश्वर सिंह राज, मनीराम साहू, सुखीराम, बाबूलाल जायसवाल, दीपा बरेठ, राघवेन्द्र नामदेव, बोधराम कश्यप, अशोक यादव, सुरेश देवांगन, महेश चौहान, बंशी खाण्डे, रविन्द्र शर्मा, कन्हैया कंवर, रवि शर्मा, रोहित यादव, रामेश्वर बरेठ, गौरीशंकर यादव, आदि उपस्थित थे।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी 60 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

मनेन्द्रगढ़। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने आज मनेंद्रगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर छत्तीसगढ़ की पहली विधानसभा सीट भरतपुर सोनहत से अपने पहले प्रत्याशी के नाम का ऐलान किया। श्याम सिंह मरकाम भरतपुर सोनहत विधानसभा से प्रत्याशी होंगे। 2018 में भरतपुर सोनहत विधानसभा सीट से श्याम सिंह मरकाम करीब 26763 वोटों के साथ तीसरे नंबर पर थे। आज मनेंद्रगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलेश्वर सिंह ने जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलेश्वर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में 60 सीटों पर पार्टी चुनाव लड़ेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि बीजेपी और कांग्रेस से हटकर क्षेत्रीय दलों के साथ पार्टी चुनाव लड़ेगी।

5 राज्यों के भाजपा विधायकों ने संभाला चुनावी मोर्चा

कार्यशाला में दिया जीत का मंत्र, प्रदेश की अलग-अलग विधानसभाओं में जाकर तलाशेंगे जीत की संभावनाएं

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी ने 90 विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी तैयारियों पर जोर देने लगी है. इसी क्रम में 5 राज्यों के 57 विधायक सोमवार को रायपुर पहुंचे. इन विधायकों ने प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में शामिल हुए. ये विधायक ओडिशा, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश यहां पहुंचे हैं. कार्यशाला में 5 राज्यों से पहुंचे विधायकों को टास्क दिया गया. जिसके बाद जनता का मन जानने के लिए मंगलवार से सभी विधायक विधानसभा क्षेत्रों में उतरेंगे. बैठक में कुल 30 बिंदुओं पर चर्चा की गई. जनता का मन जानने, केंद्र सरकार की योजनाओं से लोगो को अवगत कराने, संगठन को मजबूती देने, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सहयोग करने जैसे टास्क के साथ ये विधायक

अलग-अलग विधानसभाओं का दौरा करेंगे.

भूपेश सरकार कांग्रेस का एटीएम : साव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव आज कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित विधायक प्रशिक्षण वर्ग में शामिल हुए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष साव ने प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते यह भलीभांति मैं जानता हूं कि अपने विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर 10 दिन के लिए बाहर जाना बहुत कठिन कार्य है। लेकिन हम इस प्रशिक्षण वर्ग से संगठन के साथ अपने प्रदेश के लिए कुछ इनिवेटिव कार्य करने का प्रयास जरूर करेंगे और ऐसा मौका हमें अवश्य प्राप्त होगा।

अरुण साव ने भूपेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार ने की तरह से छत्तीसगढ़ को बर्बाद किया है। यह आप लोग भी जानते होंगे। प्रदेश में भ्रष्टाचार अपने चरम सीमा पर है। छत्तीसगढ़ में घोटालों का सिलसिला चल पड़ा है। जितने मंत्रियों के विभाग उतने घोटाले हुए हैं। कांग्रेस सरकार किस-किस प्रकार से घोटाला कर सकती है। यह हम और आप कल्पना भी नहीं कर सकते। गोबर में भी घोटाला हो सकता है यह कांग्रेस सरकार ने करके दिखा दिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ को दोनों हाथों से लूट रही है।

अरुण साव ने अन्य राज्यों से आये विधायकों को बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस पार्टी के लिए एटीएम के रूप में काम कर रहे हैं। देश में जहां-जहां चुनाव हुए उन सभी प्रदेशों में चुनाव के लिए फंडिंग करने का काम छत्तीसगढ़ कांग्रेस सरकार करती है। इसलिए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने ष्टरू भूपेश बघेल पर तंज कसते हुए कहा था कि ष्टरू के डेफिनेशन को छत्तीसगढ़ कांग्रेस सरकार ने बदल दिया है। ष्टरू का मतलब अब चीफ मिनिस्टर नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ के परिपेक्ष्य में कलेक्शन मास्टर हो गया है।सीएम भूपेश बघेल और उनकी सरकार ने जनता को धोखा देने का काम किया है।

शराबबंदी के बजाए सरकार ने किया शराब घोटाला

साव ने शराबबंदी के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए प्रशिक्षण वर्ग में कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार ने शराब बंद करने का वादा जनता से किया लेकिन सरकार बनाते ही अपना वादा भूल गयी। शराब बंद करने के बजाए कांग्रेस सरकार ने ?2000 हजार करोड़ का घोटाला किया ऐसा श्वष्ठ कहती है लेकिन हम कहते हैं इस भूपेश बघेल की सरकार ने ?10000 हजार करोड़ का घोटाला किया है। शराब के दुकानों पर इस सरकार का नियंत्रण है। शराब सप्लाई का काम कांग्रेस कर रही है। शराब वितरण के प्रक्रिया को ही कांग्रेस ने बदल दिया है। बिना टैक्स पटाएं, बिना होलोग्राम के शराब बेचने का काम कांग्रेस सरकार द्वारा किया जा रहा है। कोयला घोटाले में भी इनके अधिकारी व नेता जेल में हैं। मुख्यमंत्री के उपसचिव जो थे वे भी जेल में है। आईएएस अधिकारी जेल में है। इस कोयला घोटाले को लेकर श्वष्ठ के पास पुख्ता सबूत है। तभी 8 माह में इनकी जमानत नहीं हुई है।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

चला गया एक आधुनिक गाँधी

बात कर रहा हूँ, स्वच्छता, पर्यावरण और अपशिष्ट प्रबंधन के पर्याय बन चुके डॉ बिंदेश्वर पाठक की, जो आज भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में शौचालय के क्षेत्र में किए गए क्रांतिकारी कार्यवश मशहूर हो चुके थे। कुछ दिनों पहले उनका हृदयाघात के चलते निधन हो गया. मुझे लगा, ऐसे व्यक्तित्व के बारे में ज़रूर लिखा जाना चाहिए, जिसने सूटबूट धारण करते हुए भी लंगोटीधारी महात्मा गाँधी की परम्परा के अनुगामी ही थे, ख़ास कर अछूतोद्धार के मामले में. डॉ पाठक ने सुलभ इंटरनेशनल नामक एक संस्था बनाई, जिसने देश भर में शौचालय और स्नानागार शुरू किए. अब तो हर बड़े -छोटे शहर में सुलभ शौलालय मिल जाते हैं, लेकिन वर्षों पहले, ख़ास कर पचास साल पहले, किसी व्यक्ति को अगर

अचानक शौच लगे, तो वो दिक्क़त में पड़ जाता था. आम आदमी के इस परेशानी को महसूस करके डॉ पाठक ने सुलभ इंटरनेशनल सोशल संस्था बनाई। देखते-ही देखते यह संस्था देशव्यापी हो गई। पहले इनके अपने निजी शौचालय काम्प्लेक्स बने, जहां मात्र पांच रुपये देकर आदमी निवृत्त हो जाता था. इससे प्रेरित होकर सरकारी निकायों ने भी काम करना शुरू किया। जब मैं साहित्य अकादमी, नई दिल्ली का सामान्य सदस्य था, तो एक बार दिल्ली के पास स्थित पाठक जी के मुख्यालय को देखने का अवसर मिला था. जहां. मेरे साथ अछूतों के विषय में लिखने वाले लेखक डॉ देवेंद्र दीपक और अन्य लेखक थे। तब डॉ पाठक ने हमको पूरा परिसर घुमाया था. उनका टॉयलेट या कमोड म्यूजियम लाज़वाब था। वहां तरह-तरह के प्राचीनतम मगर आधुनिकतम टायलट नज़र आए। यानी अजीबोगरीब कमोड देखे, जिस पर राजा-रानी वगैरह बैठा करते थे. मानव मल को प्रोसेस करके उसे सामान्य उपजाऊ खाद में बदलने का कमाल भी पाठक जी कर रहे थे. पाठक जी भारत की उन महान विभूतियों में थे, जो ब्राह्मण धर्म में जन्म लेकर भी कभी मैला ढोने वालो से अलगाव नहीं किया. वरन वाल्मीकि समाज को उनके तथाकथित काम से मुक्त करने का अभियान चलाया। ऐसा वे बचपन से करने की भावना रखते थे. बचपन में उन्होंने एक अछूत महिला को छू दिया था, तो दादी ने इनको पीटा था, तब से ही बाल मन में यह बात बैठ गई थी, कि यह विषमता ठीक नहीं। वे जब बड़े हुए तो अछूतो को गले लगाने का ही काम किया। महात्मा गांधी के अछूतोद्धार का जो पवित्र काम शुरू किया था, उसे आज़ादी के बाद पाठकजी ने आगे बढ़ाया. कोई भी सरकार इस दिशा में सफल नहीं हो पा रही थी, तब 1970 में पाठक जी ने इस पर विचार किया और सुलभ शौचालय के निर्माण पर काम शुरू किया, और आम आदमी की एक महत्वपूर्ण समस्या समाधान होता गया। पाठक जी के नेतृत्व में अनेक अछूत समझी जाने वाली महिलाओं को सम्मान के साथ सुलभ के कार्यों से जोड़ा, मुख्यालय में सैकड़ों बहने विभिन्न कार्य कर रही है। हजारों दलित, वंचित इनसे जुड़ कर रोजगार प्राप्त कर चुके हैं. इनके प्रयासों से सर पर मैला ढोने के प्रथा से मुक्ति मिली। पर्यावरण के अनुकूल कैसे टॉयलेट बने, इसके कुछ मॉडल सुलभ इंटरनेशनल के मुख्यालय में दिख जाते है. स्वच्छता की दिशा में कार्य करने वाली एक बहन को तो पद्मश्री तक मिली। पाठक जी को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया. नोबेल सम्मान भी मिलता, तो वह कम ही होता। टाइम जैसी महत्वपूर्ण पत्रिका ने पाठक जी के काम पर लिखा। डॉ पाठक जैसे लोग सदियों में पैदा होते हैं और एक राह दिखा कर चले जाते हैं. अस्सी वर्ष की आयु में पाठक जी भी चले गए लेकिन दिशा में जो राह उन्होंने दिखाई, उस पर आने वाली पीढ़ियाँ,सरकारें चलती रहेंगी। जीवन वही सार्थक है, जो परंपरा निर्माण करे.

आईएएस नीलकंठ टेकाम भाजपा से करेंगे नई पारी की शुरुआत

■ **ओम माथुर दिलाएंगे सदस्यता**

रायपुर। विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश में सरगर्मी तेज है। ऐसे में लगातार पार्टियों में प्रवेश करने का सिलसिला चल रहा है। इस बार बीजेपी में लगातार आईएएस ऑफिसर पार्टी ज्वॉइन कर रहे हैं। कई अधिकारियों ने वीआरएस ले लिया है। कोंडागांव जिले के पूर्व कलेक्टर नीलकंठ टेकाम भाजपा में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। वो 23 अगस्त को बीजेपी ज्वॉइनिंग करेंगे। 23 अगस्त को बीजेपी की सदस्यता लेंगे। बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर केशकाल में बीजेपी में प्रवेश कराएंगे।

चर्चा है कि नीलकंठ टेकाम केशकाल या कोंडागांव से विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। बीजेपी उन्हें केशकाल से टिकट दे सकती है। टेकाम ने पहले वीआरएस के लिए आवेदन भी दिया था। सूत्रों के मुताबिक टेकाम केशकाल या कोंडागांव से चुनाव लड़ सकते हैं। कांकेर जिले के अंतागढ़ सरईपारा निवासी टेकाम की स्कूली शिक्षा भी कांकेर से ही हुई है। उन्होंने शासकीय गवर्मेंट कॉलेज से समाजशास्त्र से एमए किया है। यहां के वो छात्रसंघ अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

कोंडागांव में कलेक्टर रहते हुए उन्होंने नीति आयोग के आकांक्षी जिलों में कोंडागांव को नंबर वन बनाया। वे साल 2028 में रिटायर होंगे। साल 2008 में उन्हें आईआएएस अवॉर्ड भी मिल चुका है। वर्ष 1994 में उन्होंने एमपीपीएससी निकालकर एसटी वर्ग में टॉपर बने। वे ज्यादातर बस्तर संभाग में ही पदस्थ रहे। जगदलपुर में करीब 6 साल तक एसडीएम से लेकर अपर कलेक्टर के रूप में सेवाएं दी। जगदलपुर नगर निगम का कमिश्नर भी रह चुके हैं। दंतेवाड़ा जिला पंचायत सीईओ की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

अविभाजित मध्यप्रदेश में उन्होंने चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दे दिया था उस समय वो बड़वानी जिले में एसडीएम के पद पर कार्यरत थे।

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानथी श्रीनिवासन आज आएंगी

रायपुर. भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानथी श्रीनिवासन अपने दो दिवसीय प्रवास पर 22 अगस्त को 3 बजे छत्तीसगढ़ आ रही है. भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानथी श्रीनिवासन के साथ राष्ट्रीय पदाधिकारी इंदुबाला गोस्वामी राज्यसभा सांसद व महामंत्री महिला मोर्चा, निशा सिंह, विधायक व राष्ट्रीय महिला मोर्चा मंत्री एवं आरती सिंह महिला मोर्चा के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी. छत्तीसगढ़ महिला महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत प्रदेश के नेतृत्व में आगामी कार्यक्रम का होना सुनिश्चित हुआ है. इसके तहत विभिन्न जिलों में लाभार्थी सम्मेलन, नव मतदाता सम्मेलन, बुद्धिजीवी सम्मेलन, महिला जनचौपाल एवं अन्य विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा. राष्ट्रीय पदाधिकारी रायपुर भिलाई दुर्ग, धरसीवा में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश महिला मोर्चा की बहनों के साथ सम्मिलित होंगी।

सहायक शिक्षक भर्ती

हाईकोर्ट का अंतिम चयन सूची जारी करने पर रोक

बिलासपुर। सहायक शिक्षकों की भर्ती की काउंसलिंग और अंतिम चयन सूची जारी करने पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा भर्ती नियम, 2019 में 4 मई 2023 को संशोधन किया। इस संशोधन के मुताबिक, सहायक शिक्षक की भर्ती के लिए स्नातक और बीएड या डीएड की अनिवार्य योग्यता रखी गई और इसी आधार पर इसी दिन सहायक शिक्षकों के लगभग 6500 पद के लिए विज्ञापन 4 मई 2023 को जारी किया गया और 10 जून 2023 को परीक्षा आयोजित हुई थी।

परीक्षा में बीएड और डीएड प्रशिक्षित अभ्यर्थी शामिल हुए। 2019 के नियम में बीएड अभ्यर्थी को शामिल करने पर डीएड प्रशिक्षित अभ्यर्थी विकास सिंह, युवराज सिंह व अन्य ने हाईकोर्ट में चुनौती दी और बताया कि प्राथमिक स्कूल के बच्चों के अध्यापन के लिए डीएड कोर्स में विशेष ट्रेनिंग दी जाती है और बीएड में उच्चतर कक्षाओं में अध्यापन की ट्रेनिंग होती है। इसी आधार पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला लिया कि सहायक शिक्षकों जो कक्षा 1 से 5 में अध्ययन कराते हैं। बीएड अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं, केवल डीएड अभ्यर्थी ही पात्र हैं और बीएड शामिल करने से शिक्षा की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि वो प्राथमिक स्कूल बच्चों को पढ़ाने विशेष रूप से ट्रेंड नहीं है। जबकि डीएड प्रशिक्षित प्राथमिक के लिए विशेष प्रशिक्षित हैं। सर्वोच्च न्यायालय के उक्त निर्णय के आधार याचिकाकर्ता ने छत्तीसगढ़ शिक्षक भर्ती नियम 2019 से भी सहायक शिक्षक की अनिवार्य योग्यता से बीएड को अवैधानिक घोषित कर विलोपित करने यह याचिका लगाई और तब तक भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

भाजपा कर रही टेस्टिंग, बदलने पड़ेंगे प्रत्याशी: बैज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा के घोषित 21 प्रत्याशियों को लेकर सियासी पारा हाई है. प्रत्याशियों की बैठक को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने बीजेपी पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 21 प्रत्याशी जो घोषित किए हैं, उनका लगातार विरोध हो रहा है. स्थानीय कार्यकर्ताओं का विरोध भाजपा प्रत्याशियों को झेलना पड़ रहा है. पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि पहले भी कहा गया था कि यह टेस्टिंग के तौर पर प्रयास कर रहे हैं और आने वाले समय में उन्हें प्रत्याशी भी बदलने पड़ेंगे. वहीं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव के कानून व्यवस्था बदहाल है वाले बयान पर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि विधायक पर हुए हमले में प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई की है. गिरफ्तारी की गई है और आगे की कार्रवाई भी की जाएगी. गुंडाराज क्या होता है पिछले 15 साल में देख चुके हैं. इसेक साथ ही भाजपा प्रशिक्षण पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि बीजेपी को अपने स्थानीय नेताओं को भरोसा नहीं है. पूरे देश से इसलिए अपने विधायकों को इनकमिंग कर रहे हैं. यह प्रयास बीजेपी का नाकामयाब रहेगा. बाहर से आए विधायकों को जनता स्वीकार नहीं करेगी. इससे कार्यकर्ताओं में आक्रोश भी बढ़ेगा. चुनाव के लिए 11 राज्यों से भाजपा विधायक पहुंचे हैं.

75 से अधिक सीट जीतकर कांग्रेस सरकार बनाएगी: शुक्ला

रायपुर। विभिन्न एजेंसियों के ओपिनियन पोल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सभी एजेंसियों के ओपिनियन पोल के आंकड़े मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की बढ़ती लोकप्रियता सरकार के कामो पर जनता की सन्तुष्टि पर मुहर लगा रही है। कांग्रेस के प्रति प्रदेश के किसान, युवा, व्यापारी, महिलाओं, का भरोसा बढ़ा। हर वर्ग के साथ न्याय भूपेश सरकार ने की है। चुनाव में किए गए वादों के प्रति प्रतिबद्धता और 36 बिंदुओं में किये गए वादों में से 34 बिंदुओं को पूरा कर जनता का विश्वास कांग्रेस ने जीता है इसी विश्वास के दम पर कांग्रेस 75 से अधिक सीट जीतकर पुन: सरकार बनाएगी। पौने 5 साल में छत्तीसगढ़ की परंपरा तीज त्यौहार को देश में अलग स्थान मिला है। सभी सर्वे एजेंसियों के रिपोर्ट कांग्रेस के पक्ष में है। भाजपा का ग्राफ नीचे गया है, रमन सिंह और भाजपा की विश्वसनीयता दिन-ब-दिन गिर रही है।प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार की योजनाओं से प्रदेश के हर वर्ग को लाभ हुआ है, हर घर तक योजना पहुंची है, बिजली बिल हाफ योजना से प्रदेश के 44 लाख उपभोक्ता को लाभ हुआ है, किसान कर्ज माफी योजना से 20 लाख किसान कर्ज मुक्त हुये हैं। राजीव गांधी किसान न्याय योजना से 26 लाख से अधिक किसानों को लाभ मिल रहा है। तेंदूपत्ता का मानक दर 4,000 रु प्रति बोरा और 65 वनोपज की समर्थन मूल्य में खरीदी से 13 लाख 50 हजार से अधिक वनोपज संग्राहकों को लाभ हुआ।

केंद्रीय नेतृत्व को राज्य के नेताओं पर भरोसा नहीं: ठाकुर

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को प्रदेश के नेताओं पर भरोसा नहीं है इसलिए प्रदेश के बाहर से विधायक को छत्तीसगढ़ लाकर चुनाव प्रचार-प्रसार की ट्रेनिंग दे रहे हैं। भाजपा ने जो पहली सूची जारी की है उसमें से कई चेहरे दूसरे दलों से आए हुए हैं, कुछ लोगों का भाजपा से रिश्ता नया है। बीजेपी छत्तीसगढ़ में आयातित लोगों के सहारे चुनाव लड़ना चाहती है। प्रदेश की जनता का विश्वास भाजपा खो चुकी है। अब भाजपा अपने 13 सीट को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा पहले मोदी के चेहरा पर चुनाव लड़ने की हवा बाजी की, लेकिन कामयाब नहीं हुई। प्रदेश की हवा भाजपा के खिलाफ जाते देखकर भाजपा ने हार का ठीकरा मोदी के सिर पर मढ़ने से बचने स्थानीय चेहरा पर चुनाव लड़ने का मन बनाया। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, बृजमोहन अग्रवाल, नारायण चंदेल, अरुण साव 15 साल के कुशासन, भ्रष्टाचार, वादाखिलाफी के जाने जाने वाले दागदार चेहरा है। इनके खिलाफ जनता का आक्रोश दिखने से भाजपा की केंद्रीय नेतृत्व का पसीना छूटने लगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का लोकप्रिय चेहरा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं और वादा निभाने की प्रतिबद्धता के आगे भाजपा फिसड्डी साबित हो गई है।

सीएम के पास युवाओं के सवालों का कोई जवाब नहीं: चौधरी

रायपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि आप सरगुजा में युवाओं से संवाद करने जा रहे हैं। सरगुजा का युवा आपसे पूछता है कि आखिर तातापानी कौन से जिले में है। आप भी बोलेंगे, सरगुजा का बच्चा-बच्चा भी बोलेगा कि तातापानी बलरामपुर जिले में है लेकिन आपकी पीएससी तातापानी को सूरजपुर जिले में बताती है। सरगुजा आप से पूछता है कि आपके मेनिफेस्टो में 10 लाख युवाओं को 5 साल तक 2500 प्रति माह के हिसाब से 15000 करोड़ रुपए बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया गया था लेकिन आपने केवल ढाई सौ करोड़ रुपए का बजट क्यों रखा? सरगुजा का युवा आप से पूछता है कि पीएससी और व्यापम माफिया का गढ़ क्यों बना दिया है? सरगुजा आपसे पूछता है कि भर्ती और रोजगार में माफिया को क्यों घुसा दिया? सरगुजा के शिक्षक आपसे पूछते हैं कि पदस्थापना में संशोधन के नाम पर माफिया क्यों स्थापित कर दिया है। युवा आप से पूछता है कि छत्तीसगढ़ को आपने अपराध का गढ़ क्यों बना दिया? आपके पास किसी सवाल का जवाब नहीं है। याद रखिए 2023 में पूरे छत्तीसगढ़ का युवा, सरगुजा का युवा आप को सत्ता से बेदखल करने के लिए तैयार है।भाजपा प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि जब प्रदेश के शिक्षित युवा न्यायधानी से लेकर राजधानी तक सड़कों पर उतरते हैं, अनुसूचित जाति जनजाति के युवा निर्वस्त्र होकर प्रदर्शन करते हैं।

सत्यनारायण शर्मा नहीं लड़ेंगे चुनाव, पुत्र पंकज शर्मा ने रायपुर ग्रामीण से पेश की दावेदारी

रायपुर। रायपुर ग्रामीण स्नरू सत्यनारायण शर्मा इस बार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उनके बेटे पंकज शर्मा ने इस बार रायपुर ग्रामीण से दावेदारी पेश की है। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ आज ब्लॉक अध्यक्ष के पास आवेदन जमा किया। इस दौरान उनके समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरुण जंघेल को उन्होंने अपना आवेदन दिया। इस दौरान पंकज मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं को बूथ स्तर तक जन-जन को पहुंचाने का काम किया जा रहा है। प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में हम दोबारा सरकार बनाएंगे। सत्यनारायण ने शर्मा ने अभी तक चुनाव में दावेदारी पेश नहीं की है। अब उनकी विरासत को बेटे पंकज शर्मा संभालेंगे। वर्तमान में वो जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। पंकज शर्मा बिरगांव नगर निगम के महापौर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ गांधी मैदान स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में टिकट के लिए आवेदन जमा करने पहुंचे। इस दौरान पंकज शर्मा ने कहा कि रायपुर ग्रामीण की जनता के साथ पांच सालों से हमारा सीधा जुड़ाव है। जनता ने हम पर भरोसा जताया है। उसकी सेवा करने चुनावी मैदान में उतरना चाहता हूं। इस दौरान युवा नेता पंकज मिश्रा के साथ बिज्जू बंजारे, अमर कुर्रे, गोपी जाल, संजू राव, वोकेश देवांगन, दुर्गेश सारथी, पंकज त्रिपाठी उपस्थित थे।

नागपंचमी पर कुश्ती खेलने की रही है प्राचीन परंपरा: सीएम बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी में शंकर सेवा समिति द्वारा आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशवासियों को नागपंचमी की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस मौके पर राज्य में कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए रायपुर में राज्य स्तरीय कुश्ती अकादमी खोलने की घोषणा की। इसके साथ उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए बजरंगबली अखाड़ा प्रोत्साहन योजना शुरू करने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कुश्ती प्रतियोगिता को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में नागपंचमी के अवसर पर मलखंब और कुश्ती प्रतियोगिता की प्राचीन परंपरा रही है। त्यौहार के अवसर पर ऐसे प्रतियोगिता आपसी भाईचारे और सौहार्द्र का संचार करती है। उन्होंने कहा कि नागपंचमी का त्यौहार उन्हें बचपन की याद

दिलाती है। बचपन में स्लेट पट्टी पर नागदेवता का चित्र बनाते थे। अगरबत्ती और गुलाल भी चढ़ाते थे। यह एक सुखद अनुभव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नागपंचमी के अवसर पर पहले गांव-गांव में मलखम्ब, मल्लयुद्ध कबड्डी, कुश्ती आदि का आयोजन होते थे। पहलवान बड़ी संख्या में हिस्सा लेते थे। आज के दौर में ऐसे अवसर पर कुश्ती का आयोजन सराहनीय है। राज्य सरकार खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के लिए छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन कर रही है। बड़ी संख्या में बच्चे और बुजुर्ग हिस्सा ले रहे हैं। राज्य सरकार हर संभव खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए तत्पर है। इस मौके पर संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय ने भी सम्बोधित किया।

गौरतलब है कि कुश्ती प्रतियोगिता में दांवपेंच महत्वपूर्ण होता है। कुश्ती खिलाड़ी सूझ-बूझ और चतुराई से दांवपेच का उपयोग कर कुश्ती के तकातवर धुरंधर को भी चित्त कर देते हैं। कुश्ती में धोबीपछाड़, धाक, बैकसातो सहित टांगा, कलाजंक, फितले, भारनद्वज, लेंसन और झोली जैसे दांवपेंचों से कुश्ती का रोमांचक खेल एक अलग अनुभव कराती है। कुश्ती प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विजेताओं में प्रथम पुरस्कार रामकुण्ड अखाड़ा, रायपुर को प्राप्त हुआ, द्वितीय पुरस्कार खेल विभाग को और तृतीय पुरस्कार दंतेश्वरी अखाड़ा पुरानी बस्ती, रायपुर को मिला।

इस अवसर पर एमआईसी मेम्बर श्री सुन्दर जोगी, अखाड़ा समिति के अध्यक्ष श्री तोरन लाल साहू, उपाध्यक्ष श्री रामखिलावन साहू, श्री दीनानाथ शर्मा सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी और कुश्ती खिलाड़ी और दर्शक उपस्थित थे।

राष्ट्रपति से 22 अगस्त को भेंट करेंगे एकलव्य के 40 विद्यार्थी

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु और केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन मुंडा एवं केन्द्रीय जनजातीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह से छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के 40 विद्यार्थी 22 अगस्त को मुलाकात करेंगे। एकलव्य विद्यालय छत्तीसगढ़ के 40 विद्यार्थी पहली बार वायुयान से रवाना होकर आज दिल्ली पहुंचे।

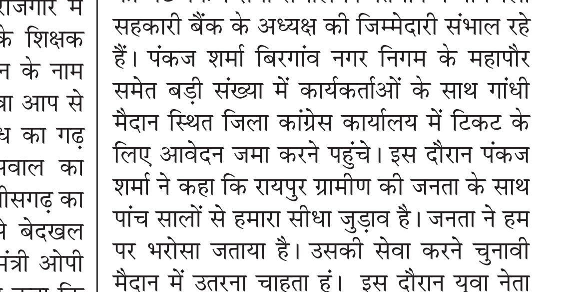

राष्ट्रपति, केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री और केन्द्रीय जनजातीय राज्य मंत्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों से नई दिल्ली में मुलाकात के दौरान जनजातीय विकास, जनजातीय गौरव दिवस, उनके शैक्षणिक विकास की प्रगति पर चर्चा कर उनके विचार जानेंगे।

एकलव्य विद्यालय के विद्यार्थी पहली बार वायुयान से यात्रा करने के कारण बहुत ही उत्साहित हैं।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.